डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 09.06.2025 से 15.06.2025

▶ वर्ष-42 ▶ अंक-24 ▶ मूल्य ₹ 10.00

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में संपन्न हुई स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट-2025 का शुभारंभ किया

निवेशकों के साथ बुनियादी जरूरतों, नीतियों और प्राथमिकता पर चर्चा

समिट में मिले 1 हजार 929 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट-2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश अपार संभावनाओं वाला प्रदेश है। मध्यप्रदेश को प्रकृति का पूर्ण स्नेह प्राप्त है।

भारत के हृदय स्थल में स्थित मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट एयर कनेक्टिविटी, रेल नेटवर्क और हाईवे मौजूद हैं, जो देश के हर कोने से मध्यप्रदेश की पहुंच को सुगम बनाते हैं। इन बुनियादी ढांचों का सतत विस्तार जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सतना और दतिया एयरपोर्ट का शुभारंभ कर इन सुविधाओं को और समृद्ध किया है।

पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित कर रही है

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा दशहरा और पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट का आयोजन किया गया है। यह अवसर मध्यप्रदेश की वृहद प्राकृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का निरूपण भी है। इस बारे में उन्होंने आगे कहा कि भारत की संस्कृति और जीवनशैली पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित कर रही है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति प्रेम और पूजन अभिन्न अंग है।

भारतीय जीवन दृष्टि केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी जीवनशैली को प्रोत्साहित करती है जिसमें व्यक्ति स्वस्थ रहे और रोगों की संभावना ही न हो। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को मेडिकल हब बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उज्जैन में मेडिसिटी की स्थापना की जा रही है और मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु मात्र 1 रुपये में 25 एकड़ भूमि प्रदान की जा रही है। निजी क्षेत्र को अस्पताल संचालन में भी हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है।

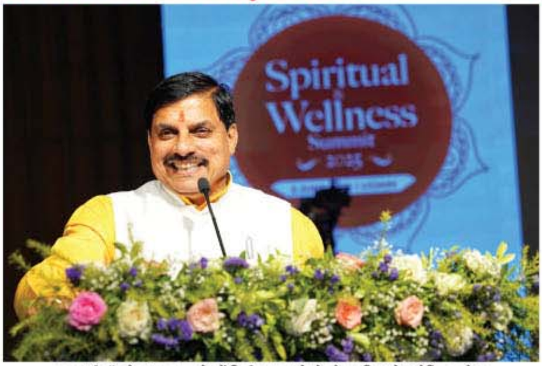

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में स्पिरिचुअल और वेलनेस समिट को संबोधित करते हुए

अध्यात्म और समाज कल्याण का हुआ संगम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'हील इंडिया' और 'लाइफ स्टाइल' जैसे दूरदर्शी विचारों से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को समग्र जीवनशैली और वेलनेस नवाचार का ग्लोबल सेंटर बनाया जा रहा है। समिट के माध्यम से प्रदेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत के वेलनेस मिशन का नेतृत्व करने को पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने समिट को एक परिवर्तनकारी पहल बताया और कहा कि यहां नीति, निवेश, अध्यात्म और समाज कल्याण का संगम हुआ है। मुख्यमंत्री ने समिट में वेलनेस और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के निवेशकों से 14 वन-टू-वन बैठकें कीं, जिनमें बुनियादी जरूरतों, निवेश समर्थक नीतियों और प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। समिट में 1 हजार 929 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

निवेश प्रक्रिया को सहज और आकर्षक बनाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में यह वर्ष उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और सेक्टर आधारित समिट के आयोजन से हर क्षेत्र, हर सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में 18 नवीन इन्वेस्टर्स फ्रेंडली पॉलिसी के माध्यम से निवेश प्रक्रिया को सहज और आकर्षक बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीआईएस में 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव और 21 लाख 40 हजार से अधिक रोज़गार के सृजन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

शांति का टापू है मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रोज़गारपरक उद्यमों के लिए 5 हजार रुपये प्रति व्यक्ति के मान से सरकार द्वारा विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर सरप्लस है, शांति का टापू है, कुशल मैनपॉवर, उत्कृष्ट अधोसंरचना और प्राकृतिक, आध्यात्मिक स्थल इसे स्पिरिचुअल और वेलनेस क्षेत्र में निवेश के लिए एक आदर्श स्थल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि नीतिगत सहयोग के साथ-साथ 100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के लिए विशेष सहयोग कस्टमाइज्ड नीति के रास्ते भी उपलब्ध हैं।

/संक्षिप्त खबर/

बी.एड. और एम.एड. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये आवेदन शुरु

भोपाल, प्रदेश में शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों में संचालित बी.एड. एवं एम.एड. पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया 5 जून 2025 से प्रारंभ हो चुकी है। शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सभी संवर्ग के शासकीय सेवारत शिक्षक ही पात्र हैं। ऐसे इच्छुक शासकीय शिक्षक जो बी.एड. और एम.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश लेना चाहते हैं वे rsk.mponline.gov.in पर आवेदन कर सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों का जिलेवार चिह्नांकन करते हुए शिक्षा महाविद्यालय के कैचमेन्ट क्षेत्र में जिलों की संख्या और नाम निर्धारित किये गए हैं। विस्तृत विवरण एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर देखा जा सकता है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'विरासत भी और विकास भी' की दिशा में निरंतर बढ़ता मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री

नर्मदापुरम, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पचमढ़ी स्थित होटल अमलतास में आयोजित पर्यटन विकास निगम के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश 'विरासत भी और विकास भी' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश को गौरवान्वित करने वाले जननायक की कर्मभूमि में कैबिनेट बैठकें और कार्यक्रम आयोजित कर विकास के संकल्प को और मजबूत किया जा रहा है। गोंडवाना की रानी दुर्गावती, मालवा में सम्राट विक्रमादित्य, निमाड़ की रानी लोकमाता देवी अहिल्याबाई और अब जननायक राजा भभूत सिंह के उत्कृष्ट कार्यों और स्वर्णिम पक्षों को समाज के समक्ष जीवंत किया जा रहा है।

पचमढ़ी दुनिया में जाना जाता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि पचमढ़ी अपने अप्रतिम नैसर्गिक सौंदर्य के लिए पूरे देश और दुनिया में जाना जाता है। यह अंचल प्राकृतिक सौंदर्य के साथ कई ऐतिहासिक तथ्यों को भी समाहित किए हुए है। प्रदेश सरकार द्वारा पचमढ़ी के विकास में आ रही बाधाओं को दूर कर इसे सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने जंगल सफारी सुविधा के लिए 11 ट्रेक्स क्रूजर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

खंडवा ने बढ़ाया मध्यप्रदेश का मान

जल संचय के लिए देश में बना नंबर 1

नई दिल्ली, केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे 'जल संचय, जनभागीदारी' अभियान में खंडवा जिले ने कीर्तिमान रचकर देशभर में मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है। खंडवा जिले ने जल संचय करने वाले जिलों में देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। राज्यों की श्रेणी में देश में मध्यप्रदेश चौथे नंबर पर है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने प्रदेश और जिलों की रैंकिंग जारी की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल संरक्षण अभियान में मध्यप्रदेश सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बारिश के पानी को संचयन करने तथा पुराने जल स्रोतों को नया जीवन देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में बारिश के पानी को रोकने के लिए खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट और अमृत सरोवर सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

जल संरक्षण सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'जल संचय, जनभागीदारी' अभियान में खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने खंडवा के नागरिकों, जन-प्रतिनिधियों और शासकीय अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इस अभियान में पूरे प्रदेश के सभी जिलों में बेहतर से बेहतर कार्य होगा।

प्रदेश की लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन में मिलेगा अतिरिक्त राशि का उपहार - मुख्यमंत्री

रीवा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा जिले के मनगवां में महिला स्व-सहायता समूह सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बहनों के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बहनों के लिए लाड़ली बहना योजना लगातार जारी रहेगी। रक्षाबंधन में बहनों को इस योजना से अतिरिक्त राशि दी जाएगी। इस योजना की राशि 3 वर्ष में बढ़ाकर 3 हजार रुपये तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को संपत्ति के पंजीयन में दो प्रतिशत की छूट दी जा रही है, इसके फलस्वरूप पिछले एक साल में 70 प्रतिशत संपत्तियों का पंजीयन महिलाओं के नाम पर हुआ है। महिला सशक्तिकरण के लिये राज्य सरकार संकल्पित है। महिला स्व-सहायता समूहों को उद्योग लगाने के लिए भी छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में 49.97 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा के सफेद बाघ और सुंदरजा आम विश्व प्रसिद्ध हैं। रीवा में महानगरों की तरह आईटी पार्क बन रहा है। इससे प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इस साल यूपीएससी की परीक्षा में प्रदेश के 60 उम्मीदवारों को सफलता मिली है जो देश में सर्वाधिक है।

विकास के लिए करेंगे हर संभव सहायता

मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा तेजी से विकास कर रहा है और क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी। रीवा जिले के हर खेत में सिंचाई के लिए पानी की सुविधा मिलेगी। हम किसानों को 5 रुपये में सिंचाई के लिए बिजली का कनेक्शन देंगे। अगले 3 सालों में 32 लाख किसानों को सोलर पंप देकर बिजली के बिल से मुक्ति दिलाएंगे। किसान सोलर से प्राप्त बिजली का उपयोग करेंगे और अतिरिक्त बिजली को सरकार खरीदकर किसानों को पैसा देगी। मुख्यमंत्री ने जनपद पंचायत गंगेव के भवन निर्माण तथा हिनौती गौधाम में बांध निर्माण की घोषणा की।

31 मई

नौ प्रतिशत ग्लेशियर 2050 तक घट जाएंगे

● हिमालय की नदियां 130 करोड़ लोगों को ताजा पानी देती हैं। इसका ऊपरी सिंधु

बेसिन (यूआईबी) वाला हिस्सा पूरी तरह जमा हुआ है। यही पिघल कर नदियों का रूप लेता है। अनुमान है कि यदि पारा चढ़ने की रफ्तार यही रही तो वर्ष 2050 तक यूआईबी के ग्लेशियर लगभग नौ प्रतिशत घट जाएंगे। इससे सिंचाई, नदियों में पानी लगभग न के बराबर बचेगा। इसका असर कश्मीर के पूरे पर्यावरण पर पड़ेगा। हवाएं गर्म हो जाएंगी। जम्मू-कश्मीर के मौसम वैज्ञानिकों ने सचेत किया है कि घाटी का तापमान अब घटेगा नहीं, बल्कि ऐसे ही बढ़ेगा। यदि अभी कश्मीर में कृत्रिम जल भंडारण प्रणाली नहीं बनाई गई तो न यहां ठंडी हवाएं होंगी, न फिजाएं और न ही बर्फ। नदियां सूख जाएंगी। कश्मीर विश्वविद्यालय के पृथ्वी विज्ञान विभाग ने केंद्र सरकार को घाटी में ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहे खतरे से आगाह करने के लिए प्रस्ताव भेजा है।

● पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह समिति अफगानिस्तान की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले व्यक्तियों और समूहों पर प्रतिबंध लगाती है। ऐसा माना जा रहा है कि पाकिस्तान तालिबान से संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। इसके साथ ही पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष भी बनाया गया है।

1 जून

देश में दस लाख एआई प्रोफेशनल्स की जरूरत

● देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रोफेशनल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। 'इंडिया की एआई क्रांति : विकसित भारत के लिए रोडमैप' रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2026 तक भारत को 10 लाख एआई स्किल्ड प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत वर्ष 2047 तक 23-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अनुसार, वर्ष 2024-25 के लिए बी.टेक. कोर्स की स्वीकृत सीटें बढ़कर 14.9 लाख हो गई हैं। यह पिछले चार साल में करीब 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इसमें कम्प्यूटर साइंस और उससे जुड़े कोर्स जैसे एआई अथवा एमएल, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कम्प्यूटिंग और ब्लॉकचेन की सीटों में 50 प्रतिशत से ज्यादा इजाफा हुआ है।

● वियतनाम ने घटती जन्म दर और बढ़ती उम्र की आबादी के दबाव को कम करने के लिए दो-बच्चों की सीमा को खत्म कर दिया है। वियतनाम नेशनल असेंबली ने परिवारों पर एक या दो बच्चे पैदा करने की सीमा हटाने वाला संशोधन पारित किया। बता दें कि वियतनाम में जन्म दर वर्ष 2021 में 2.11 थी, जो वर्ष 2024 में घटकर 1.91 हो गई।

2 जून

देश का पहला सोलर पावर्ड सेकंड-लाइफ बैटरी वाला ईवी चार्जिंग स्टेशन शुरू

● बेंगलुरु में देश का पहला ऐसा इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन शुरू हुआ है

जो सोलर एनर्जी से चलता है और सेकंड लाइफ बैटरी से जुड़ा है। इसे कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री श्री केजे जॉर्ज ने लॉन्च किया। इसका उद्देश्य क्लीन एनर्जी और ग्रीन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना है। श्री जॉर्ज ने बताया कि सोलर एनर्जी और सेकंड-लाइफ बैटरियों का यह संयोजन ग्रिड से स्वतंत्र ऑपरेशन को संभव बनाता है। इसके साथ ही यह हाई-डिमांड ट्रांजिट जोन में चार्जिंग की बेहतर सुविधा देता है।

● करीब 3 साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। इसमें रूस के 41 सैन्य विमान तबाह कर दिए। हमले से हुए नुकसान की अनुमानित लागत करीब 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा बताई गई। इस हमले को रूस का 'पर्ल हार्बर' कहा जा रहा है। इस बीच रूस ने भी यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। 472 ड्रोन और साथ मिसाइलें दागी गईं। एक मिसाइल हमले में यूक्रेन के 12 सैनिक मारे गए और 60 से ज्यादा घायल हो गए।

3 जून

सुपर स्पेशियलिटी के छह कोर्स अब होम्योपैथी में भी

● होम्योपैथी में पहली बार सुपर स्पेशियलिटी कोर्स की शुरुआत होने वाली है। अभी तक होम्योपैथी में सिर्फ स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई होती है। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग ने होम्योपैथी सुपर स्पेशियलिटी और डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन इन होम्योपैथी के लिए नए नियमों, 2025 का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। जुलाई 2026 में प्रमुख सरकारी मेडिकल संस्थानों में इनकी पढ़ाई शुरू हो जाएगी। होम्योपैथी शिक्षा बोर्ड ने यह कदम विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में उठाया है। शुरुआत में मेडिकल ऑन्कोलॉजी, क्लिनिकल र्यूमेटोलॉजी, पीडियाट्रिक साइकियाट्री, पल्मोनरी मेडिसिन, क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी और एंडोक्राइनोलॉजी जैसे छह कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। डीएम होम्योपैथी कोर्स तीन वर्ष का होगा। इसे तीन हिस्सों पार्ट-I, II, III में बांटा गया है। प्रत्येक में 12 महीने की पढ़ाई होगी। पढ़ाने के लिए विभाग के ही अनुभवी लोगों को लेंगे। साथ ही मॉर्डन मेडिसिन के एक्सपर्ट से भी मदद लेंगे।

● बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ पिछले वर्ष छात्रों के प्रदर्शन को हिंसक रूप से दबाने के लिए जनसंहार समेत कई आरोप तय किए हैं। इस कार्यवाही के बाद अब शेख हसीना के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा शुरू किया जाएगा। मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने कहा कि हमला 'पूर्व नियोजित और राज्य संरक्षित' था। सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया। हसीना दोषी साबित हुईं तो मृत्युदंड तक दिया जा सकता है।

4 जून

भारत का पहला स्वदेशी एआई मॉडल 'भारतजेन' लॉन्च

● केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत का पहला स्वदेशी

मल्टीमॉडल एआई आधारित लैंग्वेज मॉडल 'भारतजेन' लॉन्च किया। यह मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में टेक्स्ट, स्पीच और इमेज के जरिए काम करेगा। इसे आईआईटी बॉम्बे के आईओटी और आईओई के लिए बने टीआईएच फाउंडेशन ने नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स के तहत विकसित किया है। यह सरकार द्वारा फंडेड है और देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों, विशेषज्ञों और इनोवेटर्स के सहयोग से तैयार हुआ है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारतजेन एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसका उद्देश्य ऐसी एआई तकनीक विकसित करना है जो नैतिक, समावेशी, बहुभाषी और भारतीय मूल्यों से जुड़ी हो। भारतजेन हेल्थकेयर, एजुकेशन, एग्रीकल्चर और गवर्नेंस जैसे अहम क्षेत्रों में क्षेत्रीय जरूरतों के अनुसार समाधान देगा।

● जातियों की गणना के साथ-साथ जनगणना-2027 को दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है। जनगणना-2027 के लिए संदर्भ तिथि मार्च, 2027 के प्रथम दिन होगी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों के असमकालिक बर्फीले क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि अक्टूबर, 2026 के प्रथम दिन होगी। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के प्रावधान के अनुसार उपरोक्त संदर्भ तिथियों के साथ जनगणना कराने के आशय की अधिसूचना 16.06.2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जाएगी। भारत की जनगणना, जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की जाती है।

5 जून

सिक्किम में सेना ने 113 पर्यटकों को रेस्क्यू किया

● बारिश से पूर्वोत्तर भारत में जनजीवन अस्त-व्यस्त है। सिक्किम में भूस्खलन से लाचेन गांव का संपर्क कट गया, जहां से सेना ने अब तक 113 पर्यटकों को रेस्क्यू किया है। उल्लेखनीय है कि असम में

ब्रह्मपुत्र नदी के उफान से 21 जिलों में 6.5 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

● भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत भारत में सोलर पीवी मॉड्यूल के निर्माण की संभावनाएं भी तेजी से उभर रही हैं। देश की फोटोवोल्टिक मॉड्यूल उत्पादन क्षमता दो गीगावॉट से बढ़कर 70 गीगावॉट हो गई है। उल्लेखनीय है कि इससे न केवल घरेलू जरूरतों की पूर्ति होगी, बल्कि भारत विश्व में सोलर टेक्नोलॉजी का निर्यातक भी बन सकता है।

● पश्चिम मध्य रेलवे ने पांच जून को अंतर्राष्ट्रीय रेलवे समपार (रेलवे क्रॉसिंग) जागरूकता दिवस के रूप में मनाया। यह आयोजन इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवेज के तत्वावधान में हुआ। इसमें भारत सहित 50 से अधिक देश शामिल हैं। इसका उद्देश्य समपार फाटक उपयोगकर्ताओं और रेल कर्मियों के बीच सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाना है। इसके जरिए समपार पर होने वाली दुर्घटनाएं और जनहानि को कम किया जा सकता है। इस वर्ष की थीम है - 'अच्छे निर्णय लेने में लोगों की सहायता करें। ध्येय वाक्य है -हर समय, सही निर्णय'। उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेलवे पर अब कोई भी मानव युक्त समपार फाटक नहीं बचा है। व्यस्त मानव सहित समपार फाटकों को भी चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। इसके लिए रोड अंडर ब्रिज और रोड ओवर ब्रिज बनाए जा रहे हैं।

6 जून

सरकार का डिजिटल पेमेंट के साथ छोटे नोटों पर फोकस

● वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार डिजिटल लेनदेन को

बढ़ावा देने के साथ-साथ 10 रुपये, 20 रुपये और 50 रुपये के नोटों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी काम कर रही है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने फिनटेक कंपनियों की सराहना की, जिन्होंने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया और छोटे व्यवसायों और सरकारी योजनाओं की डिलीवरी को प्रभावी बनाया।

● कर्नाटक में 21 साल से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति का सिगरेट या अन्य तंबाकू उत्पाद खरीदना प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। कानून तोड़ने पर अब एक हजार रुपये तक का जुर्माना लगेगा। उल्लेखनीय है कि पहले यह जुर्माना 200 रुपये था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

Sapphire Group of Institutions
Behind Govt. Veterinary College, Gram Borkhedi, Mhow, Indore M.P. - 453441

APPOINTMENTS
Applications are invited for the following positions under College code 28

Position	Department	Eligibility
SAPPHIRE INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT		
Principal / Professor Associate Professor Assistant Professor	MBA (Finance, HR, Marketing, Operations and Systems)	Qualification & Salary as per AICTE/DAVV, norms
SAPPHIRE INSTITUTE		
Principal / Professor Associate Professor Assistant Professor	BBA B.Com. (Computer Applications)	Qualification & Salary as per AICTE/DAVV, norms

Applications are also invited for following positions
Librarian, Scholarship in-charge, Receptionist, Accountant, Office Assistant, Lab Tech, Peon & Driver
Interested candidates can send / post their applications along with all testimonials on
info@sapphireinstitute.in 9770655222
Vikas R-51077/2025

एजेंसी देना है
मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र
रोज़गार और निर्माण
प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।
एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006
प्रमुख आकर्षण
• कॅरियर की खबरें • सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
• सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां • मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
• खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें • विज्ञान की बातें
मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com
आज ही खरीदें प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 24 09.06.2025 से 15.06.2025
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

• प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
• सम्पादक - रंजना चितले
• प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
• प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
• आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
• वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को सामने लाने के लिए विशेष पहल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विरासत भी और विकास भी' के संकल्प की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित है। पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई के 300वें जयंती वर्ष में इंदौर और अब क्रांतिवीर राजा भभूत सिंह की स्मृति में 3 जून को पचमढ़ी में मंत्रिपरिषद की बैठक संपन्न हुई। इन ऐतिहासिक स्थानों पर कैबिनेट करने का उद्देश्य विरासत के संरक्षण के साथ विकास की भावना है। युवा देशभक्त राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे के मुख्य सहयोगी के रूप में सतपुड़ा की गोद में 1857 की सशस्त्र क्रांति का सूत्रपात किया था। उन्होंने 1860 तक अंग्रेजों से संघर्ष किया। मध्यप्रदेश सरकार ने पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक कर महान स्वाधीनता सेनानी राजा भभूत सिंह के राष्ट्रहित में बलिदान का पुण्य स्मरण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राजा भभूत सिंह छापामार युद्ध नीति में पारंगत होने के कारण नर्मदांचल के शिवाजी कहलाते थे। उन्होंने आदिवासी समाज के साथ-साथ क्षेत्र के सभी वर्ग के लोगों को आंदोलन से जोड़ा था। वे सतपुड़ा के पहाड़ी मार्ग के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे, जबकि अंग्रेज इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों से परिचित नहीं थे। राजा भभूत सिंह को पकड़ने के लिए ही ब्रिटिश सरकार को मद्रास इन्फेंटरी को बुलाना पड़ा था। दो साल के कड़े संघर्ष के बाद ब्रिटिश सेना राजा भभूत सिंह को गिरफ्तार कर पाई। राजा भभूत सिंह की वीरता के किस्से आज भी लोक मानस की चेतना में जीवंत हैं। पचमढ़ी में आज का बोरी क्षेत्र भभूत सिंह जी की जागीर में ही आता था। चौरागढ़ महादेव की पहाड़ियों में राजा भभूत सिंह के दादा ठाकुर मोहन सिंह ने 1819-20 में अंग्रेजों के खिलाफ नागपुर के पराक्रमी पेशवा अप्पा साहेब भोंसले का हर तरह से सहयोग किया था।

मध्यप्रदेश राज्य के गठन के बाद वर्ष 1959 तक पचमढ़ी ग्रीष्मकालीन राजधानी रही और यहीं पर विधानसभा का सत्र हुआ करता था। अब हमारी सरकार ने इसी स्थान पर कैबिनेट बैठक करने का निर्णय लिया है। पचमढ़ी, प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ स्वतंत्रता के लिए जनजातीय समाज द्वारा दिए गए बलिदान की दृष्टि से भी एक प्रमुख स्थान है। अंग्रेजों से सशस्त्र संघर्ष में जनजातीय समुदाय ने अपनी जान की बाजी लगाकर न केवल 1857, बल्कि इसके पूर्ववर्ती काल में भी जल, जंगल और जमीन के लिए बलिदान दिया। इस गौरवशाली इतिहास को सबके सामने लाने के लिए राज्य सरकार जनजातीय भाई-बहनों के साथ समाज के सभी वर्गों का ध्यान रख रही है।

मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के सभी क्षेत्रों में गरीब, किसान (अन्नदाता), युवा और नारी सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश की वन संपदा और घने जंगलों में टाइगर (बाघ) सहित वन्य जीवों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वन्य क्षेत्र के संरक्षण में जनजातीय समाज का सराहनीय योगदान रहा है। पचमढ़ी रोज़गार और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। मंत्रिपरिषद की बैठक में पचमढ़ी क्षेत्र के विकास के लिए मंथन किया गया। उल्लेखनीय है कि विकास के मामले में पहले यहां कई तरह की पाबंदियां थीं, जिन्हें पिछली कैबिनेट में हटाने का कार्य किया गया है। पचमढ़ी एक बार पुन: अपने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ गौरव प्राप्त करेगी। पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक के बाद दूसरे चरण में विधायकों और सांसदों का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होगा।

भारत का रेशम उद्योग: दुनिया में दूसरा सबसे अधिक रेशम उत्पादन वाला देश

रेशम एक ऐसा धागा है जो भारत के इतिहास, परंपरा और कला को न केवल आपस में जोड़ता है बल्कि इसने भारतीय कला और संस्कृति को संजोकर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बनारसी, कांचीपुरम, मैसूरी साड़ियों के समृद्ध, चमकीले रंगों से लेकर भागलपुर के टसर सिल्क की सुंदरता तक हर रेशमी साड़ी एक कहानी कहती है। वे शुद्ध रेशम से बनी होती हैं जिन्हें कुशल कारीगरों द्वारा बुना जाता है। यह शिल्प पीढ़ियों से चला आ रहा है। विशेष बात यह है कि भारत 38 हजार 913 मीट्रिक टन के साथ रेशम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। चीन 50 हजार मीट्रिक टन के साथ रेशम उत्पादन में प्रथम स्थान पर है।

रेशम उत्पादन एक कृषि आधारित उद्योग है। इसमें कच्चे रेशम के उत्पादन के लिए रेशम के कीड़ों को पाला जाता है। रेशम उत्पादन की प्रमुख गतिविधियों में खाद्य-पौधों की खेती शामिल है जिसमें रेशम के कीड़ों को खिलाने के लिए रेशम के कोकून बनाते हैं। रासयनिक रूप से कहा जाए तो रेशम एक कैटपिलर है जो रेशम कीट द्वारा तरल अवस्था में स्त्रावित प्रोटीन से बना होता है। यह रेशम कीट चुने हुए खाद्य पौधों को खाते हैं और जीवन को बनाए रखने के लिए सुरक्षा कवच के रूप में कोकून बनाते हैं।

रेशम उद्योग एक मजबूत परंपरा और संस्कृति से जुड़ा घरेलू बाजार है। भारत में शहतूत रेशम का उत्पादन मुख्य रूप से कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, जम्मू और कश्मीर तथा पश्चिम बंगाल में किया जाता है। जबकि बगैर शहतूत रेशम का उत्पादन झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और उत्तर पूर्वी राज्यों में किया जाता है। दुनिया में प्रमुख रेशम उत्पादक देश चीन, भारत, उज्बेकिस्तान, ब्राजील, जापान, कोरिया, थाइलैंड, वियतनाम, कोरिया और ईरान हैं।

भारत सरकार के राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत रेशम उद्योग के विकास को नई गति मिली है। इससे किसानों, बुनकरों और ग्रामीण परिवारों को मदद मिल रही है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के ग्यारह वर्ष

समृद्ध और सशक्त भारत की ऊंची उड़ान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बहुआयामी विकास की नई उड़ान भरी है। उनकी नीतियों और निर्णयों से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को नई गति मिली है। समृद्धि के साथ वैश्विक सम्मान भी बढ़ा है। भारत ने विश्व की चौथी अर्थ व्यवस्था का स्थान अर्जित कर लिया है।

श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के पन्द्रहवें प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई, 2014 को पहली बार और 9 जून, 2024 को अपनी तीसरी पारी के लिये प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुये उन्होंने ग्यारह वर्ष पूरे कर लिये हैं। वे देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनका जन्म स्वतंत्रता के बाद हुआ। मोदी जी अतिसामान्य परिवार की पृष्ठभूमि से आते हैं। राजनीति में उनका कोई 'गॉड फादर' भी नहीं था। एक सामान्य परिवार की पृष्ठभूमि से आने वाले किसी व्यक्ति के लिये ऐसी यात्रा दुर्लभ होती है। मोदी जी की इस सफलता के मूल में उनका पुरुषार्थ, परिश्रम, प्रतिभा और प्रज्ञा शक्ति है। बचपन से लेकर आज तक न तो उनकी संकल्पशीलता बदली और न जीवन शैली। आध्यात्म की ओर जैसा झुकाव बालवय में था, वैसा ही झुकाव आज भी है। प्रधानमंत्री रहते हुये भी वे वर्ष में एक बार एकांत साधना करते हैं। उनके आत्मविश्वास और संकल्प शक्ति की अति दृढ़ता का आधार उनकी यही साधना है। संसार में वही व्यक्ति अपना विशिष्ट स्थान बनाता है, जो लीक से अलग हटकर काम करता है। मोदी जी ने इसकी झलक ग्यारह वर्ष पहले ही दे दी थी। उन्होंने संसद भवन की सीढ़ियों को नमन् करके प्रधानमंत्री के रूप में अपनी पारी की शुरुआत की थी। संसद की सीढ़ियों को नमन् करने वाले वे देश के पहले प्रधानमंत्री हैं। इस नमन् ने उन्हें भारत के सभी प्रधानमंत्रियों से अलग पहचान दी। उनकी यह अलग पहचान उनके हर निर्णय में भी झलकती है। पहली बार शपथ ग्रहण के साथ उन्होंने जो संकल्प व्यक्त किया था, अपनी भावी यात्रा के जो संकेत दिये थे, वे आज भी उस पर कायम हैं। इन ग्यारह वर्षों के कार्यकाल में कितने ही उतार-चढ़ाव आये, कितने तनाव आये। उन पर व्यक्तिगत राजनैतिक हमले भी सतत होते रहे पर वे कभी विचलित नहीं हुये। अपनी नीति और निर्णय पर सदैव अडिग रहे। उन्होंने सिद्धांत से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कुछ निर्णय तो ऐसे लिये हैं जिनकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। उनके अभूतपूर्व निर्णयों में एक कश्मीर से धारा 370 को हटाना है। यह धारा कश्मीर को भारत की अभिन्नता से दूर कर रही थी। इसके हटने से कश्मीर से भारत का एकत्व प्रमाणित हुआ। मोदी जी का दूसरा बड़ा निर्णय शरणार्थी नागरिकता कानून CAA है। इसके अंतर्गत भारत के पड़ोसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि से आए ऐसे अल्पसंख्यक शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान है, जिन्हें धार्मिक आधार पर उन देशों में प्रताड़ित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में काम कर रही सरकार का एक बड़ा निर्णय मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाने का है। इस कानून के माध्यम से सरकार ने धार्मिक परंपरा में हस्तक्षेप किये बिना इसके दुरुपयोग पर रोक लगाई है। कुछ लोग इस प्रावधान का दुरुपयोग कर रहे थे और वाट्सअप, फोन अथवा टेलीफोन पर ही तीन बार तलाक कहकर महिलाओं को छोड़ रहे थे। इसका पीड़ित मुस्लिम महिलाओं ने स्वागत किया। इसी श्रृंखला में सरकार ने वक्फ संशोधन विधेयक लाकर इसके भी दुरुपयोग पर रोक लगाई। पुराने वक्फ कानून की आड़ में भूमि पर कब्जा करने की शिकायतें आ रही थीं। इस वक्फ संशोधन विधेयक से अब वक्फ संपत्ति का मुस्लिम समाज के कल्याण में उपयोग हो सकेगा।

मोदी जी की दृढ़ता का परिचय सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक में मिला। ऑपरेशन सिन्दूर ने भारत का मान पूरी दुनिया में बढ़ाया। भारत ने पाकिस्तान के नौ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया और सौ से अधिक आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा। पहलगाम में आतंकवादियों ने महिलाओं को सामने खड़ा करके उनका सिन्दूर उजाड़कर मनोबल तोड़ने का प्रयास किया। इसीलिये इस अभियान का नाम 'सिन्दूर' रखा और महिला सैन्य अधिकारियों को ही आगे किया। मोदी जी ने भारत राष्ट्र की स्वतंत्रता और संस्कृति रक्षा के लिये बलिदान होने वाले महानायकों के स्मरण का अभियान चलाया तथा उनके जीवन परिचय को पाठ्यक्रम में जोड़ने की योजना शुरू की।

यह मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का परिणाम है कि भारत अब दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। मोदी जी ने वर्ष 2027 तक भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थशक्ति बनाने तथा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प किया है। उन्होंने डिजीटलाइजेशन को बढ़ावा देकर कदाचार पर नियंत्रण का कदम उठाया है तो नोटबंदी करके नकली मुद्रा के प्रचलन पर एक बड़ा प्रहार किया था।

उनके निर्णयों में 'राजनीति' नहीं होती 'राष्ट्रनीति' होती है। यही राष्ट्रनीति उनके नारों में भी है। इसे हम उनके दिये गए नारे 'विकास भी विरासत भी' से भी समझ सकते हैं। मोदी जी ने कहा था कि भले हम आकाश की ऊंचाइयों तक विकास कर लें, लेकिन हमें अपनी विरासत को भी साथ लेकर चलना है। वर्ष 2014 में अपनी पहली पारी में विरासत को सहेजने के लिये ही उन्होंने भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास और पुनर्प्रतिष्ठा का कार्य हाथ में लिया। इसे पर्यटन मंत्रालय से जोड़ा और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान' आरंभ किया। इसके अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं को हाथ में लिया। इस योजना से जहां जन समान्य में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मविश्वास बढ़ा वहीं पर्यटकों की संख्या भी बढ़ी। इसे हम प्रयागराज महाकुंभ में उमड़े जन सैलाब, वैष्णो देवी, दक्षिण में रामेश्वरम अथवा ओडिशा की जगन्नाथ रथ यात्रा से समझ सकते हैं। नमामि गंगे योजना के अंतर्गत एक ओर पवित्र नदियों के साथ पूरे देश की नदियों की सफाई का अभियान छेड़ा। अपने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत मोदी जी स्वयं हाथ में झाडू लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान पहुंचे। उनके आह्वान पर पूरा देश सफाई अभियान में जुट गया और बदलते भारत को आज देखा जा सकता है। मोदी जी की नीतियां किसी वर्ग, किसी वर्ण, किसी क्षेत्र अथवा किसी पंथ विशेष के लिये नहीं अपितु संपूर्ण राष्ट्र और भारत के एक एक जन के लिये हैं। इसकी झलक मोदी जी नारे 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' में मिलती है। उनका चिंतन बहुत व्यापक और समावेशी है। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार मुक्त और विकासोन्मुख प्रशासन की नींव रखी है। उनकी नीतियां अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति को समृद्ध और समुन्नत बनाने की हैं। सब स्वस्थ रहें सब सुखी रहें। इसी के लिये उन्होंने आयुष्मान भारत अभियान चलाया। सत्तर वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को 5 लाख रुपये तक नि:शुल्क उपचार के लिए योजना लागू की। यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। महिलाओं को धुएं से मुक्ति के लिये उज्ज्वला योजना, हर घर जल और हर घर नल योजना है। देश के लगभग अस्सी करोड़ लोगों को नि:शुल्क अन्न दिया जा रहा है। इन ग्यारह वर्षों में लगभग 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं। गरीबों को वित्तीय धारा से जोड़ने के लिये 'जनधन योजना' लागू की। इस योजना में अब तक 55.2 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं।

मोदी जी ने आत्मनिर्भर भारत का जो नारा दिया था। वे इस पर आज भी काम कर रहे हैं। उनका मानना है कि जब तक भारत का प्रत्येक निवासी आत्मनिर्भर नहीं होगा, प्रत्येक समाज आत्मनिर्भर नहीं होगा। तब तक देश आत्मनिर्भर नहीं हो सकता। व्यक्ति, समाज और देश को आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की आधारभूत आवश्यकता की पूर्ति होना आवश्यक है। इसके लिये भोजन और आवास जैसी आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति होना आवश्यक है। मोदी जी ने इसके लिए हर सिर को छत, हर घर को जल और हर घर को गैस कनेक्शन जैसी योजनाएं आरंभ कीं। मोदी जी का मानना है कि जब तक एक भी भारतीय बेघर है, तब तक विकास अधूरा है। हर बेघर को घर देने की अपनी योजना के अंतर्गत 2014 से 2024 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में 3.34 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी गई। इसके साथ हर घर शौचालय योजना लागू की। मोदी जी के मन में प्रत्येक नागरिक के लिए गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने का चिंतन है। ये दोनों योजनाएं उनके चिंतन के अनुरूप परिणाम दे रही हैं।

विरासत सहेजने और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन की आधारभूत समस्याओं के समाधान कारक कदम उठाने के साथ उन्होंने विकास को नये आयाम देने के लिये भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान को भी नई उड़ान दी है।

'वोकल फॉर लोकल और लोकल से ग्लोबल'

मोदी जी का उद्देश्य केवल अर्थव्यवस्था में सुधार करना भर नहीं है। मोदी जी ने एक ऐसे भारत की कल्पना की है जो न केवल अपनी आवश्यकता का स्वयं उत्पादन करे अपितु निर्यातक भी बने। एक समय था जब भारत बंदूक ही नहीं बंदूक की गोलियां भी आयात करता था। भारत के सभी रक्षा उपकरण आयात करना होते थे। किन्तु अब निर्यातक देश बन गया है। जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया वह भारत का स्वदेशी उत्पाद है।

मोदी जी ने स्वयं को प्रधानमंत्री के रूप में नहीं अपितु प्रधान सेवक के रूप में प्रस्तुत किया। उनके कार्यकाल के ये ग्यारह वर्ष सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण की नींव हैं। मोदी जी के विकास के जिस मार्ग पर भारत चल पड़ा है इसकी मंजिल वही है जहां पूरी दुनिया में भारत की पहचान विश्व गुरु और सोने की चिड़िया के रूप में होगी।

- रमेश शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

प्रबंधन में स्नातक - बीबीए, बीएमएस, बीबीएम... (पूर्णकालिक 3/4 वर्षीय) एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक - बीसीए (पूर्णकालिक 3/4 वर्षीय) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु (मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी संस्थान में)

गतिविधियां	दिनांक/समय
प्रथम चरण	
सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	16.06.2025 से 01.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	02.07.2025 से 03.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	20.06.2025 से 05.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	06.07.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	11.07.2025 से 16.07.2025 सायं 5:00 बजे तक
द्वितीय चरण	
(सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित)	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	06.07.2025 से 17.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार **(Edit Registration)** (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी।)	18.07.2025 से 19.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।)	11.07.2025 से 21.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	22.07.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	26.07.2025 से 31.07.2025 सायं 5:00 बजे तक

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)
(काउंसलिंग के केन्द्रीयकृत चरण उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय
02.08.2025 से 05.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	06.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
07.08.2025 से 10.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	11.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से कार्यालयीन समय तक
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
12.08.2025 से 14.08.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट dte.mponline.gov.in पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में **इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये** निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रात: 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।

प्रवेश निरस्त

- काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

संचालक
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/120451/2025 R-51064/2025

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

एम.सी.ए. (MCA) पाठ्यक्रम में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु (मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी संस्थान)

गतिविधियां	दिनांक/समय
प्रथम चरण	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	16.06.2025 से 29.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	30.06.2025 से 01.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	18.06.2025 से 03.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	04.07.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	09.07.2025 से 14.07.2025 सायं 5:00 बजे तक
द्वितीय चरण	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	10.07.2025 से 19.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	20.07.2025 से 21.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	14.07.2025 से 23.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	24.07.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	28.07.2025 से 01.08.2025 सायं 5:00 बजे तक

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय
02.08.2025 से 05.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	06.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
07.08.2025 से 10.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	11.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
12.08.2025 से 14.08.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रात: 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।

प्रवेश निरस्त

- काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- **संपर्क:- 0755-6720205, 2660441, ईमेल:- dte.helpcenter@mp.gov.in**

संचालक
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/120450/2025 R-51063/2025

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of M.P. Undertaking)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
21, Arera Hills, Bhopal-462011, M.P. (India), Tel. : (91) 755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505
E-mail : helpdesk@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in, CIN : U51102MP1977SGC001392
MPIDC/CE/Tech-RFP/2025/211-214 **Date : 04.06.2025**

NOTICE INVITING TENDER

MP Industrial Development Corporation Ltd. (MPIDC Ltd.) invites online percentage rate bids for the following works from registered contractors and firms for the following work :

S. No.	NIT No.	Name of Work	District	Probable Amount of Contract (in Rs. Cr.)
1	211	Construction of Women worker's hostel at Vikaram Udyogpuri.	Ujjain	54.60
2	212	Construction of Women worker's hostel at Industrial area Pithampur sector-1.	Dhar	62.91
3	213	Construction of Women worker's hostel at Industrial area Mandideep.	Raisen	63.71
4	214	Construction of Women worker's hostel at Industrial Area Malanpur.	Gwalior	24.20

The Tender documents can be downloaded from the e-procurement Portal : **https://mptenders.gov.in** - MPIDC HO

M.P. Madhyam/120468/2025 R-51069/2025 **CHIEF ENGINEER**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

R.O. Chambal, IIDC Plaza, 39-City Center, Gwalior-474011

निविदा क्र. 13 द्वितीय आमंत्रण **ई-टेण्डर नोटिस** दिनांक : 27.12.2024

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/धरोहर राशि
एमपीआईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल के अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों की 24 घण्टे सुरक्षा व्यवस्था का कार्य।	83,63,000/- 84,000/-

निविदा प्रपत्र दिनांक **04.06.2025** से **15.06.2025** समय **5.30** सायं तक **https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/120400/2025 R-51056/2025 **कार्यपालन यंत्री**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

R.O. Gwalior, IIDC Plaza, 39-City Center, Gwalior-474011

निविदा क्र. 2423 द्वितीय आमंत्रण **ई-टेण्डर नोटिस** दिनांक : 19.12.2024

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/धरोहर राशि
एमपीआईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर के अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों की 24 घण्टे सुरक्षा व्यवस्था का कार्य।	79,98,000/- 80,000/-

निविदा प्रपत्र दिनांक **04.06.2025** से **15.06.2025** समय **5.30** सायं तक **https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपीआईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/120401/2025 R-51057/2025 **कार्यपालन यंत्री**

M.P. POWER TRANSMISSION CO. LTD.

Office of Chief Engineer (EHT-Maint.)) Block. No. 3, 3rd Floor
Shakti Bhawan, MPPTCL, Jabalpur - 482008

TENDER NOTICE

An online tender is invited for the Modification/Shifting of various 400/220/132kV EHV lines due to construction of Road/Railway/Bridge/Canal etc., restoration of supply in case of tower collapse/damaged, replacement of towers due to rusting, deterioration of tower parts, replacement of disc insulator and other maintenance work etc. in Central Zone of MP on rate contract basis vide NIT no. CE(EHT-Maint.)/E-tender/MT-267/251 dtd: 02.06.2025 (ID: 2025_MPPTC_427557_1). Tender fee - 5900/- and due date of opening of bid 23.07.2025. For Tender notice and details please visit **www.mptenders.gov.in** एवं **www.mptransco.in**

M.P. Madhyam/120435/2025 **CHIEF ENGINEER (EHT-MAINT.)**

// विद्युत की बचत कीजिये // R-51060/2025

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

एम.बी.ए. (MBA) पाठ्यक्रम में प्रवेश-परीक्षा (CMAT-2025)/अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु
(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी संस्थान)

प्रथम चरण (प्रवेश परीक्षा (CMAT-2025) परीक्षा के आधार पर)	
गतिविधियां	**दिनांक/समय**
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	16.06.2025 से 29.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	30.06.2025 से 01.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	18.06.2025 से 03.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	04.07.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	09.07.2025 से 14.07.2025 सायं 5:00 बजे तक
अर्हकारी परीक्षा के आधार पर पंजीयन दिनांक 16 जून 2025 से 19 जुलाई 2025 तक उपलब्ध रहेंगे, शेष प्रक्रिया द्वितीय चरण अनुसार रहेगी।	
द्वितीय चरण (प्रथमत: प्रवेश परीक्षा (CMAT-2025) परीक्षा तत्पश्चात अर्हकारी परीक्षा के आधार पर आवंटन)	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	10.07.2025 से 19.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	20.07.2025 से 21.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	15.07.2025 से 23.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	24.07.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	28.07.2025 से 01.08.2025 सायं 5:00 बजे तक
संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) (प्रथमत: प्रवेश परीक्षा (CMAT-2025) परीक्षा तत्पश्चात अर्हकारी परीक्षा के आधार पर आवंटन)	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	**प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय**
02.08.2025 से 05.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	06.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
07.08.2025 से 10.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	11.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
12.08.2025 से 14.08.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुउपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।

प्रवेश निरस्त

➢ काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।

- **संपर्क:- 0755-6720205, 2660441, ईमेल:- dte.helpcenter@mp.gov.in**

संचालक
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/120448/2025 R-51061/2025

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री
संभाग क्र.-1 भदभदा रोड, भोपाल

क्र./792/तशा/प.यं./2025 **दिनांक : 03.06.2025**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा सेहराई एवं कदवाया जिला अशोकनगर में अर्द्धशहरी पुलिस थाना भवन का निर्माण कार्य तथा जिला अशोकनगर में बी कम्पनी कानून व्यवस्था हेतु नवीन एसएएफ बैरक का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_428520_1, 2025_MPPHC_428521_1, 2025_MPPHC_428522_1, **दिनांक 17.06.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120467/2025 R-51068/2025 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम में लेटरल एण्ट्री के माध्यम से प्रवेश
डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में लेटरल एण्ट्री के माध्यम से अर्हकारी परीक्षा के आधार पर
10+2 की दसवीं की परीक्षा के साथ आईटीआई उत्तीर्ण
अथवा
10+2 प्रणाली की बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के प्रवेश हेतु
(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी संस्थान)

प्रथम चरण	
गतिविधियां	**दिनांक/समय**
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	15.06.2025 से 30.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (**Edit Registration**) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	01.07.2025 से 02.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकता क्रम (**Choice filling**) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	20.06.2025 से 04.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	05.07.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आंवटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	10.07.2025 से 15.07.2025 सायं 5:00 बजे तक
संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC) (काउंसलिंग के केन्द्रीयकृत चरण उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये)	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	**प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय**
05.07.2025 से 13.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	दिनांक 16.07.2025 से दिनांक 13.08.2025 तक, **(प्रथम प्रवेश का अवसर दिनांक 16.07.2025, बुधवार)** (सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार प्रातः 10:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक)
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
14.08.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।

प्रवेश निरस्त

❖ काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्ती करण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।

- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

संचालक
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/120449/2025 R-51062/2025

MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of M.P. Undertaking), (Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)

REGIONAL OFFICE, INDORE

101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE- 452001 (M.P.)
CIN : U51102MP1977SGC001392, Phone : (O) 0731-2970611, 2971311, 2974363
Fax No. : 0731-2972629, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in

No. : MPIDC/ROIND/TECH/25-26/5888 **Date : 04.06.2025**

NOTICE INVITING TENDER

Online bids for the following work are invited from Contractors and Firms of Repute fulfilling registration and eligibility criteria. Tender for the following work has been processed on the e-procurement system **http://mptenders.gov.in:**

Name of Work	Probable Amount of Contract (P.A.C.) (in Rs.)	Cost of Tender Form (Non-Refundable) (in Rs.)	Earnest Money Deposit (EMD in Rs.)	Time Period (i/c rainy season)	Last Date of Bid Submission
A. Miscellaneous Development Works (Painting, Entrance Gate, Boundary Wall) at Crystal IT Park (SEZ), Indore.	125.00 Lacs	14,750/-	1,25,000/-	06 Months	28.06.2025
B. Supply of Effluent from I/A Rangwasa, Indore to CETP Confectionery Cluster, Indore with the help of Sewage Suction Tanker.	79.28 Lacs	11,800/-	30,000/-	12 Months	28.06.2025
C. Selection of out sourcing agency for vehicles for MPIDC RO, Indore.	129.00 Lacs	14,750/-	1,29,000/-	12 Months	28.06.2025
D. Selection of out sourcing agency for vehicles for DC SEZ office, Indore & Pithampur.	41.50 Lacs	11,800/-	41,500/-	12 Months	28.06.2025

Detailed NIT and other details can be viewed on the above mentioned portal. The Corrigendum, if any shall not be published in the newspaper, it will be uploaded on the e-procurement system.

M.P. Madhyam/120470/2025 R-51070/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-12, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

बी. डिजाइन (B. Design) (पूर्णकालिक 4 वर्ष),
बैचलर इन होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (BHMCT) (पूर्णकालिक 4 वर्ष),
एकीकृत एम.बी.ए. (IIMBA) (पूर्णकालिक 5 वर्ष) एवं
एकीकृत एम.सी.ए. (IIMCA) (पूर्णकालिक 5 वर्ष)
पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु
(मध्यप्रदेश में स्थित निजी संस्थान)

प्रथम चरण
सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित

गतिविधियां	दिनांक/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ रजिस्ट्रेशन निरस्त	10.06.2025 से 23.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (**Edit Registration**) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	24.06.2025 से 25.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी।	13.06.2025 से 27.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	28.06.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	02.07.2025 से 07.07.2025 सायं 5:00 बजे तक

द्वितीय चरण
(सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	02.07.2025 से 13.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (**Edit Registration**) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी।)	14.07.2025 से 15.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	08.07.2025 से 17.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	18.07.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	23.07.2025 से 30.07.2025 सायं 5:00 बजे तक

संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)
(काउंसलिंग के केन्द्रीयकृत चरण उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय
02.08.2025 से 05.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	06.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
07.08.2025 से 10.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	11.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
12.08.2025 से 14.08.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।

प्रवेश निरस्त

- ❖ काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441 ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

संचालक
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/120452/2025 R-51065/2025

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

डिप्लोमा आर्किटेक्चर (Diploma Archtechture)
पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में अहर्कारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु
(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय / निजी क्षेत्र के पोलीटेक्निक संस्थान)

द्वितीय चरण
(सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	04.06.2025 से 17.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (**Edit Registration**) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	18.06.2025 से 19.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकता क्रम (**Choice filling**) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	10.06.2025 से 21.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	22.06.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आंवटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	26.06.2025 से 30.06.2025 सायं 5:00 बजे तक

संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC)
(काउंसलिंग के केन्द्रीयकृत चरण उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये)

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय
18.06.2025 से 13.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	दिनांक 02.07.2025 से दिनांक 13.08.2025 तक, **(प्रथम प्रवेश का अवसर,** दिनांक 02.07.2025, बुधवार) (सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार प्रात: 10:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक)
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
14.08.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। कांउसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में **इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये** निर्धारित तिथि पर संस्था में **प्रात: 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक** उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।

प्रवेश निरस्त

- ❖ काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्ती करण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- **संपर्क:-0755-6720205, 2660441 ईमेल:- dte.helpcenter@mp.gov.in**

संचालक
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/120453/2025 R-51066/2025

R E Q U I R E S
LAW & ALLIED FACULTY

NEW ERA COLLEGE MHOW

RECOGNIZED BY BAR COUNCIL OF INDIA, APPROVED BY M.P. GOVT. HIGHER EDUCATION & Affiliated to DEVI AHILYA UNIVERSITY INDORE (M.P.)

Principal/Professor/Assoc. Professor/ Asst. Professor
(LAW, Management, Commerce, Political Sc., History, Hindi & English)

REQUIRED Under college code 28 for B.A.LL.B. (Hons.), B.B.A.LL.B. (Hons.) & LL.B. (Hons.)
Eligibility/Salary: As per UGC & BCI, AICTE NORMS
Ph.D./NET/SET/SLET candidates will be given preference

CV with attested copies of testimonials and photograph should reach within 7 days to :

NEW ERA COLLEGE
Mhow-Mandleshwa Road, Village-Kodriya, Tehsli-Mhow,
Dist.- Indore (M.P.) 453441
E-mail to : neweracollegemhow@gmail.com
Call: 95847-67000, 97544-67000 R-51078/2025

CDGi

CHAMELI DEVI GROUP OF INSTITUTIONS

Gram Umrikheda, Khandwa Road, Indore-452 020
Phone: 0731-4243600, Fax: 0731-4243620

Online Application Invited
NAAC A+ Graded Institute & NBA (Department of CSE)

Applications are invited from highly qualified and experienced teachers with a passion for teaching.

Professors • Asso. Professors • Asst. Professors

CHAMELI DEVI GROUP OF INSTITUTIONS
Engineering Program B.Tech
[CSE, IT, CSE-AI/ML, AI/DS, CSE-IOT, ME, CIVIL]
PG Program [MCA, M.Tech (CSE), MBA (FT, MM, FA)]
Management Specialization:
Marketing, Finance, HR, Business Analytics, IT.
Engineering Specialization: AI, Data Science, Cloud Computing, 10, Block Chain, Mathematics.

A+ NAAC

CHAMELI DEVI INSTITUTE OF PHARMACY
Specialization: Pharmaceutical Chemistry, Pharmaceutics, Pharmacology, Pharmacognosy, Pharmacy Practice, Industrial Pharmacy.

CHAMELI DEVI INSTITUTE OF PROFESSIONAL STUDIES*
UG Program [BCA, BBA (Plain/FT), B.Com (Tax/CA)]
Specialization: Computer Application/Computer Science, Management, International Business/Foreign Trade, Commerce, Mathematics, Hindi and English/Yoga.

CHAMELI DEVI INSTITUTE OF LAW*
Law, Management, History, Political Science, Economics, English and Hindi
*Note: Candidates having NET/SET/Ph.D. will be preferred

Non Teaching Position:
Lab Technician, Librarian, Accountant, Office Assistant, Account Assistant, TPO, Technical Trainer, Aptitude & Reasoning Trainer, Sports Officer, Transport Manager, Security Officer

Qualification and Experience as per AICTE/UGC/BCI
DAVV College Code-28/RGPV Statute - 30 norms
Salary is not a constraint for deserving candidates
Note: Candidates Interested for Adjunct/Visiting position may also apply.

Interested Candidates can apply ONLY through the online application format before 15 days from the date of publication of this advertisement.

For any assistance Email to hr@cdgi.edu.in or contact help line **+91 81090 88247**
- PRINCIPAL

Campus: Gram Umrikheda, Khandwa Road, Indore
9981651000, 9981621000, 0731-4243600 R-51055/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 349/MTN/2025
(Flood Damage-SR)

No./7087/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 06.06.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.
- **Name of Work -** Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Dhar	1	4339864.00
2	Jabalpur	1	2938407.00
3	Singrauli	1	4614366.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.06.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **01.07.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/120501/2025 R-51072/2025 **(Tender)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. : 23AAATM9054A3ZX)

No./6944/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 02.06.2025

NOTICE INVITING TENDER No. 1230 (PM-JANMAN) (Batch-V, Year-2024-25)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below:-

- **Name of Work : Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.**
- **SSR Applicable : SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.**
- **PM-JANMAN-Batch-V, Year-2024-25**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1.	Anuppur	7	33	59.28	326294500.00
2.	Ashoknagar	8	19	36.895	240596615.00
3.	Balaghat	5	24	39.37	239160000.00
4.	Chhindwara	9	23	63.245	405977000.00
5.	Datia	1	5	10.65	65710000.00
6.	Dindori	5	22	54.27	319191404.00
7.	Guna	3	7	14.22	91166543.00
8.	Gwalior	5	16	18.586	111060032.00
9.	Jabalpur	1	3	6.78	36440713.00
10.	Mandla	4	35	62.98	342438799.00
11.	Seoni	1	2	2.68	15049582.00
12.	Shahdol	1	2	3.76	24905861.00
13.	Sheopur	7	21	41.86	250633016.00
14.	Shivpuri	16	62	119.27	730705000.00
15.	Sidhi	14	33	73	457117000.00
16.	Singrauli	9	25	45.37	284709325.00
17.	Umaria	4	15	33.415	185813000.00
18.	Vidisha	9	30	53.36	336414000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **09.06.2025 (17:30 hrs.)** and Last Date for online bid submission is **02.07.2025 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/120406/2025 **(TENDER)**

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें। R-51059/2025

नगरीय क्षेत्रों में एक करोड़ पौध-रोपण का लक्ष्य

भोपाल, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे ने 5 जून से प्रारंभ हुए विशेष पौध-रोपण अभियान की भोपाल में हुई बैठक में समीक्षा की। आयुक्त श्री भोंडवे ने बताया कि अमृत योजना के अंतर्गत 'वृमन फॉर ट्री' अभियान के तहत प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में सघन पौध-रोपण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान में एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे सभी नगरीय निकायों के सहयोग से पूर्ण किया जाएगा। आयुक्त ने नगर वनों के निर्माण, जल संरचनाओं के किनारों पर 8 फीट ऊंचे पौधो के रोपण और थीम आधारित उद्यानों की स्थापना जैसे लक्ष्यों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण से सुरक्षित रखने के लिये वृक्षारोपण प्रभावी उपाय है। पौध-रोपण गतिविधियों की सतत निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर पर 'अमृत वृक्ष योजना मॉनिटरिंग सेल' का गठन किया जाएगा। भोपाल में इस अभियान से संबंधित एक राज्य स्तरीय वर्कशॉप का आयोजन भी किया जाएगा।

अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा सघन पौध-रोपण कार्यक्रम

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर विशेष सघन पौध-रोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान कम्पनी के प्रबंध संचालक श्री संकेत भोंडवे के निर्देशन में सभी 13 इकाइयों के अंतर्गत संचालित किया जाएगा।

आरडीएसएस अंतर्गत इंदौर जिले में 10वां बिजली ग्रिड ऊर्जीकृत

भोपाल, आरडीएसएस अंतर्गत इंदौर जिले में तैयार 10वां बिजली ग्रिड प्रोटोकॉल के साथ ऊर्जीकृत किया गया। 33/11 केवी का यह ग्रिड देपालपुर क्षेत्र के लिम्बोदा गारी में 2.94 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है। इससे हजारों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी, वोल्टेज उतार चढ़ाव संबंधी परेशानी नहीं होगी।

आरडीएसएस अंतर्गत देश का पहला ग्रिड इंदौर के अरविंदो अस्पताल के पास इमलीखेड़ा में तैयार हुआ था। इसके अलावा इंदौर शहर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के पास, देवास नाका, रसोमा, बिलावली तालाब के पास, पंचकुईया के पास, बड़ियाकिमा बिचौली के पास, राजोदा, गंगाडेम कम्पेल में आरडीएसएस अंतर्गत 33/11 केवी के 5-5 एमवीए क्षमता के ग्रिड तैयार हुए हैं। इस तरह आरडीएसएस से बने इन ग्रिडों से इंदौर जिले की बिजली वितरण क्षमता में 50 एमवीए की बढ़ोत्तरी हुई है।

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास, क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी क्षेत्र के पोलीटेक्निक संस्थान)
डिप्लोमा (Diploma) पाठ्यक्रम
तथा
एकलव्य/ डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनान्तर्गत डिप्लोमा (Diploma) पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु

द्वितीय चरण (सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित)	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	04.06.2025 से 17.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (**Edit Registration**) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	18.06.2025 से 19.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकता क्रम (**Choice filling**) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	10.06.2025 से 21.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	22.06.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आंवटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	26.06.2025 से 30.06.2025 सायं 5:00 बजे तक
संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC) (काउंसलिंग के केन्द्रीयकृत चरण उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये)	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	**प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय**
18.06.2025 से 13.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	दिनांक 02.07.2025 से दिनांक 13.08.2025 तक, **(प्रथम प्रवेश का अवसर,** दिनांक 02.07.2025, बुधवार) (सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार प्रात: 10:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक)
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
14.08.2025 रात्रि 11:30 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में **इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये** निर्धारित तिथि पर संस्था में **प्रात: 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक** उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुउपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।

प्रवेश निरस्त :

- ❖ काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की कांउसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441 ईमेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

संचालक
म.प्र. माध्यम/120454/2025 R-51067/2025 **तकनीकी शिक्षा, म.प्र.**

COMPUTER PROFICIENCY CERTIFICATION TEST
Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited
Exam Registration Opens

म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु संविदा/नियमित नियुक्तियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि : 11 - 12 एवं 13 जुलाई 2025 **पंजीयन तिथि: 09 जून 2025 से 22 जून 2025 तक**

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि : 24 जून 2025 से 26 जून 2025

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल (**www.cpct.mp.gov.in**) पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे। आवेदक अपना पंजीयन MP-Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

मुख्य महाप्रबंधक
मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC)
म.प्र. माध्यम/120510/2025 R-51075/2025 **स्टेट आई टी सेंटर, 47-A, अरेरा हिल्स भोपाल-462011**

Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

पर्यावरण की रक्षा विकल्प नहीं, जीवन का आधार

भोपाल, उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं और प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग और समर्पित रहने का आह्वान किया है। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पर्यावरण की शुद्धता न केवल हमारे भौतिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक शांति का भी आधार है। हमारी भारतीय परम्परा में प्रकृति को देवतुल्य माना गया है। वृक्षों में देवत्व की भावना, नदियों में मातृत्व की छवि और वायु-जल-अग्नि को पंचतत्व रूप में पूजने की संस्कृति ने हमें यह सिखाया है कि पर्यावरण की रक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि जीवन का आधार है।

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान ने वृक्षारोपण को भावनात्मक संकल्प से जोड़ने के साथ पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक आंदोलन में परिवर्तित करने का कार्य किया है। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे शुभ अवसरों पर कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाएं। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पर्यावरण संतुलन और जलवायु संरक्षण का सीधा संबंध मानव स्वास्थ्य से है। स्वच्छ वायु, शुद्ध जल, हरियाली और जैव विविधता एक ऐसी सतत विकास की राह बनाते हैं, जिसमें भावी पीढ़ियां स्वस्थ और सशक्त जीवन जी सकेंगी।

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(A Government of M.P. Undertaking)
REGIONAL OFFICE, NARMADAPURAM (M.P.)
Tawa Complex Bittan Market, E-5, Arera Colony Bhopal
Phone : (0) +91-755-2420301-2-3

Dated : 06.06.2025

NOTICE INVITING TENDER FOR YEAR - 2025-26

Online Tender for the following works are invited on the E-procurement System portal mptenders.gov.in:- as detailed below :-

NIT No.	Subject	Probable Amount of Contract
01	Dismantling, Construction of Utilities Reconnecting of Pipe lines at I/A Mohasa-Babai, Distt. Narmadapuram (M.P.)	13762964.00

Detailed NIT along with other details can be downloaded/ viewed on above mentioned portal from **07.06.2025 10:30 Hrs.**

M.P. Madhyam/120516/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

R-51076/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 350/MTN/2025 (BW)

No./7084/22/D-12/NIT-Maint./2025 Bhopal, Dated : 06.06.2025

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Name of Work :** Post 5 Year Maintenance (BW)

S.No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Bhopal	2	16606000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **10.06.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **01.07.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/120500/2025 R-51071/2025 **(Tender)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1231 (PM-JANMAN)

(Batch-IV, Year-2024-25)

No./7090/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 06.06.2025

Online Tenders for Construction of Rural Roads /CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below:

- **Name of Work –** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.
- **PMAJANMAN-Batch-IV**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1	Singrauli	1	1	2.85	16863390/-

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **10.06.2025 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **01.07.2025 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/120502/2025 R-51073/2025 **(Tender)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

गंगा दशहरा एवं पर्यावरण दिवस पर जनभागीदारी की अभिनव पहल

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जल गंगा सवर्धन अभियान के लक्ष्य 'जन सहभागिता से जल स्रोतों के संरक्षण' के संकल्प को साकार करते हुए जन अभियान परिषद् द्वारा गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी अंचलों में विकासखण्ड स्तर पर चिह्नांकित 116 ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण बावड़ियों के आस-पास जन-सहभागिता से 'बावड़ी उत्सव' मनाया जायेगा। इस उत्सव का उद्देश्य प्राचीन, ऐतिहासिक, जल संरक्षण संरचनाओं के महत्व के प्रति जन समुदाय को प्रेरित, प्रोत्साहित करना और जन-सहभागिता से ही इनके संरक्षण संवर्धन की पहल करना है।

राज्य शासन के जनभागीदारी से जल स्रोतों को सहेजने के उत्सव 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अंतर्गत जनभागीदारी से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् समुदाय के साथ मिलकर भागीरथी प्रयासों का साक्षी बन रहा है। परिषद् ने अपनी बहुआयामी गतिविधियों से इस वर्ष बावड़ी के प्रति संवेदना और संरक्षण को रखा गया है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा 'बावड़ी उत्सव' के अन्तर्गत बावड़ी के आस-पास होने वाले इन लोक उत्सवों के माध्यम से लोकजीवन में पारंपरिक जल स्रोतों के महत्व और उनके संरक्षण को आमजन तक पहुंचाने का अभिनव प्रयास किया गया है। यह उल्लास जल-स्रोतों के संरक्षण में जनभागीदारी का मूल मंत्र बने, इस दृष्टि से बावड़ी उत्सव आयोजित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावड़ी संरक्षण के साथ-साथ बावड़ियों के दस्तावेजीकरण के क्रम में परिषद द्वारा प्रदेश की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व की बावड़ियों पर आधारित प्रकाशन- 'बूंद सहेजें बावड़ी' तैयार किया गया है। उत्सव के अंतर्गत जन सहभागिता से बावड़ियों की सफाई, रंग-रोगन, साज-सज्जा, रोशनी एवं परम्परागत पूजा-अर्चना के साथ जल संरक्षण संगोष्ठी, स्थानीय कलाकारों द्वारा काव्य और संगीत की प्रस्तुतियां, बच्चों के लिये जल संरक्षण विषयक प्रतियोगिताएं, स्थानीयजनों का सम्मान आदि कार्यक्रम आयोजित किये गए।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

माखनपुरम परिसर, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के सामने, बिशनखेड़ी, भोपाल - 462044

प्रवेश सूचना 2025-26

विश्वविद्यालय के भोपाल एवं रीवा परिसरों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में संचालित होने वाले पत्रकारिता, जनसंचार, मीडिया रिसर्च, कम्प्यूटर अनुप्रयोग, लाइब्रेरी एवं सूचना विज्ञान, मीडिया व्यवसाय प्रबंधन, प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग तथा ई-कॉमर्स पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं :-

भोपाल परिसर

- **M.A. (APR)** एम.ए. (विज्ञापन एवं जनसम्पर्क)
- **M.A. (BJ)** एम.ए. (प्रसारण पत्रकारिता)
- **M.A. (DJ)** एम.ए. (डिजिटल पत्रकारिता)
- **M.A. (J)** एम.ए. (पत्रकारिता)
- **M.A. (MC)** एम.ए. (जनसंचार)
- **M.Sc. (EM)** एम.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)
- **M.Sc. (FP)** एम.एससी. (फिल्म प्रोडक्शन)
- **M.Sc. (MR)** एम.एससी. (मीडिया शोध)
- **M.Sc. (NM)** एम.एससी. (नवीन मीडिया)
- **MBA (MBM)** मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (मीडिया बिजनेस मैनेजमेंट)
- **MCA** मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स
- **MLIS** मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफॉर्मेशन साइंस
- **BLIS** बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफॉर्मेशन साइंस
- **BBA (EC)** बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ई-कॉमर्स)
- **B.Sc. (GA)** बी.एससी. (ग्राफिक्स एवं ऐनिमेशन)
- **B.TECH (PP)** बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग)
- **B.TECH (PP)LE** बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग) लेटरल एंट्री

जिन विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण किया है, उनके लिए विश्वविद्यालय द्वारा निम्नानुसार 1 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जा रहे हैं :-

- **M.A. (APR)** एम.ए. (विज्ञापन एवं जनसम्पर्क)
- **M.A. (JCW)** एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन)
- **M.A. (MC)** एम.ए. (जनसंचार)
- **M.Sc.** (EM) एम.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)
- **M.Sc.** (MM) एम.एससी. (मल्टीमीडिया)
- **MCA** मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स (लेटरल एंट्री)

विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक स्तर पर 3/4 वर्षीय (6/8 सेमेस्टर) ऑनर्स/रिसर्च पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। ये पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं-

- **B.A. (APR)** बी.ए. (विज्ञापन एवं जनसम्पर्क) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.A. (EJ)** बी.ए. (अंग्रेजी पत्रकारिता) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.A. (HLTT)** बी.ए. (हिन्दी भाषा, प्रौद्योगिकी एवं अनुवाद) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.A. (JCW)** बी.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.A. (MC)** बी.ए. (जनसंचार) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.Sc. (EM)** बी.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.Sc. (FCS)** बी.एससी. (फिल्म एवं संचार अध्ययन) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.Sc. (MM)** बी.एससी. (मल्टीमीडिया) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.Sc. (MR)** बी.एससी. (मीडिया शोध) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **BCA** बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.Com.** (Management) बी.कॉम. (प्रबंधन) (ऑनर्स/रिसर्च)

रीवा परिसर

- **M.A. (J)** एम.ए. (पत्रकारिता)
- **M.A. (MC)** एम.ए. (जनसंचार)
- **M.Sc. (EM)** एम.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया)
- **B.A. (MC)** बी.ए. (जनसंचार) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **B.Sc. (EM)** बी.एससी. (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) (ऑनर्स/रिसर्च)
- **BCA** बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स (ऑनर्स/रिसर्च)
- **DCA** डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स
- **PGDCA** पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स

जिन विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण किया है, उनके लिए विश्वविद्यालय द्वारा निम्नानुसार 1 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जा रहा है :-

- **M.A. (MC)** एम.ए. (जनसंचार)

■ प्रवेश हेतु आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। ■ आवेदन करने हेतु वेबसाइट www.mcu.ac.in या https://mcrpv.mponline.gov.in/portal/ पर जाएं। ■ ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 जून 2025 है। ■ प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mcu.ac.in/admission पर विजिट करें या कैम्पस में सम्पर्क करें 7974265226 (भोपाल), 7693861752 (रीवा)।

म.प्र. माध्यम/120402/2025 R-51058/2025 **कुलसचिव**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4047/14/2025/चयन इन्दौर, दिनांक : 05.06.2025

सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भशास्त्र) परीक्षा-2022
चयन - सूची (मुख्य भाग 87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक प्राध्यापक, भू-गर्भशास्त्र

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 27/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद **सहायक प्राध्यापक, भू-गर्भशास्त्र के कुल 07 पद (अनारक्षित-02, अ.जा. निरंक, अ.ज.जा. 04. अ.पि.वर्ग- 01, ई.डब्ल्यू.एस. - निरंक)** इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित- 01, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-निरंक, ई.डब्ल्यू.एस. - निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भशास्त्र) परीक्षा-2022** दिनांक 17.11.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 09.01.2025 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 09.04.2025 को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/27/ 2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 27/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भशास्त्र)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	2	0	4	1	0	7
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	1	0	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	350153	ANURAG DWIVEDI	M	UNR	UNR
2.	350267	VAIBHAV VADICHAR	M	OBC	OBC
3.	350172	KRITI	F	UNRF	UNR
4.	350208	MADHUR MARAVI	M	ST	ST
5.	350205	SAINA RAWET	F	STF	ST
6.	350220	KIRTI PARMAR	F	ST	ST
7.	350077	SHIV PRATAP SINGH	M	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	350148	ANUJ KUMAR GUPTA	M	UNR
2.	350201	ROHINI SINGH	F	UNR
3.	350237	ALTAF HUSAIN	M	OBC
4.	350202	SONENDRA RANDA	M	ST
5.	350238	SORABH UIKEY	M	ST
6.	350059	PREMLATA	F	ST

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय, खण्डपीठ इन्दौर में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 12536/2024 जो वर्तमान में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 10905/2023 के साथ संलग्न की गई याचिका के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

(प्रबल सिपाहा) सचिव
म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

जी-13984/51079/2025

कार्यालय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा (म.प्र.)

खेल परिसर के सामने, सांची रोड, विदिशा (म.प्र.) 464001, दूरभाष - 07592-297254
E-Mail : dean.vds@mp.gov.in, Website : www.gmcvidisha.org

क्रमांक : 4001/स्था./राज/विज्ञप्ति-19 (शैक्षणिक)/25 विदिशा, दिनांक : 04.06.2025

प्रेस विज्ञप्ति सूचना

1. मध्यप्रदेश शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 2-53/2017/1/55 दिनांक 12.01.2018 द्वारा मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय शैक्षणिक आदर्श सेवा नियम 2018 के अन्तर्गत अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा के अधीन निम्नलिखित चिकित्सा शिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति वर्तमान में संचालक चिकित्सा शिक्षा के पत्र क्र. 416/स्था./राज/2022 भोपाल दिनांक 22/04/2022 के द्वारा प्राप्त अनुसूची एवं एन.एम.सी. के नवीन मापदण्ड/आवश्यकतानुसार, सहायक प्राध्यापक/प्रदर्शक के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों की पूर्ति की जाना है। इस हेतु जारी विज्ञापन **क्रमांक : 3996/स्था./राज/विज्ञप्ति-19 (शैक्षणिक)/25 विदिशा, दिनांकः- 04/06/2025** के तहत आवेदन पत्र कार्यालय अधिष्ठाता, अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा में दिनांक 05.06.2025 से **दिनांक 25.06.2025 सायं 5:00 बजे तक** आमंत्रित किये जाते हैं।
2. ASSISTANT PROFESSOR/DEMONSTRATOR (Direct Recruitment).
3. उपरोक्त विज्ञापन की विस्तृत पदवार जानकारी एवं आवेदन पत्र का निर्धारित प्रारूप संचालक, चिकित्सा शिक्षा की वेबसाइट **www.medicaleducation.mp.gov.in** एवं अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा की वेबसाइट **www.gmcvidisha.org** पर उपलब्ध है।
4. आवेदकों द्वारा अपना पूर्ण रूप से निर्धारित प्रारूप में भरा हुआ आवेदन पत्र, समस्त दस्तावेजों सहित डाक द्वारा अथवा व्यक्तिगत रूप से अधिष्ठाता कार्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा की आवक शाखा में जमा कराये जावेंगे।
5. आवेदन पत्र के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अधिष्ठाता, अटल बिहारी वाजपेयी, शासकीय स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय विदिशा में शैक्षणिक संवर्ग हेतु आवेदन एवं विषय तथा आवेदित पद का नाम और अनारक्षित (UR)/आरक्षित (SC/ST/OBC) श्रेणी का उल्लेख स्पष्ट एवं अनिवार्य रूप से करें। किसी भी स्थिति में निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जावेगा।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा

जी-13981/51080/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र, उज्जैन

दूरभाष नं. : 0734-2524462, ई-मेल : cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्र. 02/सामान्य/मु.अ./2025-26/ उज्जैन, दिनांक : 02.06.2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	उज्जैन	2025_ PWDRB_ 428074_ pack1	उपसंभाग बड़ावदा कलसी नागदा से निम्बोदाखुर्द सन्दला, सलवा खसौद काला कल्याणपुर खरसौदखुर्द, फतेहपुर, गुणावदा दोत्रु मार्ग भाग पलदुना से दोत्रु रोड पोल शिफ्टिंग कार्य सहित लम्बाई 22.23 कि.मी।	2175.34	18 माह वर्षाकाल सहित

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम **दिनांक 19.06.2025 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

जी-13955/51083/2025

कार्यालय अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, संचालनालय तकनीकी शिक्षा

मध्यप्रदेश टैगोर छात्रावास, क्रमांक टी-2, श्यामला हिल्स, भोपाल, मध्यप्रदेश-462002
फोन : 0755-2660441, ई-मेल आईडी : dte.helpcenter@mp.gov.in

सूचना

बी.टेक./बी.ई. पाठ्यक्रम

श्री गोविंदराम सक्सेरिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्र 2025-26 में संस्था की बी. टेक पाठ्यक्रम में उपलब्ध आल इंण्डिया कोटे की 5 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश की कार्यवाही Josaa-2025/CSAB-2025 द्वारा की जावेंगी।

प्रवेश के समस्त इच्छुक ऐसे अभ्यर्थी जो इन 5 प्रतिशत ऑल इंण्डिया कोटे की सीटों पर प्रवेश प्राप्त करना चाहते हैं, वह Josaa-2025/CSAB-2025 द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित होकर Josaa-2025/CSAB-2025 के नियमानुसार प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

सत्र 2025-26 में इन 5 प्रतिशत ऑल इंण्डिया कोटे की सीटों पर प्रवेश की कार्यवाही संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश द्वारा नहीं की जायेगी, साथ ही प्रवेश नियमों में दिये गए प्रावधान अनुसार ऑल इंण्डिया कोटे की सीटों में से ही एक सीट **"जम्मू एवं कश्मीर राज्य के निवासियों की सीट (JK Residents Seat)"** के लिए रखी जाती है, अत: सत्र 2025-26 में संस्था- SGSITS, Indore में **JK Residents Seat** सीट पर प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा।

शेष 95 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश की कार्यवाही, प्रवेश नियम सत्र 2025-26 के अनुसार, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश द्वारा काउंसलिंग पोर्टल/वेबसाइट **https://dte.mponline.gov.in** के माध्यम से की जायेगी (उम्मीदवार पोर्टल पर समय-सारणी अनुसार प्रवेश की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें)।

हस्ता/-
संचालक तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/120529/2025 R-51084/2025

क्रमांक 2715001/2014/ ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1550

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग
जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल : mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक- 606/2715001/ई.डी.पी./2021-22/ प्र.अ./ई-टेंडरिंग भोपाल, दिनांक : 28.05.2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 16.06.2025** को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2025_WRD_ 374135	प्रोजेक्ट हॉस्टल भवन, भोपाल में हाउसकीपिंग का कार्य।	भोपाल	8.88
2.	2025_WRD_ 374140	कोलार अतिथि भवन, भोपाल में सिविल, इलेक्ट्रीकल्स एवं अन्य विविध कार्य।	भोपाल	3.53
3.	2025_WRD_ 374142	कोलार कॉलोनी, भोपाल में हाउसकीपिंग, रखरखाव और स्ट्रीट लाइट के रखरखाव का कार्य।	भोपाल	3.46
4.	2025_WRD_ 374145	बरगी कॉलोनी, भोपाल और कैम्पस की हाउसकीपिंग का कार्य।	भोपाल	3.46
5.	2025_WRD_ 374146	कोलार कॉलोनी, भोपाल और कैम्पस की हाउसकीपिंग का कार्य।	भोपाल	7.28
6.	2025_WRD_ 375538	वि./यां. संभाग भवन, भोपाल का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	भोपाल	18.16
7.	2025_WRD_ 375541	प्रमुख अभियंता कार्यालय के अधीक्षण यंत्री वृहद व अन्य सेल के अधिकारियों हेतु वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	15.76
8.	2025_WRD_ 375543	प्रमुख अभियंता कार्यालय के अधीक्षण यंत्री प्रशासन व अन्य सेल के अधिकारियों हेतु वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	15.76
9.	2024_WRD_ 375544	प्रमुख अभियंता कार्यालय के अधीक्षण यंत्री (कार्य) व अन्य प्रकोष्ठों के अधिकारियों हेतु वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	18.12
10.	2025_WRD_ 375545	प्रमुख अभियंता कार्यालय के कार्यपालन यंत्री व अन्य सेल के हेतु वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	15.76
11.	2025_WRD_ 404421	भाम मध्यम सिंचाई परियोजना के स्पिल-वे भाग हेतु हाई मास्ट की स्थापना एवं संयोजन का कार्य।	धार	13.17
12.	2025_WRD_ 412141	मोहनपुरा वृहद बांध, इंस्ट्रूमेंटेशन रूम, स्ट्रीट लाइट्स एवं इंस्पेक्शन हट हेतु एक्स.एल.पी.ई. इंसुलेटेड पॉवर केबल कराना।	भोपाल	7.30
13.	2025_WRD_ 412142	एम.के.पी.एम.यू. कैंप कार्यालय, जीरापुर पर स्थित लाइट, पंखे एयर कूलर एवं वाटर कूलर का सुधार कार्य।	भोपाल	0.61
14.	2025_WRD_ 412143	ला.म. एवं वि./यां., उपसंभाग 02, भोपाल हेतु 01 नग उपयोगिता वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.35
15.	2025_WRD_ 412159	ला.म. एवं वि./यां., उपसंभाग 02, भोपाल हेतु 01 नग निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.42
16.	2025_WRD_ 414752	सर्वेक्षण उपसंभाग बालाघाट के 33 माईनर टैंकों के स्लूस गेटों का मरम्मत कार्य।	नरसिंहपुर	1.97
17.	2025_WRD_ 416366	उपसंभाग भोपाल के 03 नग बैराजों के गेटों को खोलने एवं लगाने का कार्य।	भोपाल	2.89
18.	2025_WRD_ 416367	कलियासोत शीर्ष कार्य उपसंभाग, क्रमांक-1, भोपाल के 07 नग बैराजों के गेटों को खोलने एवं लगाने का कार्य।	भोपाल	2.05
19.	2025 WRD_ 416864	जंगलिया जलाशय के विंग वाल के विशेष मरम्मत कार्य।	मंडला	14.01
20.	2025_WRD_ 418426	बरूआनाला ताबाल का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	निवाड़ी	7.89
21.	2025_WRD_ 418427	सिंदूर सागर ताबाल का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	निवाड़ी	4.46
22.	2025_WRD_ 420762	दरेंठा तालाब का वार्षिक रख-रखाव।	निवाड़ी	3.88
23.	2025_WRD_ 421254	सिंचाई अनुसंधान संभाग, भोपाल हेतु वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.42
24.	2025_WRD_ 422293	उपसंभाग सेंधवा एवं पानसेमल एवं राजपुर के 12 तालाबों के 27 नग जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव का कार्य।	धार	1.94
25.	2025_WRD_ 422296	खेड़ापति सिंचाई परियोजना के डूब के ग्राम कुंजरी की 11 के.व्ही. विद्युत लाइन के शिफ्टिंग का कार्य।	धार	7.31
26.	2025_WRD_ 422311	जमुनिया गौड़ जलाशय का मरम्मत कार्य।	सागर	2.89
27.	2025_WRD_ 422312	रतौना, कंजेला, तोडा सुरखी एवं खजुरिया जलाशय का मरम्मत कार्य।	सागर	10.42
28.	2025_WRD_ 422313	संभाग क्र.1 सागर की ऑफिस बिल्डिंग का मरम्मत कार्य।	सागर	10.88
29.	2025_WRD_ 422404	पिछोर, करेरा एवं शिवपुरी के तालाबों के गेटों का वार्षिक सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	3.40
30.	2025_WRD_ 422405	अपर ककेटो के रेडियल गेटों, गेन्ट्री केन एवं बिजली पेनल का वार्षिक सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	2.88
31.	2025_WRD_ 422406	महुअर बांध के पॉवर पेक का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	1.93
32.	2025_WRD_ 423171	उपसंभाग बजाग के माइनर टैंकों के स्लूस गेटों का वर्षापूर्व मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	1.70
33.	2025_WRD_ 423172	सारसडोली टैंक के 4 नग गेटों का वर्षापूर्व मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	1.37
34.	2025_WRD_ 423173	उपसंभाग बिछिया के टैंकों के स्लूस गेटों का वर्षापूर्व सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नरसिंहपुर	0.83
35.	2025_WRD_ 423262	सबलगढ़ संभाग हेतु 05 नग निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	मुरैना	14.25
36.	2025_WRD_ 423432	लाइट मशीनरी एवं विद्युत यांत्रिकी संभाग नरसिंहपुर हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	नरसिंहपुर	4.04
37.	2025_WRD_ 423617	बरियारपुर परियोजना की कुरेला, जगतपुर, बछौन संथाओं की नहरों का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	5.71
38.	2025_WRD_ 423619	बरियारपुर परियोजना की हाजीपुरा, गोयरा संथाओं की नहरों का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	3.70
39.	2025_WRD_ 423632	चारगांव करबल जलाशय में बांध के सीपेज का सुधार कार्य।	छिन्दवाड़ा	5.23
40.	2025_WRD_ 423640	चिल्लर बांध बांयी नहर, सिमरोल तालाब क्र. 1 तथा सेमलीचाचा तालाब के बंड पर मूरम टॉपिंग, स्पील चैनल एवं मुख्य नहरों व माईनर नहरों का मरम्मत कार्य।	शाजापुर	9.63
41.	2025_WRD_ 423643	शाजापुर में 12 नंबर वियर, स्टापडेम एवं बैराज जो अलग-अलग स्थानों पर निर्मित है के गेट शटर्स में रिपेरिंग का कार्य।	शाजापुर	2.74
42.	2025_WRD_ 423646	आगर मालवा में 03 नंबर वियर, स्टापडेम एवं बैराज जो अलग-अलग स्थानों पर निर्मित है के गेट शटर्स में रिपेरिंग का कार्य।	शाजापुर	1.29
43.	2025_WRD_ 423648	सुवागांव तालाब एवं रनायरा केलवा तालाब के स्लूस वेल का वार्षिक मरम्मत कार्य।	शाजापुर	3.81
44.	2025_WRD_ 423649	शाजापुर में 21 नंबर वियर, स्टापडेम एवं बैराज के गेट शटर्स का मरम्मत कार्य।	शाजापुर	11.35
45.	2025_WRD_ 423650	आगर मालवा में 08 नंबर वियर, स्टापडेम एवं बैराज के गेट शटर्स का मरम्मत कार्य।	शाजापुर	8.39
46.	2025_WRD_ 423652	टिल्लर बांध की बांयी नहर का मरम्मत एवं बनोठीकलां बैराज क्र. 1 एवं क्र.2 के डाउनस्ट्रीम प्रोटेक्शन का कार्य।	शाजापुर	12.48
47.	2025_WRD_ 423827	कुटौरा उपशाखा नहर का मरम्मत कार्य।	सागर	14.28
48.	2025_WRD_ 423846	बरायठा बांध एवं नहर का वार्षिक मरम्मत कार्य।	सागर	11.10
49.	2025_WRD_ 423961	अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. कि.मी. 81.74 से 108.00 तक, वितरिका 30 एल सहित का वार्षिक रखरखाव कार्य।	मुरैना	4.22
50.	2025_WRD_ 423962	अम्बाह शाखा नहर की वितरिका 33 आर, 03 एल/33 आर एवं 07 एल/33 आर के वार्षिक रखरखाव कार्य।	मुरैना	4.22
51.	2025_WRD_ 423964	अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. कि.मी. 118.00 से 143.347 तक, वितरिका 48 आर सहित का वार्षिक रखरखाव कार्य।	मुरैना	4.16
52.	2025_WRD_ 423965	अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. कि.मी. 143.347 से 162.367 तक, वार्षिक रखरखाव कार्य।	मुरैना	2.54
53.	2025_WRD_ 424072	चंदौरा बांध के 8 नं. रेडियल गेट 1 नं. स्लूस गेट एवं 2 नं. स्कैप गेटों का आइलिंग, ग्रीसिंग का कार्य।	नर्मदापुरम्	2.12
54.	2025_WRD_ 424073	तवा बांध की गैलरी के सम्प वेल नं. 1 एवं 2 स्थित डी-वाटरिंग सिस्टम तथा प्रकाश व्यवस्था का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	2.41
55.	2025_WRD_ 424074	तवा बांध की डाउन स्ट्रीम रेडियम गेट के स्ट्रीट लाइट पोल पर केबल सप्लाई एवं लगाने का कार्य।	नर्मदापुरम्	2.80
56.	2025_WRD_ 424075	बारना बांध के पावर हाउस एवं गैलरी का विद्युती संबंधी सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	3.73
57.	2025_WRD_ 424076	बारना बांध के सैडल डेम एवं स्ट्रीट लाइट का विद्युत संबंधी सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	3.67
58.	2025_WRD_ 424079	कैसला ब्लाक के लघु जलाशयों के स्लूस वेल पर एम.एस. की सुरक्षा जाली लगाने का कार्य।	नर्मदापुरम्	0.84
59.	2025_WRD_ 424080	तवा आर.बी.सी. सिस्टम के पिकप वियर के पी.बी.सी. एवं बी.बी. सी. नहर के एच आर गेटों का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	3.41
60.	2025_WRD_ 424082	तवा आर.बी.सी. सिस्टम के चेनेज क्र. 679 के पी.बी.सी. नहर के सी.आर. गेटों का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम्	0.76
61.	2025_WRD_ 424126	मन्दसौर संभाग की कॉलोनी में निर्मित चार पुराने भवनों का अपलेखन, सामग्री परिवहन एवं समतलीकरण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	मंदसौर	0.33
62.	2025_WRD_ 424190	उपसंभाग क्र. 3 नेपानगर के 4 बैराजों दैयत, दसघाट, देवल एवं कानापुर बैराज का सुदृढ़ीकरण का कार्य।	बुरहानपुर	12.49
63.	2025_WRD_ 424225	ला.मा.वि./यां उपसंभाग ग्वालियर के 2 एल, 3 एल 4 एल, आई आर/आई आर एस. एम. बी केनाल के सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	1.40
64.	2025_WRD_ 424229	ला.मा.वि./यां उपसंभाग ग्वालियर के 4 आर. सीआर एस.एम.बी केनाल के सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	3.33
65.	2025_WRD_ 424230	पिलुआ बांध, कोतवाल बांध के डी.जी. सेट के आयलिंग, ग्रीसिंग एवं सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	0.71
66.	2025_WRD_ 424231	पगारा डेम के गेटों आयलिंग, ग्रीसिंग एवं सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	0.43
67.	2025_WRD_ 424232	तिग्रा बांध के रेडियल गेट्स (7 संख्या) गेंट्री केन और श्री विश्व सरैया गेट (64 संख्या) का वार्षिक रखरखाव सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	4.12
68.	2025_WRD_ 424233	ला.मा.वि./यां उपसंभाग ग्वालियर के टैक गेटों के सुधार एवं मरम्मत कार्य।	ग्वालियर	2.78
69.	2025_WRD_ 424866	संभाग व उपसंभाग शुजालपुर के विभिन्न छोटे टैंकों के स्लूस गेटों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	उज्जैन	1.50
70.	2025_WRD_ 424867	संभाग व उपसंभाग घटिया, उज्जैन के विभिन्न छोटे टैंकों के स्लूस गेटों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	उज्जैन	1.75
71.	2025_WRD_ 424868	खेड़ेडी और कच्छल बाँध के स्लूस गेटों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	उज्जैन	2.14

(शेष अगले पृष्ठ पर)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
नया भोपाल संभाग लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक : 08/व.ले.लि./2025-26 **भोपाल, दिनांक : 30.05.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि
1.	2025_PWDRB_427618_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-1 (74 बंगला) के बी, सी एवं डी टाइप बंगलो एवं अन्य बंगलो के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर/अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	80.00	80000/-
2.	2025_PWDRB_427619_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-2 एवं 3 के एफ, जी, एच एवं आई टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर / एस.आर/अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	49.00	50000/-
3.	2025_PWDRB_427620_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-4 के एफ, जी. एच एवं आई टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर. / अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000/-
4.	2025_PWDRB_427621_1	उपसंभाग क्र.-1. लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-5 के एफ, जी एवं एच टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर./ एस.आर/ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000/-
5.	2025_PWDRB_427623_1	उपसंभाग क्र-1. लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-6 के एफ, जी एवं एच टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर./ एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000/-
6.	2025_PWDRB_427624_1	उपसंभाग क्र-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-7अ के एफ, जी, एच एवं आई टाइप शासकीय आवास गृहों में ए.आर. / एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000/-
7.	2025_PWDRB_427625_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-2 एवं 3 के एफ. जी. एच एवं आई टाइप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000/-
8.	2025_PWDRB_427626_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-4 के एफ एवं जी टाइप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000/-
9.	2025_PWDRB_427627_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-5 के एफ, जी एवं एच टाईप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000/-
10.	2025_PWDRB_427628_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-6 के एफ एवं जी टाईप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000/-
11.	2025_PWDRB_427629_1	उपसंभाग क्र-1. लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-7अ के एफ एवं जी टाईप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000/-
12.	2025_PWDRB_427630_1	उपसंभाग क्र.-1. लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-7अ के एच एवं आई टाईप शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000/-
13.	2025_PWDRB_427631_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-1 (74 बंगला) के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	50.00	50000/-
14.	2025_PWDRB_427632_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-2, 3, 4 के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000/-
15.	2025_PWDRB_427633_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-5 के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000/-
16.	2025_PWDRB_427634_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-6 के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000/-
17.	2025_PWDRB_427635_1	उपसंभाग क्र.-1, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-7अ के शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	35.00	50000/-
		योग -		**729.00**	

उपरोक्त वेबसाइट आर्नेलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की **अंतिम तिथि 20.06.2025 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री

जी-13961/51082/2025 **नया भोपाल संभाग लो.नि.वि. भोपाल (म.प्र.)**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

72.	2025_WRD_424869	आगर मालवा उपसंभाग के विभिन्न छोटे टैंकों के स्लूस गेटों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	उज्जैन	1.60
73.	2025_WRD_424871	रेतम बैराज बांध मध्यम परियोजना के रेडियल गेटों और सहायक उपकरणों के वर्षा पूर्व मरम्मत और रखरखाव कार्य का अनुमान।	उज्जैन	4.14
74.	2025_WRD_424872	खाचरोद उपसंभाग के विभिन्न छोटे टैंकों के स्लूस गेटों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	उज्जैन	0.94
75.	2025_WRD_424873	काका साहिब गाडगिल सागर बांध के रेडियल गेट और सहायक उपकरण के वर्षा पूर्व मरम्मत और रखरखाव कार्य का अनुमान।	उज्जैन	2.95
76.	2025_WRD_424874	इंडोख बैराज पर वर्षा पूर्व मरम्मत एवं रखरखाव स्पिलवे और स्लूस गेट और उनकी असेंबली का अनुमान।	उज्जैन	3.62
77.	2025_WRD_424875	संभाग व उपसंभाग शाजापर के विभिन्न छोटे टैंकों के स्लूस गेटों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	उज्जैन	1.87
78.	2025_WRD_425795	बारना बांयी मुख्य नहर की चैन 845 पर लाईनिंग निर्माण कार्य।	रायसेन	9.71
			कुल योग	**422.83**

जी-13639/51041/2025 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

फोन नं. : 07582-220840, ईमेल आईडी : cepwdsagar@mp.nic.in

एनआईटी नं.-09/2025-26/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **सागर, दिनांक : 27.05.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रण की जाती है :–

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र.1 सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 10.60 कि.मी. अनु. लागत 796.85 लाख।

1. भैसा से पथरिया तिगड्डा मार्ग का निर्माण कार्य लं. 4.60 कि.मी. अनुमानित लागत 510.24 लाख।
2. ग्राम घाटसेमरा से किल्लाई मार्ग का निर्माण कार्य लं. 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य अनुमानित लागत 286.60 लाख।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	आमंत्रण
2025_PWDRB_425570_1	सागर	796.85	796850.00	20000.00	10 माह	प्रथम

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र.1 सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 7.20 कि.मी. अनु. लागत 598.74 लाख।

1. कांचरी से हबला मेन मार्ग का निर्माण कार्य लं. 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य अनुमानित लागत 240.13 लाख।
2. हवला चौराहा से लुहारी स्कूल जैन मंदिर व्हाया ग्राम बहेरिया लं. 4.20 कि.मी. का निर्माण कार्य अनुमानित लागत रु. 358.61 लाख।

2025_PWDRB_425572_1	सागर	598.74	598740.00	200000.00	08 माह	प्रथम

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. झिला से मुरलीबासौदा मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित अनुमानित लागत 655.13 लाख।

2025_PWDRB_425574 1	सागर	655.13	655130.00	20000.00	10 माह	प्रथम

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. ग्राम बिलहरा बेरखेड़ी निटर्री मार्ग का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित अनुमानित लागत 801.87 लाख।

2025_PWDRB_425575_1	सागर	801.87	801870.00	20000.00	12 माह	प्रथम

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 1 सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 4.90 कि.मी. अनु. लागत 600.76 लाख।

1. केवलारी से सहजपुरी बुजुर्ग मार्ग का निर्माण कार्य लं. 2.50 कि.मी. अनुमानित लागत 294.00 लाख।
2. सहजपुरी बुजुर्ग से सहजपुरी खुर्द मार्ग लं. 2.40 कि.मी. का निर्माण कार्य अनुमानित लागत 306.76 लाख।

2025_PWDRB_425577_1	सागर	600.76	600760.00	20000.00	08 माह	

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 1 सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित लं. 10.50 कि.मी. अनु. लागत 977.54 लाख

1. ग्राम तेन्दुडाबर से सेमरा गोपालमन मार्ग का निर्माण कार्य लं. 5.50 कि.मी. अनुमानित लागत 506.01 लाख।
2. ग्राम बांसा से सरखड़ी मार्ग का निर्माण कार्य लं. 5.00 कि.मी. का निर्माण कार्य अनुमानित लागत 471.53 लाख।

2025_PWDRB_425578 1	सागर	977.54	977540.00	20000.00	12 माह	प्रथम
योग		**4430.89**				

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 28.05.2025 समय 17.30 बजे से **दिनांक 10.06.2025 समय 17:30** तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता

जी-13645/51042/2025 **लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

PHONE No. : 07582-220840, E-mail : cepwdsagar@mp.nic.in

एनआईटी नं. 11/2025-26/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **दिनांक : 29.05.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. कंदौरा एम.पी. सीमा से विजयपुर मोटे का हार तक मार्ग निर्माण कार्य लं. 5.50 कि.मी. विद्युतीकरण कार्य सहित।

पोर्टल टेंडर क्र.	निविदा आमंत्रण क्रमांक	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पी.ए.सी.) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025_PWDRB_427419_1	प्रथम	टीकमगढ़	749.93	749930.00	20000.00	10 माह वर्षाकाल सहित

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. लो.नि.वि. संभाग टीकमगढ़ के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य (विद्युतीकरण सहित) 1. पुरौनिया से भदर्रा मार्ग लं. 2.30 कि.मी. 2. पुरौनिया से छिदारा मार्ग लं. 4.00 कि.मी. 3. चरी से एकतानगर मार्ग लं. 2.50 कि.मी.

2025_PWDRB_427420_1	प्रथम	टीकमगढ़	771.49	771490.00	20000.00	10 माह वर्षाकाल सहित
कुल राशि			**1521.42**	**1521420.00**	**40000.00**	

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 30.05.2025 समय 17.30 से **दिनांक 16.06.2025 समय 17:30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता

जी-13722/51044/2025 **लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 3574/61/2024/चयन इंदौर, दिनांक : 28.05.2025

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी) परीक्षा - 2022
चयन - सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक प्राध्यापक, हिन्दी

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 28/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद सहायक प्राध्यापक, हिन्दी के कुल 116 पद (अनारक्षित-68, अ.जा.-12, अ.ज.जा.-07, अ.पि.वर्ग-20, ई.डब्ल्यू.एस.- 09) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-22, अ.जा.-04, अ.ज.जा.-02, अ.पि.वर्ग-07 ई.डब्ल्यू.एस.-03) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग 01, श्रवणबाधित दिव्यांग 01, दृष्टिबाधित दिव्यांग-निरंक पद एवं बहु-दिव्यांग-निरंक पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, सहायक प्राध्यापक (हिन्दी) परीक्षा-2022 दिनांक 09.06.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 25.09.2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 21.01.2025 से 31.01.2025 तक** आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक/1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/28/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन कमांक 28/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 10.09.2024 में उल्लेखित प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के सबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।

3. अतएव लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	68	12	7	16	9	112
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	22	4	2	6	3	
कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद						1
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद						1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat		श्रेणी
1	130390	ARJUN SINGH PANWAR	M	UNR		EWS
2	135001	GAURAV GAUTAM	M	UNR		UNR
3	137745	SACHIN TIWARI	M	UNR		EWS
4	135490	VIKASH PATHAK	M	UNR		UNR
5	135287	DIVYA YADAV	F	UNR		UNR
6	132500	NAVEEN GAUTAM	M	UNR		UNR
7	132701	PREETI BOPCHE	F	UNRF		OBC
8	134763	DHRUV KUMAR	M	UNR		UNR
9	133871	SHUBHI GURJAR	F	UNRF		OBC
10	130374	KUSUM DUNGARWAL	F	UNRF		OBC
11	130414	TANAY SITORE	M	UNR		SC
12	134775	ANIL KUMAR SHARMA	M	UNR		EWS
13	132567	ROOPALI THAKUR	F	UNRF		OBC
14	137294	SHYAMLAL CHOUDHARY	M	UNR		OBC
15	131272	SUMIT SHARMA	M	UNR		UNR
16	137491	SANGEETA	F	UNRF		SC
17	131570	GAURAV DANGI	M	UNR		OBC
18	134034	DEEPALI SIHARE	F	UNRP		OBC
19	136963	PRABHAT SINGH	M	UNRHD	श्रवणबाधित	UNR
20	133390	DEEKSHA TYAGI	F	UNRF		EWS
21	136356	ASHISH KUMAR TIWARI	M	UNR		UNR
22	131509	BHUMIKA JHA	F	UNRF		OBC
23	131869	ANKIT KUMAR MISHRA	M	UNR		UNR
24	135558	ADITYA PRATAP SINGH	M	UNR		EWS
25	131124	NEERAJ PATEL	M	UNR		OBC
26	130059	DR. ANTIM BALA JAISWAL	F	UNRF		OBC
27	133627	AMIT BHARGAVA	M	UNR		UNR
28	130153	RITU SHARMA	F	UNRF		EWS
29	136888	SUNIL MEHTA	M	UNR		OBC
30	136439	ABHISHEK KUMAR MISHRA	M	UNR		UNR
31	134485	SURYA KANT TRIPATHI	M	UNR		UNR
32	134619	BHUPENDRA HARDENIA	M	UNR		EWS
33	132818	MAHENDRA KUMAR TALWARE	M	UNR		OBC
34	130539	SHIV KAILASH YADAV	M	UNR		UNR
35	135616	SARVESH KUMAR PANDEY	M	UNR		EWS
36	133917	HIMANSHI GANGWAR	F	UNR		UNR
37	131507	POOJA SHARMA	F	UNRF		EWS
38	138663	ADARSH KUMAR MISHRA	M	UNR		UNR
39	131071	SAURABH TIWARI	M	UNR		EWS
40	132157	AKASH LILHARE	M	UNR		OBC
41	132888	NEERAJ SINGH THAKUR	M	UNR		OBC
42	136959	MUDITA MISHRA	F	UNR		UNR
43	130158	ANUKRITI TAMBOLI	F	UNR		UNR
44	136979	SHILPEE KUMARI SINGH	F	UNR		UNR
45	130290	AKSHAY PANWAR	M	UNR		OBC
46	131957	DEVANSH BAIRAGI	M	UNR		OBC
47	136854	BHARAT LAL NAGAR	M	OBC		OBC
48	137478	ABHISHEK KUMAR AWASTHI	M	UNR		UNR
49	133253	YADUNANDAN PRASAD UPADHYAY	M	UNR		UNR
50	131919	CHITRANSH KHARE	M	UNR		EWS
51	130268	VINOD SONGARA	M	UNR		SC
52	134205	UJJWAL GUPTA	M	UNR		UNR
53	136990	VIJAYKUMAR	M	UNR		OBC
54	130984	POOJA SHARMA	F	UNRF		EWS
55	134754	ASHISH SHARMA	M	UNR		EWS
56	135651	BALKRISHNA MISHRA	M	UNR		UNR
57	134414	PEEYUESH JAIN	M	UNR		EWS
58	134346	JETENDRA BHATELE	M	UNR		EWS
59	135311	ANUPAMA TIWARI	F	UNRF		UNR
60	132269	RASHMI SHUKLA	F	UNRF		EWS
61	130906	SAVITA KUMARI	F	UNRF		SC
62	130010	DIVYAPRAKASH	M	EWS		EWS
63	132696	NEERAJ KUMAR GOLHANI	M	OBC		OBC
64	137115	NILESH CHOUDHARY	M	OBC		OBC
65	132373	ABHISHEK KUMAR	M	OBC		OBC
66	130446	NEHA GUPTA	F	UNRF		UNR
67	137738	ARUN PRAJAPATI	M	OBC		OBC
68	134755	SACHIN DOHARE	M	SC		SC
69	131468	BHASKAR PARMAR	M	OBC		OBC
70	134534	ADESH NAMDEO	M	OBC		OBC
71	137657	PRATIKA PARMAR	F	UNRF		OBC
72	132461	YOGITA SHIVHARE	F	UNRF		OBC
73	134079	SANJAY DHAKAR	M	OBC		OBC
74	134188	SHIVAM BHADOURIYA	M	EWS		EWS
75	132660	NAVITA KACHHI	F	UNRF		OBC
76	136659	RAJIV KUMAR SHRIVASTAVA	M	EWS		EWS
77	136125	SHEELU TIWARI	F	EWSF		EWS
78	130637	ARCHANA RATHORE	F	UNRF		OBC
79	130739	BHAGWAN SINGH DANGI	M	OBC		OBC
80	130451	PUSHPA DEVI PATEL	F	UNRF		OBC
81	133414	HARSHITA KHARE	F	UNRF		UNR
82	134589	VAISHALI RAJAK	F	OBCF		OBC
83	134388	ARMAN AHMAD	M	EWS		EWS
84	131048	SUDHANSHU DUBEY	M	EWS		EWS
85	131513	RAHUL PATEL	M	OBC		OBC
86	130606	ARCHANA TIWARI	F	EWSP		EWS
87	131878	KAJAL BATHRE	F	OBCF		OBC
88	134394	RASHMI KURMI	F	OBCF		OBC
89	134412	PANKUNWAR LODHI	F	OBCF		OBC
90	134867	NIDHI DWIVEDI	F	EWSF		EWS
91	130074	PUNAM	F	OBCF		OBC
92	132543	YASHVANT AHIRWAL	M	SC		SC
93	134342	RAKSHA RAI	F	OBCF		OBC
94	130561	SATYAM THAKUR	M	EWS		EWS
95	135431	SWARN KUMAR BHALADHARE	M	SC		SC
96	130809	SWAMI DEEN PRAJAPATI	M	SC		SC
97	136007	REKHA PRAJAPATI	F	SCF		SC
98	130463	PREETI SIRSAM	F	STF		ST
99	134283	SAURAV KATROLIA	M	SC		SC
100	137044	BADRILAL DABI	M	SC		SC
101	137490	AMIT JOHARYA	M	SC		SC
102	134503	BANDNA AHIRWAR	F	SCF		SC
103	134845	DEEPAK AHIRWAR	M	SC		SC
104	136589	ARTI SAKET	F	SCF		SC
105	137290	JYOTIBALA DAWANE	F	SCF		SC
106	130834	DILIP SINGH	M	ST		ST
107	130531	SHIVANI SAITE	F	STF		ST
108	134563	PRADEEP KUMAR	M	ST		ST
109	134010	RAJESH SINGH BHADORIYA	M	UNRHO	अस्थिबाधित	UNR
110	132763	TARA BANWASI	F	ST		ST
111	130608	AYUSH SINGAD	M	ST		ST
112	132132	RANJEET KUMAR	M	ST		ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	137365	DEEPTI SHAHI	F	UNR
2	136540	ABHIMANYU TIWARI	M	UNR
3	136939	ASHUTOSH TIWARI	M	UNR
4	130122	VIPENDRA SINGH	M	UNR
5	133178	GAURAV SINGH	M	UNR
6	137132	PRADEEP CHATURVEDI	M	UNR
7	136231	DIVYA SHUKLA	F	UNR
8	133309	MOHIT KUMAR JAIN	M	UNR

(शेष पृष्ठ 17 पर)

खंडवा ने जल संचय में हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि

खंडवा, जल शक्ति अभियान : कैच द रेन के तहत 'जल संचय, जन भागीदारी' पहल में खंडवा जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय की रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके अंतर्गत जिले ने 1,29,046 से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण और पंजीकरण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि से जिले में उत्साह की लहर है। जल संरक्षण के लिए नागरिकों ने जिला प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया है।

जल संरक्षण के इन प्रयासों से न केवल भूजल स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, बल्कि वर्षा के जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा को मजबूत किया गया है। स्थानीय निवासियों ने कहा कि 'हमारा जिला जल संरक्षण में देश में अव्वल है और यह हम सभी के लिए गौरव का क्षण है। हम प्रशासन के साथ मिलकर हर बूंद को संरक्षित करने के लिए और अधिक प्रयास करेंगे।'

कलेक्टर श्री ऋषभ गुप्ता के कुशल नेतृत्व में जिला प्रशासन ने जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप दे दिया है। खास तौर पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है।

सभी शासकीय भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद यह अभियान शासकीय आवासों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और दो मंजिला आवासीय भवनों तक चरणबद्ध रूप से विस्तारित होगा।

कलेक्टर ने कहा, 'जल है तो जीवन है। रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से हम न केवल जल संकट से निपट सकते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।'

इस अभियान को गति देने के लिए हाल ही में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग की तकनीकी जानकारी, इसके लाभ और स्थापना प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने शिप्रा घाट तथा 21 बैराजों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में आयोजित निर्माण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंगारेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत 864 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा 779 करोड़ रुपये की लागत से शिप्रा नदी पर निर्मित होने वाले 29 किलोमीटर के नवीन घाट और शिप्रा नदी पर लगभग 85 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 21 बैराजों का भूमिपूजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम सच्चे अर्थों में एक धर्म सभा है। सभी संतों की गरिमामय उपस्थिति में यह आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। हमारा प्राचीन समय देश की संस्कृति के लिए स्वर्णिम काल रहा है। श्रीमंत महादजी सिंधिया और मल्हार राव होलकर ने विदेशी आक्रमणकारियों के द्वारा ध्वस्त किए गए सभी देवस्थानों का जीर्णोद्धार कराया।

- **सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शनि मंदिर से नागदा बायपास तक शिप्रा नदी के दोनों किनारों पर 29 किलोमीटर का घाट निर्माण किया जाएगा।**
- **घाटों पर 24 घंटे में लगभग 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई के सास ससुर के लिए वे उनकी बहू नहीं बल्कि बेटी के समान थीं। देवी अहिल्याबाई के जीवन में गंगा सी पवित्रता और नर्मदा सी सादगी है। उनके ससुर ने हमेशा उन्हें प्रेरणा दी, उनकी योग्यताओं को पहचाना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज शिप्रा नदी पर बनने वाले नवीन घाटों का भूमिपूजन किया गया है। शिप्रा नदी में दूषित पानी न मिले इसके लिए सरकार द्वारा गंभीर नदी के डैम के नीचे दूषित पानी को भेजा जाएगा तथा वहां उसे फिल्टर किया जाएगा। साथ ही सिलारखेड़ी परियोजना के अंतर्गत बारिश के जल को सिलारखेड़ी के तालाब में एकत्रित किया जाएगा तथा वर्षा ऋतु के पश्चात उसे शिप्रा नदी में प्रवाहित किया जाएगा। जिससे शिप्रा के शुद्ध जल से पूरे वर्ष भर श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे।

आगामी सिंहस्थ के अंतर्गत बनने वाले 29 किलोमीटर के लंबे घाटों पर सिंहस्थ के दौरान 24 घंटे में लगभग 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वाल्मिकी धाम से सिद्धनाथ तक, शनि मंदिर से गऊघाट तक और लालपुल से रामघाट तक श्रद्धालुओं के लिए शिप्रा नदी में नौकाएं भी संचालित की जाएंगी।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा निरंतर विकास के कार्य किये जा रहे हैं। इंदौर से उज्जैन के लिए मेट्रो ट्रेन भी प्रारंभ की जाएगी। साथ ही एलिवेटेड सड़कें भी बनाई जाएंगी। मध्यप्रदेश शासन उचित प्रबंधन के साथ विकास के कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला सिंहस्थ सबसे अच्छा कुंभ का मेला होगा।

विद्यालयों में ईको क्लब के माध्यम से चलाया जायेगा पौध रोपण अभियान

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के विद्यालयों में ईको क्लब के माध्यम से व्यापक स्तर पर पौध रोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान प्रदेश में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के नाम से चलाने का फैसला किया गया है। प्रत्येक जिले में अभियान के दौरान एक लाख पौधों का रोपण करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में विद्यार्थियों की भागीदारी से 30 सितम्बर तक 50 लाख पौधे रोपे जायेंगे।

व्यापक स्तर पर पौध रोपण का उद्देश्य बच्चों और युवा पीढ़ी को सतत विकास के प्रति संवेदनशील बनाने और प्रकृति को हरा-भरा बनाने में सक्रिय भागीदार बनाना है।

यह अभियान मातृत्व की भावना का सम्मान करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना है। पौध रोपण में स्थानीय और क्षेत्रीय प्रजातियों के पौधे लगाने को प्राथमिकता दी जायेगी।

एनपीएस में मिसिंग क्रेडिट चालान की प्रविष्टियां 15 दिवस में कराने की सुविधा

भोपाल, मध्यप्रदेश के एनपीएस के अधीन कार्यरत सभी शासकीय सेवक जिनकी राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत मिसिंग क्रेडिट चालान की प्रविष्टियां उनके एनएसडीएल पीआरएएन एकाउंट में लंबित हैं, निराकरण 15 दिवस में करवा सकते हैं। संचालक कोष एवं लेखा डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि एनपीएस के मिसिंग क्रेडिट अंशदान की आहरण एवं संवितरण अधिकारी से समायोजन की कार्यवाही करने के लिये कोषालय स्तर पर चिह्नांकन नहीं हो पा रहा है। ऐसे में शासकीय सेवक अभिलेख एवं चालान की प्रति के साथ संवितरण अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

प्रदेश सरकार के लिए जनकल्याण और जन सेवा सर्वोपरि

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के सुभाष नगर खेल मैदान में वरिष्ठ नेता स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग की जयंती और श्रीमती प्रसून सारंग की स्मृति में हुए कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के लिए जन सेवा के कार्य और जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन सर्वोपरि है। यह वर्ष अनेक सेवा प्रकल्पों के कारण जाना जाएगा। जन सेवा और सुशासन की प्रतीक लोकमाता अहिल्या देवी जी के 300वें जन्मदिन को उल्लास से मनाया गया। भोपाल में हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति थी और भोपाल के नागरिकों ने इस कार्यक्रम को स्मरणीय बना दिया। जनजातीय योद्धा राजा भभूत सिंह के सम्मान में पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक रखी गयी। मातृ-पितृ भक्ति दिवस के रूप में हुए इस कार्यक्रम में जहां वरिष्ठजन का सम्मान किया गया, वही सामूहिक विवाह भी संपन्न हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए माता-पिता के साथ बिताया समय यादगार होता है। प्रत्येक व्यक्ति का जन्म लेना और मृत्यु को प्राप्त होना तय है, लेकिन जन्म और मृत्यु के मध्य यात्रा कितनी सार्थक रही यह महत्वपूर्ण है। स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग जी ने भी जीवन में सेवा कार्यों को अपनाया। हमारी भारतीय संस्कृति में सेवा का विशेष महत्व है और यह सनातन संस्कृति की पहचान भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मों के आधार पर जीवन बनता है। मध्यप्रदेश सरकार ने सतपुड़ा अंचल के राजा भभूत सिंह के सम्मान में पचमढ़ी में कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया है। राजा भभूत सिंह ने संघर्ष करते हुए जनजातीय समाज को संगठित किया और कुशल नेतृत्व देकर बाहरी ताकतों के विरुद्ध निरंतर लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई पीढ़ी को ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्व के बारे में जानकारी देना आवश्यक है, ताकि युवा पीढ़ी विरासत पर गर्व करे और लोगों के जीवन को बदलने के अभियान में सहभागी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में कुटुंब परंपरा है और श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बुजुर्गों की सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहल की है।

देश और संस्कृति के लिए दशोरा नागर समाज ने दी आहुतियां

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर में हुए दशोरा नागर समाज के मां कुलदेवी पूजन कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दशोरा नागर समाज ने देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए कई आहुतियां दी हैं। समाज ने कठिनाइयों के बीच भी अपनी परंपराएं और पहचान बनाए रखी। व्यापार, व्यवसाय के साथ ही पूजा पाठ में शुद्धता और प्रक्रियाओं की सटीकता के साथ कर्म संपादित करना इस समाज की विशेषता रही है। दशोरा समाज प्रतिवर्ष ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी के दिन शिवना नदी में विराजित मां कुलदेवी की पूजन-अर्चन करता है। मंदसौर में हुए कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, समाजजन, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर भगवान हाटकेश्वर एवं मां कुलदेवी को नमन किया और उपस्थितजनों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दशोरा समाज ने संस्कृति को सहेजने का काम किया और आक्रमणों के समय अपने धर्म को बचाए रखा। दशोरा समाज कलम का धनी होने के साथ-साथ भोजन एवं पकवान बनाने में भी निपुण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी बहनों के लिए गर्व का विषय है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया शुभारंभ

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह के शौर्य, बलिदान एवं साहस को स्मरण कर उनकी स्मृति में आयोजित कैबिनेट बैठक के उपरांत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूत सिंह उद्यान पहुंचकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अपनी माताजी के नाम पर आम का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पचमढ़ी प्रकृति के द्वारा दिया गया अद्भुत वरदान और अद्वितीय नैसर्गिक देन है। इसके विकास के लिए सरकार निरंतर कार्य करेगी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा एवं उप मुख्यमंत्री श्री

राजेन्द्र शुक्ल ने भी अपनी-अपनी माताजी के नाम से आम के पौधों का रोपण कर अभियान में सहभागिता की। कार्यक्रम में राज्य सरकार के अन्य मंत्रीगण भी उपस्थित रहे। सभी मंत्रीगणों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधारोपण कर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को सार्थक स्वरूप प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह उद्यान बाल उद्यान के नाम से जाना जाता था। मुख्यमंत्री द्वारा इस उद्यान का नाम वीर राजा भभूत सिंह की स्मृति में राजा भभूत सिंह उद्यान किया गया है।

- **14, 15, 16 जून को पचमढ़ी में सभी विधायकों और सांसदों के साथ अभ्यास सत्र आयोजित होगा।**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों से संघर्ष कर देशभक्ति की जो मशाल जलाई थी, वह अद्वितीय और प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विरासत से विकास' के उद्घोष के अनुरूप स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को स्मरण कर रही है और उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पचमढ़ी को आदि काल से अद्भुत प्राकृतिक धरोहर बताया और कहा कि सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह जैसे योद्धाओं की वीरगाथाएं बसती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 14, 15, 16 जून को पचमढ़ी में सभी विधायकों और सांसदों के साथ अभ्यास सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें पचमढ़ी क्षेत्र के विकास का विस्तृत रोडमैप भी तैयार किया जाएगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोह में आयोजित होंगे किसान सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उमरिया जिले में आयोजित राज्यस्तरीय पेसा महासम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

उमरिया, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उमरिया जिले के पाली में 'पेसा महासम्मेलन' को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। जनजाति समुदाय को वर्ष 2022 में पेसा एक्ट की सौगात मिली। इसके अंतर्गत कई प्रकार के विकास कार्य हुए हैं। प्रदेश में 5300 से अधिक पंचायतों ने पेसा एक्ट के माध्यम से सहभागिता बढ़ाई है। प्रदेश के जनजाति बहुल 88 विकासखंडों के गरीब से गरीब व्यक्ति के परिवार में सवेरा आए, इसके लिए सरकार हर स्तर पर कार्य कर रही है। युवाओं के लिए एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेशभर में सांदीपनि विद्यालय खोलकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 14.71 करोड़ रुपये की लागत वाले चार कार्यों का भूमिपूजन और 39.14 करोड़ रुपये की लागत वाले 22 कार्यों का लोकार्पण किया।

- **जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए राज्य सरकार संकल्पित।**
- **वर्ष 2028 तक सभी गरीब परिवारों को दिए जाएंगे पक्के आवास।**
- **किसानों को 10 प्रतिशत राशि पर दिये जायेंगे सोलर पंप।**
- **जनजातीय समाज की गौरव गाथा स्कूल एवं कॉलेज के पाठ्यक्रमों में शामिल।**

अटलजी के नाम पर प्रदेशभर में लगाए जाएंगे किसान मेले

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के 100वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में वर्षभर उन्हें समर्पित किसान हितैषी आधुनिक मेले प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में लगाएगी। किसानों को खेती की नई तकनीक और उन्नत बीज उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योग स्थापित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों की आय बढ़ाने के प्रयासों के साथ-साथ उद्योग और निवेश को भी बढ़ा रहे हैं। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोज़गार वर्ष घोषित किया गया है। भोपाल में 12 से 14 अक्टूबर तक भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित बड़ा आयोजन किया जाएगा।

लाड़ली बहना योजना में राशि बढ़ाई जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में हर महीने राशि भेजकर रक्षाबंधन मना रही है। लाड़ली बहना योजना की राशि पहले 1000 से बढ़ाकर 1250 रुपये की गई। इसे धीरे-धीरे 3000 रुपये प्रति माह तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में तो बेटियां जन्म लेते ही लाड़ली लक्ष्मी बनकर लखपति हो जाती हैं। प्रदेश में सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए लाभकारी योजनाओं की सौगात दी गई है।

पचमढ़ी अभयारण्य अब 'राजा भभूत सिंह पचमढ़ी अभयारण्य' के नाम से जाना जाएगा

नर्मदापुरम, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पचमढ़ी में राजभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक के पहले, मंत्रिपरिषद के सदस्यों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पचमढ़ी अभयारण्य को राजा भभूत सिंह पचमढ़ी अभयारण्य के नाम से जाना जाएगा। यह राजा भभूत सिंह के पर्यावरण प्रेम और पचमढ़ी को विदेशी ताकतों से संरक्षित रखने के आजीवन अथक प्रयासों को समर्पित है। अभयारण्य में राजा भभूत सिंह के जीवन, संघर्ष, वीरता और योगदान से संबंधित जानकारी को प्रदर्शित किया जाएगा। यह कदम न केवल स्थानीय गौरव को बढ़ावा देगा बल्कि अभयारण्य की पहचान को भी मजबूत करेगा। यह क्षेत्र के ऐतिहासिक और प्राकृतिक महत्व का प्रतीक बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भभूत सिंह का जनजातीय समाज पर बहुत अधिक प्रभाव रहा है। उनकी वीरता के किस्से आज भी लोकमानस की चेतना में जीवंत हैं। राजा भभूत सिंह के योगदान को स्मरण करने के लिए मंत्रिपरिषद की बैठक पचमढ़ी में आयोजित की गई है। यह राजा भभूत सिंह के योगदान को समाज के सामने लाने का एक प्रयास है। राजा भभूत सिंह का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राजा भभूत सिंह सन् 1857 में आजादी की लड़ाई में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे के मुख्य सहयोगी थे। अपनी छापामार युद्ध नीति के कारण ही भभूत सिंह नर्मदांचल के शिवाजी कहलाते हैं। राजा भभूत सिंह को पकड़ने के लिए ही अंग्रेजों को मद्रास इन्फेंट्री को बुलाना पड़ा था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस माह जून में अनुसूचित जनजाति आधारित तीन सम्मेलन आयोजित किए जायेंगे। डिण्डौरी के बजाग में 7 जून को सम्मेलन, बिरसा मुण्डा जन्म दिवस पर शहडोल के ब्यौहारी में 9 जून को कोल सम्मेलन और 18 जून को शिवपुरी के कोलारस में सहरिया सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

इंदौर में ट्रांसमिशन लाइनों के समीप बने घातक निर्माणों को हटाने संयुक्त अभियान

ग्वालियर, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) और इंदौर नगर निगम ने शहर में एक्स्ट्रा हाइटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के समीप निर्धारित विद्युत सुरक्षा मापदंडों की अव्हेलना कर निर्मित किये गये मानव जीवन के लिये घातक और असुरक्षित अनाधिकृत निर्माणों को हटाने के लिये एक मुहिम शुरू की है। इसमें इंदौरवासियों को ट्रांसमिशन लाइनों के संपर्क में आने से होने वाली दुर्घटनाओं की आंशका से बचाया जा सकेगा।

एम.पी. ट्रांसको इंदौर की अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना ने बताया कि इंदौर के ऐसे सभी क्षेत्र जहां पहले से ही ट्रांसमिशन लाइनें क्रियाशील हैं, फिर भी विद्युत सुरक्षा मापदंड़ों को नजर अंदाज कर उनके समीप अनाधिकृत निर्माण कर लिये गये हैं। ट्रांसमिशन लाइनों से दुर्घटना एवं जनहानि होने की आंशका के मद्देनजर वहां पर कंपनी द्वारा सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई है। कर्मचारी लाइनों से सुरक्षित दूरी बनाये रखने हेतु पब्लिक एड्रेस सिस्टम से अनाउसमेंट भी कर रहे हैं।

1912 - क्विक डेस्क हेल्पलाइन सेवा का शुभारंभ

भोपाल, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 10 किलोवॉट या उससे अधिक स्वीकृत भार वाले उपभोक्ताओं (हाई वैल्यू कंज्यूमर) की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिये 1912 - क्विक डेस्क हेल्पलाइन की स्थापना की है। पिछले कुछ समय से उच्चदाब, औद्योगिक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति, बिलिंग और अन्य सेवाओं में विलंब की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। कंपनी ने 1912 पर केंद्रीकृत उपभोक्ता सेवा केंद्र 'निदान' के अंतर्गत सभी उपभोक्ताओं की शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया है।

मुख्यमंत्री ने खंडवा जिले को जल संरक्षण और पुनर्भंडारण कार्य में प्रथम स्थान मिलने पर दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देशभर में जल संरक्षण और जल के पुनर्भंडारण कार्य में खंडवा जिले को प्रथम स्थान मिलने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी राज्य सरकारों से वर्षा जल के संरक्षण और भूगर्भ जल भंडारण के लिए अभियान चलाने का आह्वान किया था। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी की भावना के अनुरूप 'जल ही जीवन है' के नारे को चरितार्थ करने के लिए बारिश की बूंद-बूंद सहेजने के लिए संकल्पित है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष गुड़ी पड़वा से 90 दिनों तक चलने वाले जल गंगा संरक्षण अभियान की शुरुआत की, यह अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में जल संरचनाओं को संरक्षित करने के कार्य प्रगति पर हैं। गत वर्ष भी जल संरक्षण के लिए एक माह का अभियान चलाया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का इंदौर शहर स्वच्छता में नंबर-1 है, राजधानियों में भोपाल शीर्ष पर है, धार्मिक नगरी में उज्जैन नंबर-1 पर आ रही है। ऐसे में खंडवा को जल संरक्षण में प्रथम स्थान मिलना, निश्चित रूप से प्रदेशवासियों के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इसके लिए स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी और बूंद-बूंद बचाने के प्रयास में जुटे सभी प्रदेशवासी बधाई के पात्र हैं। जल संरक्षण के लिए जारी विकास कार्यों में मध्यप्रदेश की स्थिति अन्य राज्यों से बेहतर है। अभी कई जिलों के आंकड़े आना शेष हैं। जल संरक्षण अभियान में प्रदेश की नदियों, तालाब, बावड़ी, पोखर और कुओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। प्रदेशभर में नए खेत तालाबों का भी निर्माण जारी है। इन सभी प्रयासों से शीघ्र ही प्रदेश नए दौर में प्रवेश करेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री बाबूलाल गौर की जयंती पर कार्यक्रम

भोपाल, बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री बाबूलाल गौर की जयंती पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, घुमंतु एवं अर्द्धघुमंतु कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि आज का दिन राजनीति के क्षेत्र में सादगी और शुचिता के प्रतीक विनम्र, सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी, आदर्श के केन्द्र बाबूजी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री बाबूलाल गौर के आदर्शों पर चलने के संकल्प का दिन है। मैं उनकी ऐसी बेटी हूं, जिसका मार्गदर्शन उन्होंने पल-पल पर किया। श्री गौर सच्चे जनसेवक और कर्मयोगी थे।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि महाविद्यालय में वर्तमान सत्र 2025-26 से AEDP पाठ्यक्रम, बी.ए. टूरिज्म इन हॉस्पिटिलिटी ऑपरेशन्स प्रारंभ हो रहा है। इसमें प्रवेशित विद्यार्थी को तृतीय वर्ष में 8,000 रुपये प्रतिमाह स्टायपेंड की पात्रता होंगी। उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग से महाविद्यालय परिसर में स्वीकृत मल्टीपर्पज हॉल के लिये 3 करोड़ 65 लाख रुपये की। आवंटित राशि को बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किये जाने की अनुशंसा की है। श्रीमती गौर ने बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ का उद्घाटन भी किया। इस शोध प्रकोष्ठ में शोध प्रबंध और श्री बाबूलाल गौर के जीवन पर आधारित बहुमूल्य साहित्य उपलब्ध है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री ने पचमढ़ी राजभवन में 'आम महोत्सव' का किया शुभारंभ

नर्मदापुरम, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पचमढ़ी के राज भवन परिसर में 'आम महोत्सव' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मणि प्रभा एवं बॉम्बे ग्रीन किस्म के आम का स्वाद भी लिया। आम का रसास्वादन कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आम की मिठास और स्वाद की सराहना की। उन्होंने प्रदर्शनी में लाए गए देशी आम भी चखे। प्रदर्शनी में जम्बो केसर, सुंदरजा, कृष्ण भोग, लंगड़ा आम, गजरिया, मालदा आदि किस्मों की सराहना की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा एवं श्री राजेन्द्र शुक्ला के साथ-साथ लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह और मंत्रीगण ने भी आम का स्वाद चखा और आम की विभिन्न किस्मों की सराहना की। इस अवसर पर नरसिंहपुर के किसान श्री विजय पाल सिंह ने आम की विभिन्न किस्मों की टोकरी मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भेंट की। आम उत्पादक किसान श्री सुभाष पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को 'यथार्थ गीता' पुस्तिका भेंट की।

राजभवन पचमढ़ी में आयोजित 'आम महोत्सव' में जिन किस्मों का प्रदर्शन किया गया उनमें आम्रपाली, लंगड़ा, दशहरी, चौसा, तोता परी, फ़ाज़ली, बंगाल पाली, तुर्रापर, शुकर गुठली, मिश्री, हापुस, स्वर्णप्रभा, काला पहाड़, हिमसागर, स्वर्णरेखा, रत्ना, केसर, रुक्मणी, साबनिया, नीलम, सिंधु, जहांगीर, प्यारी, रॉयल मिश्री, जर्दालू, सेंसेशन, रस भंडार और राम केला शामिल हैं।

मध्यप्रदेश के सुरम्य पर्यटन स्थल पचमढ़ी में दो दिवसीय आम महोत्सव का सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने भी जायजा लिया। इस विशेष आयोजन में आम के 300 से अधिक नमूने प्रदर्शन के लिए रखे गए हैं, जो कृषकों, आमजन और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

मध्यप्रदेश में एग्रीटेक हब, इनोवेशन हब फॉर एग्रीकल्चर परियोजना की स्थापना को मंत्रिपरिषद की बैठक में मिली स्वीकृति

- एकीकृत कार्यालय का नाम होगा कार्यालय आयुक्त भू-संसाधन प्रबंधन।
- कम्पोजिट लॉजिस्टिक हब पवारखेड़ा परियोजना को हस्तांतरित करने का निर्णय।
- श्रम कानूनों में सरलीकरण के लिए तीन श्रम कानूनों में संशोधन का अनुमोदन।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह की स्मृति को समर्पित मंत्रिपरिषद की बैठक हुई

नर्मदापुरम, राजा भभूत सिंह के शौर्य और बलिदान को समर्पित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक पचमढ़ी के राजभवन में हुई। नर्मदापुरम जिले के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रिपरिषद ने मे. केसर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक लि. द्वारा क्रियान्वित कम्पोजिट लॉजिस्टिक हब पवारखेड़ा परियोजना को मे. डी.पी. वर्ल्ड मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक प्रा.लि. को हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया है।

मंत्रिपरिषद ने निर्णय लिया कि प्रमुख राजस्व आयुक्त एवं आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालयों का पुनर्गठन किया जाये। दोनों कार्यालयों के पुनर्गठन के बाद इसका नाम कार्यालय आयुक्त भू-संसाधन प्रबंधन होगा, जिसमें एक मुख्यालय एवं एक सहायक मुख्यालय होगा। वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप अधीक्षक भू-अभिलेख एवं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को क्रमशः तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार में समायोजित किया गया है। इस तरह प्राप्त अतिरिक्त तहसीलदार और नायब तहसीलदार को न्यायालयीन कार्य एवं गैर न्यायालयीन कार्य जैसे प्रोटोकॉल, कानून व्यवस्था, सर्वे इत्यादि के रूप में पदस्थ किया जायेगा।

मंत्रिपरिषद ने श्रम कानूनों में प्रक्रिया का सरलीकरण एवं छोटे और मध्यम स्तर के संस्थानों और उद्योगों पर अनुपालन के बोझ को कम करने के उद्देश्य से तीन श्रम कानूनों में संशोधन की अनुमति दी है। ठेका श्रम (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 के अंतर्गत वर्तमान में नियोजन के लिए निर्धारित 20 ठेका श्रमिक सीमा को बढ़ाकर 50 ठेका श्रमिक किया गया है। साथ ही कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में वर्तमान में निर्धारित 10 श्रमिक नियोजित होने तथा बिना शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में वर्तमान में निर्धारित 20 श्रमिक नियोजित होने की सीमा को क्रमशः शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में 20 श्रमिक तथा बिना शक्ति की सहायता से विनिर्माण चलाने वाले परिसरों में 40 श्रमिक तक बढ़ाया गया।

मंत्रिपरिषद ने तकनीकी आधारित कृषि विकास एवं कृषि उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार की भावी संभावनाओं के दृष्टिगत एग्रीटेक हब/इनोवेशन हब फॉर एग्रीकल्चर परियोजना की स्थापना एवं संचालन के लिए राज्य शासन की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम को सहभागीदार बनाने का निर्णय लिया है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी प्रशासकीय स्वीकृति के अनुरूप भारतीय प्रौद्यागिकी संस्थान, इन्दौर को परियोजना की स्थापना के लिए राज्यांश के रूप में वित्तीय वर्ष 2025-26 में राशि दो करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

प्रदेश में तकनीकी आधारित कृषि की आवश्कताओं के अनुरूप कृषि उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार एवं उत्पादन क्षमता में वृद्धि किये जाने के उद्देश्य से इन्दौर में एग्रीटेक हब, इनोवेशन हब फॉर एग्रीकल्चर परियोजना की स्थापना की जाएगी। यह किसानों तक पहुंचाये जाने की आवश्यकताओं के ज्ञान प्रबंधन, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और क्षमताओं का निर्माण करने के लिए केंद्र बिंदु के रूप में कार्य करेगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इन्दौर द्वारा ICAR-IISR इन्दौर, ICAR-CIAE भोपाल एवं C-DAC पुणे के सहयोग से स्थापना की जाएगी।

परियोजना की स्थापना और संचालन के लिए कुल लागत राशि 14 करोड़ 98 लाख रुपये में से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की 11 करोड़ 32 लाख रुपये की, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मध्यप्रदेश की दो करोड़ रुपये की, आईआईटी इन्दौर की एक करोड़ 10 लाख रुपये की, टेकरीमा एग्रो रिसर्च एण्ड डेव्हलपमेंट प्रा.लि. की 25 लाख रुपये की, देवदित्य टेक्नोक्रेट्स एलएलपी इन्दौर की 10 लाख रुपये की, कॉर्नस्टोन साल्यूशन्स इन्दौर की 10 लाख रुपये की और रुचि हाई रिच सीडस् प्रा. लि. की 10 लाख रुपये की वित्तीय सहभागिता रहेगी।

एग्रीटेक हब के प्रमुख उद्देश्यों में आईआईटी इन्दौर में कृषि में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करना है। यह 46 डीप एग्रीटेक कार्यक्रमों, 40 आविष्कारों, 25 पेटेंट दाखिल करने, 8 स्टार्टअप के इन्क्यूबेशन और स्टार्टअप के माध्यम से 10 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और लाइसेंसिंग समझौतों को सुविधाजनक बनाएगा। साथ ही फसलों में नए और बेहतर विकास के लिए जीनोमिक्स, फेनोमिक्स, सटीक कृषि, ड्रोन-आधारित इमेजिंग, बीज गुणवत्ता परीक्षण के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों, उच्च कम्प्यूटिंग आधारित डेटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग के विकास को उत्प्रेरित करेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

भारत सरकार द्वारा आयोजित स्टेट माइनिंग मिनिस्टर कॉन्फ्रेंस में प्रदेश को मिला खनिज ब्लॉकों की नीलामी के लिए द्वितीय पुरस्कार

प्रदेश में नवाचार से खनिज आधारित उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहन

मध्यप्रदेश खनिजों की खोज करने और भण्डारण में अग्रणी राज्य है। जनवरी 2025 में प्रदेश को खनिज ब्लॉकों की नीलामी के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था। यह पुरस्कार भारत सरकार द्वारा आयोजित स्टेट माइनिंग मिनिस्टर कॉन्फ्रेंस में अनुकरणीय कार्यों के लिये दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश ने इस वर्ष कई उपलब्धियां प्राप्त की हैं। खनिज साधन विभाग ने अब तक 10 हजार 290 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। यह राशि अन्य राज्यों में प्राप्त राजस्व में सबसे अधिक है।

खनिज आधारित उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहित करने और नवीन तकनीक को साझा करने के लिए भोपाल में पहली बार माइनिंग कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव में खनन क्षेत्र की 33 कंपनियों तथा 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

खनिजों की खोज

खनिज साधन विभाग द्वारा खनिजों की खोज के लिये प्रदेश में 76 क्षेत्रों पर खनिजों की खोज एवं भण्डारण प्रमाणन के लिये अन्वेषण कार्य किया जा रहा है। अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश इस क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। इन क्षेत्रों में से 30 क्षेत्रों में स्ट्रेटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल्स में रॉक-फास्फेट, ग्रेफाइट, ग्लूकोनाइट, प्लेटिनम और दुर्लभ धातु के अन्वेषण पर कार्य हो रहा है। अन्वेषण के बाद खनिज भण्डारण प्रमाणित होने पर इन क्षेत्रों को नीलामी में रखा जायेगा।

खनिज ब्लॉक की नीलामी

खनिज साधन विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में 31 मुख्य खनिज ब्लॉक नीलाम किये गये, जो कि पूर्व में किये गये खनिज ब्लॉक की नीलामी से सर्वाधिक हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में किये गये नीलामी प्रावधान के बाद प्रदेश में 100 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गयी। यह संख्या देश में सर्वाधिक है।

रेत खनन के क्षेत्र में

खनिज साधन विभाग द्वारा रेत खदानों का निवर्तन के अंतर्गत ई-निविदा सह नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों में 38 रेत समूहों के संचालन के लिये माइन डेवलपर एवं ऑपरेटर का चयन किया गया। जिला खनिज प्रतिष्ठान के अंतर्गत प्राप्त राशि से खनन प्रभावित जिलों में विभिन्न विकास कार्यों के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 में 478 करोड़ रुपये के 4208 कार्य स्वीकृत किये गये। इसी वित्तीय वर्ष में पूर्व से चल रहे 2120 कार्यों, जिनकी लागत 653 करोड़ रुपये थी, के कार्य पूर्ण किये गये।

वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना

खनिज साधन विभाग द्वारा 100 मुख्य खनिज ब्लॉकों की नीलामी के लिये ई-निविदा जारी की जायेगी। समेकित अनुज्ञप्ति के 8 खनिज ब्लॉकों में पर्यवेक्षण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। साथ ही 10 खनिज ब्लॉकों में समेकित अनुज्ञप्ति के स्वीकृति आदेश जारी किये जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4 मुख्य खनिज ब्लॉक में समस्त वैधानिक अनुमतियां प्राप्त कर नीलाम किये जाने की योजना बनाई गई है।

नये कोयला ब्लॉकों का संचालन

भारत सरकार द्वारा आवंटित 4 कोयला ब्लॉकों का संचालन प्रारंभ किया जाना है। पर्यवेक्षण कार्य 20 क्षेत्रों में पूर्ण कर खनिज उपलब्धता प्रमाणित होने पर इन क्षेत्रों पर खनिज ब्लॉक की नीलामी की जायेगी। साथ ही 82 नवीन क्षेत्रों पर खनिज की खोज के लिये पर्यवेक्षण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिये प्रदेश में खनिज परिवहन के लिये 41 स्थानों पर ई-चेकगेट की स्थापना की जा रही है।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

सेरेना विलियम्स

स्पेन का प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस पुरस्कार मिला

तेईस बार की सिंगल्स ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स को उनके शानदार टेनिस कॅरियर के लिए स्पेन के प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया। 50,000 यूरो (57,000 अमेरिकी डॉलर) का प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस पुरस्कार आठ वार्षिक पुरस्कारों में से एक है, जो खेल, कला, साहित्य और विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में दिया जाता है। स्पेन की राजकुमारी लियोनोर की अध्यक्षता में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह उत्तरी स्पेन के ओविएडो शहर में आयोजित किया जाता है। 43 साल की अमेरिकी खिलाड़ी सेरेना ने 14 बार डबल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। उन्होंने 73 कॅरियर एकल खिताब जीते हैं।

जोसेफ हैरिस

दो साल का बालक बना 'मेन्सा' का सदस्य

इंग्लैंड का जोसेफ हैरिस 'मेन्सा' का सबसे कम उम्र का सदस्य बन गया। असाधारण रूप से प्रतिभाशाली हैरिस को दो वर्ष की उम्र में मेन्सा ने सदस्य स्वीकार किया। मेन्सा उन लोगों की सोसायटी है, जिनका आइक्यू लेवल कम से कम 132 होता है। जोसेफ ने सात माह में पहला शब्द बोला था।

विक्रम सिंह मेहता

इंडिगो के चेयरमैन नियुक्त

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विक्रम सिंह मेहता को अपना नया चेयरमैन नियुक्त किया है। विक्रम पूर्व आईएएस ऑफिसर रह चुके हैं। इससे पहले विक्रम शेल ग्रुप ऑफ कंपनीज इंडिया के चेयरमैन रह चुके हैं। वे मिस्र में शेल मार्केट्स व शेल केमिकल्स के सीईओ जैसे पद भी संभाल चुके हैं। विक्रम सिंह मेहता, पूर्व चेयरमैन वेंकट सुमंत्रन की जगह लेंगे। सुमंत्रन ने तीन साल तक कंपनी की कमान संभाली थी।

बीएसएफ

वर्दी बदलेगी, नई कॉम्बैट ड्रेस में दिखेंगे जवान

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों की वर्दी बदलने जा रही है। ये जवान जल्द डिजिटल पैटर्न वाली कॉम्बैट ड्रेस में दिखेंगे। इसमें 50 प्रतिशत खाकी, 45 प्रतिशत हरा और 5 प्रतिशत भूरा रंग होगा। ड्रेस बदलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एक साल में पूरा बल नई ड्रेस में दिखेगा। यह कपड़ा आरामदायक और मजबूत होगा। पहले कॉम्बैट ड्रेस में 50 प्रतिशत कॉटन और 50 प्रतिशत पॉलिएस्टर होता था। अब 80 प्रतिशत कॉटन, 19 प्रतिशत पॉलिएस्टर और 1 प्रतिशत स्पैन्डेक्स होगा। इससे कपड़े में खिंचाव बना रहता है।

शेरपा कामी रीता

55 वर्ष के शेरपा ने 31वीं बार किया माउंट एवरेस्ट फतह

नेपाल के 55 वर्षीय शेरपा कामी रीता ने माउंट एवरेस्ट फतह करने का कारनामा 31वीं बार दोहराया है। वह दुनिया में सबसे ज्यादा बार माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले पर्वतारोही बन गए हैं। 27 मई 2025 को उन्होंने 8,849 मीटर ऊंची चोटी पर कदम रखकर अपना ही 30 बार एवरेस्ट फतह करने का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने पहली बार वर्ष 1994 में अपने अभियान की शुरुआत की थी।

फैजान जकी

स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी प्रतियोगिता जीती

अमेरिका की सबसे कठिन मानी जाने वाली प्रतियोगिता 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' का खिताब 13 साल के भारतीय-अमेरिकी छात्र फैजान जकी ने जीत लिया है। फ्रेंच शब्द 'एक्लेयरसिसमेंट' का सही उच्चारण करके उन्होंने खिताब अपने नाम किया। टेक्सास के फैजान बीते साल रनरअप रहे थे। इस हार के बाद फैजान अपनी तैयारी में तेजी लाए और स्पीड व शब्दों की समझ पर जोर दिया। इस बार 21 राउंड तक लगातार सही स्पेल किया और जीत हासिल की। फैजान 5वें ऐसे प्रतिभागी हैं, जिन्होंने रनर-अप रहने के अगले साल खिताब जीता। फैजान ने पहली बार 7 साल की उम्र में स्पेल बी में हिस्सा लिया था।

चीन ने

लॉन्च किया तियानवेन-2 यान

चीन अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इतिहास बनाने की राह पर है। अब चीन ने अंतरिक्ष यान तियानवेन-2 लॉन्च किया है। यह अंतरिक्ष यान मंगल ग्रह के पास एक एस्टेरॉयड पर जाकर वहां से नमूने लेकर आएगा। ये यान एस्टेरॉयड 2016 एचओ-3 से नमूने एकत्र करेगा। साथ ही मुख्य-बेल्ट धूमकेतु 311पी की भी जांच करेगा। चीन इस मिशन के जरिए अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपनी बढ़ती ताकत भी दिखाना चाहता है।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल अवॉर्ड

15 नर्सों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला

नर्सिंग के क्षेत्र में सराहनीय काम के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने 15 नर्सिंग पेशेवरों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया। इस पुरस्कार के तहत विजेताओं को योग्यता प्रमाणपत्र और 1 लाख रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाता है। ये सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम), लेडी हेल्थ विजिटर (एलएचवी) और स्टाफ नर्स जैसी श्रेणियों की प्रतिनिधि हैं।

अंजलि सूद

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बोर्ड की सदस्य बनीं

भारतीय-अमेरिकी व्यवसायी अंजलि सूद को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ ओवरसियर का सदस्य चुना गया है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म टुबी की सीईओ अंजलि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की जगह लेंगी। कार्नी ने 9 मार्च को इस्तीफा दिया था। माना जाता है कि अंजलि की नियुक्ति हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल मीडिया और वैश्विक व्यापार के अनुभव रखने वाले नेताओं को अपने साथ जोड़ने के प्रयासों का हिस्सा है।

जापान में

बच्चों के अजीब नाम रखने पर रोक

जापानी सरकार ने देश में बच्चों के अजीब नाम रखने पर रोक लगा दी है। दरअसल, जापान में कई माता-पिता अब अपने बच्चों को अजीब और अलग तरह के नाम देने लगे हैं, जैसे - नाइक, पिकाचु या पुडिंग। ऐसे नामों को जापान में 'किराकिया नाम' कहा जाता है, जिसका मतलब होता है चमकदार या बहुत अलग। नए नियम के तहत माता-पिता अब अपने बच्चों को कोई भी नाम नहीं दे सकेंगे, खासकर ऐसे नाम जिनका उच्चारण समझना मुश्किल हो। किसी नाम को पढ़कर उसका सही उच्चारण समझ में नहीं आता, तो अधिकारी उसे रद्द कर सकते हैं। अब सरकार यह चाहती है कि लोग ऐसे नाम रखें जिन्हें पढ़ना और समझना आसान हो, ताकि किसी तरह की परेशानी न हो।

श्रवण सिंह

सबसे कम उम्र के नागरिक योद्धा के रूप में सम्मानित

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकियों के ठिकानों को खत्म कर रही भारतीय सेना की सेवा में फिरोजपुर का 10 साल का एक बच्चा श्रवण सिंह जुटा था। वह कभी सेना को मोर्चे पर खाना तो कभी लस्सी और चाय पहुंचा रहा था। सेना ने अब उसकी मेहनत को सिविल वॉरियर सम्मान से नवाजा है। उसकी देशभक्ति के गांव वाले ही नहीं सेना वाले भी कायल हैं। सोशल मीडिया पर यह बच्चा अब इलाके का हीरो बन गया है। वहीं, श्रवण खुद सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना चाहता है। यह बच्चा फिरोजपुर जिले के ममदोट गांव का रहने वाला है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने उसे सबसे युवा नागरिक योद्धा के रूप में मान्यता दी है।

राजा कुमारी

भारतवंशी गायिका को मिला एएमए अवॉर्ड

भारतीय मूल की गायिका और रैपर राजा कुमारी ने अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड (एएमए) जीता। उन्हें लॉस एंजिल्स में आयोजित 51वें एएमए के लिए नामांकित किया गया था। राजा कुमारी यह अवॉर्ड पाने वाली भारतीय मूल की पहली गायिका हैं। राजा कुमारी को यूके हिप-हॉप कलाकार स्टेफलॉन डॉन और डोमिनिकन ब्राजीलियन कलाकार जरीना डी मार्को के सहयोग से बनी 'आर्केन लीग ऑफ लीजेंड्स' की रेनेगेड (वी नेवर रन) के लिए पसंदीदा साउंड ट्रैक कैटेगरी के तहत नामांकित किया गया था।

लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश राणा

अंडमान और निकोबार कमान के 18वें कमांडर-इन-चीफ बने

लेफ्टिनेंट जनरल दिनेश सिंह राणा ने अंडमान और निकोबार कमान के 18वें कमांडर-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया। श्री विजयपुरम स्थित अंडमान और निकोबार कमान, भारत की पहली और एकमात्र त्रि-सेवा ऑपरेशनल कमान है जो थलसेना, नौसेना, वायुसेना और तटरक्षक बल को आपस में जोड़ती है। यह कमान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों की रक्षा करती है। लेफ्टिनेंट जनरल राणा को 19 दिसंबर, 1987 को गढ़वाल राइफल्स की 10वीं बटालियन में नियुक्ति मिली थी।

एयर मार्शल जसवीर सिंह मान

पश्चिमी वायु कमान के वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर बने

एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान के वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर का पदभार संभाला। एयर मार्शल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं और 16 दिसंबर, 1989 को भारतीय वायुसेना में एक लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त हुए थे। उन्हें विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमानों में 3 हजार घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। वह एक पायलट अटैक इंस्ट्रक्टर हैं। उन्होंने वायु सेना मुख्यालय और कमान मुख्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है।

स्मृति शेष

लेखक और बर्डमैन संजय मोंगा का निधन

प्रसिद्ध प्रकृतिवादी, लेखक और बर्डमैन संजय मोंगा का 63 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, जिसे वह सिटी फॉरेस्ट कहते थे, उनका प्रिय पक्षी अवलोकन स्थल था। संजय मोंगा ने वर्ष 2006-07 में उरण के 85 फीसदी वेटलैंड्स के विनाश पर सबसे पहले चिंता जताई थी और शेष वेटलैंड्स की रक्षा की अपील की थी, ताकि तटीय इलाकों से फ्लेमिंगो जैसे पक्षी हमेशा के लिए गायब न हो जाएं। उन्होंने 20 वर्ष पहले 'मुंबई बर्ड रेस' की शुरुआत की थी और कैंसर से पीड़ित होने के बाद भी बच्चों को प्रकृति से जोड़ने का कार्य जीवन पर्यन्त करते रहे।

दिग्गज गीतकार और लेखक एचएस वेंकटेश मूर्ति का निधन

फिल्मी और साहित्य की दुनिया पर राज करने वाले एचएस वेंकटेश मूर्ति का निधन हो गया है। सिनेमा को बेहतरीन लिरिक्स और डायलॉग्स देने वाले वेंकटेश मूर्ति का 80 वर्ष की उम्र में देहांत हो गया। एचएस वेंकटेश मूर्ति पिछले कुछ वक्त से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। वह गीतकार और कवि ही नहीं बल्कि नाटककार, डायलॉग राइटर, लेखक और प्रोफेसर भी थे। उन्होंने कई किताबें लिखीं और साथ ही सिनेमा में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। एक लेखक के रूप में उन्होंने कन्नड में 100 से ज्यादा किताबें लिखीं। उनके एक नाटक हूवी को कन्नड पढ़ने वाले नौवीं और दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए आईसीएसई पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में भी चुना गया था।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड का निधन

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी। ट्रिस्ट ने न्यूजीलैंड को वर्ष 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह न्यूजीलैंड पुरुष टीम का पहला वैश्विक खिताब था। डेविड ट्रिस्ट ने अपने कॅरियर में 14 वर्षों तक कैंटरबरी के लिए तेज गेंदबाज के रूप में क्रिकेट खेला। इसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने कैंटरबरी के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और नीदरलैंड्स की टीमों के साथ भी काम किया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल

(मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग)
(राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर से सम्बद्ध)
जनसम्पर्क कार्यालय के सामने, बाणगंगा चौराहा, भोपाल (म.प्र.) 462003
Email Id - 2mpdramaschool@gmail.com, Tel. No. - 0755-2660645, 4012360
Website - www.mpsd.co.in, rmtmusicandartsuniversity.com

सत्र 2025-27 में स्नातकोत्तर डिग्री एम.पी.ए. (नाट्य एवं रंगमंच) दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु सूचना

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल (राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर से सम्बद्ध) द्वारा नाट्य विधा में प्रशिक्षण के लिए स्नातकोत्तर डिग्री एम.पी.ए. (नाट्य एवं रंगमंच) दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक आवेदकों से प्रस्तावित प्रारंभिक चयन 2025-27 हेतु ऑनलाइन (Online) आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

1. आवेदक को एम.पी. ऑनलाइन (MP Online) पोर्टल पर राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा **दिनांक 04 जून 2025 से 30 जून 2025 तक** खोले गये लिंक में निर्धारित चाही गई जानकारी भरकर पंजीयन शुल्क जमा कर पंजीकरण अनिवार्य रूप से करना होगा।
2. आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक एवं रंगकर्म के क्षेत्र में न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव अनिवार्य है।
3. आयु 01.07.2025 को सामान्य वर्ग के लिये अधिकतम 30 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के लिये आयु सीमा संबंधी आरक्षण शासन के नियमों के अधीन रहेगी।
4. ऑनलाइन पंजीकरण के पश्चात् आवेदक को विद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन प्रारूप को भर कर ऑनलाइन पंजीकरण की प्रति सहित समस्त दस्तावेजों की प्रतियां जिसमें न्यूनतम स्नातक उत्तीर्ण की अंकसूची, आयु सीमा के लिये 10वीं कक्षा की अंकसूची, मूल निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, किसी पंजीकृत रंग संस्था का न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव प्रमाण पत्र, दो प्रख्यात रंग निर्देशकों के संदर्भ पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य अनुभव की स्वहस्ताक्षरित हार्डकॉपी निदेशक, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, जनसम्पर्क कार्यालय के सामने, बाणगंगा चौराहा, भोपाल (म.प्र.) 462003 के पते पर स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक द्वारा या सीधे विद्यालय में **दनांक 04 जुलाई 2025 की शाम 05:00 बजे तक** कार्यालय मे जमा करना अनिवार्य है। उक्त तिथि के पश्चात कोई भी आवेदन किसी भी माध्यम से प्राप्त होने पर स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

   प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी नियम व शर्तें मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय की वेबसाइट **www.mpsd.co.in** पर उपलब्ध हैं।

निदेशक
जी-13808/51047/2025 **मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल**

(पृष्ठ 12 का शेष)

9	130202	BISHWAJIT KALTA	M		UNR
10	134216	KAJAL MISHRA	F		UNR
11	136592	BHANUJA MISHRA	F		UNR
12	135680	VIVEK KUMAR TIWARI	M		UNR
13	137432	MITU CHATURVEDI	F		UNR
14	135722	AAKANKSHA TIWARI	F		UNR
15	130720	RAMSUKHEN YADAV	M		OBC
16	134046	NEELESH PAL	M		OBC
17	130526	AASHISH SONI	M		OBC
18	130496	NIDHI TRIPATHI	F		UNR
19	137981	USHA TIWARI	F		UNR
20	134479	SNEHA JAIN	F		UNR
21	136822	PRIYA SINGH SENGAR	F		UNR
22	132508	UMAKANTA RAHANGDALE	F		OBC
23	134263	JAGDEV SHARMA	M		EWS
24	137583	REKHA GAUR	F		OBC
25	131349	AMBIKA PRASAD PATHAK	M		EWS
26	134907	ANUPA SHUKLA	F		EWS
27	136633	AAFREEN AKHTAR	F		EWS
28	134607	SURESH AHIRWAR	M		SC
29	132779	HARISH JHARIYA	M	प्रावधिक	SC
30	137587	SMITA MITHORA	F		SC
31	131565	MAMTA PARIHAR	F		SC
32	130267	MUKESH DAWAR	M		ST
33	130296	VINOD KANASE	M		ST
34	133905	SANTOSH KUMAR SHARMA	M	अस्थिबाधित	UNR
35	132882	MEGHARANI	F		ST
36	130404	POOJA ASADE	F		ST
37	135692	UPASANA DWIVEDI	F	श्रवणबाधित	EWS

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023, एस.एल.पी. क्रमांक 12398/2023 एवं मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 13225/2024, डब्ल्यू.पी. 20463/2023, डब्ल्यू.पी. 41564/2024, डब्ल्यू.पी. 9993/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

सचिव
जी-13766/51045/2025 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

कार्यालय मुख्य अभियंता, निचली नर्मदा परियोजनाएं, इंदौर

स्कीम नंबर 74-सी, विजय नगर, इंदौर

E-mail : celnpindore@gmail.com, Tel : 0731-2552555, 2552111, Fax : 0731-2554323

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. 06/सा./मु.अ./ALIS (O&M)/2025-26/ **इंदौर, दिनांक : 28.05.2025**

निम्न कार्य की ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर जारी की गई है। निविदा की संक्षित जानकारी निम्नानुसार है :-

कार्य का नाम	-	अलीराजपुर उद्वहन सिंचाई परियोजना का संचालन एवं रखरखाव 03 वर्ष के लिए जिसमें 35000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए दाबयुक्त पाइप वितरण नेटवर्क भी शामिल हैं "टर्न की अनुबंध" पर विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार (परंतु उस तक सीमित नहीं।)
अनुबंध की अनुमानित राशि	-	1378.12 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर।)
धरोहर राशि रु. में	-	10.00 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य	-	30,000/- तीस हजार (वापसी योग्य नहीं)
ऑनलाइन निविदा क्रय करने का दिनांक	-	28.05.2025, 17:30 से 16.06.2025, 17.30 Hrs.
ऑनलाइन निविदा दस्तावेज जमा करने का दिनांक	-	28.05.2025, 17:30 से 16.06.2025, 17.30 Hrs.
धरोहर राशि एवं पूर्व अर्हता प्रपत्र खोलने का दिनांक	-	18.06.2025, 10:30 Hrs. के पश्चात
वित्तीय ऑफर खोलने का दिनांक	-	20.06.2025, 10:30 Hrs. के पश्चात

निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग खाते से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता
जी-13683/51043/2025 **निचली नर्मदा परियोजनाए, इंदौर (म.प्र.)**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर
गायत्री मंदिर के पास, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)

ई-मेल: cepwdwest@mp.nic.in, दूरभाष: 0731-2491825

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 02/सा./40/निविदा/2025-26 **इंदौर, दिनांक : 27.05.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा तीन लिफाफा पद्धति में आमंत्रित की जाती है, उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है:-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. खण्डवा डुल्हार पंधाना मार्ग का 2-लेन में उन्नयन कार्य मार्ग लंबाई 17.60 कि.मी. मय एल.टी./एच.टी. लाइन पोल शिफ्टिंग एवं ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग कार्य सहित।

पोर्टल क्रमांक	जिला	अनुमानित राशि रु. लाख में	अमानत राशि रु. में	निविदा प्रपत्र की राशि रु. में	कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि
2025_PWDRB_426205	खण्डवा	4580.34	2290170/-	50000/-	18 माह वर्षाकाल सहित।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. ग्राम कालीबेल से पाडाभिचड़िया फलिया कटम फलिया बेजलिया फलिया मार्ग लंबाई 12.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।					
2025_PWDRB_ 426206	अलीराजपुर	1420.63	1000000/-	30000/-	14 माह वर्षाकाल सहित।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. बाबदड़ से हिंदली से मोहाला से रेलावती मार्ग लंबाई 11.50 कि.मी. का निर्माण कार्य मय एल.टी./एच.टी. पोल शिफ्टिंग कार्य सहित।					
2025_PWDRB_426207	बड़वानी	1429.87	1000000/-	30000/-	14 माह वर्षाकाल सहित।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. लोनसरा से गवलाबेड़ी व्हाया रेहगुन रामपुरा मार्ग लंबाई 6.00 कि.मी. का निर्माण कार्य मय एल.टी./एच.टी. पोल शिफ्टिंग कार्य सहित।					
2025_PWDRB_426208	बड़वानी	561.43	561430/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. अनुपपुरा बहादर से रसलपुरा बंधाव तक मार्ग लंबाई 3.60 कि.मी. का निर्माण कार्य मय एल.टी./एच.टी. पोल शिफ्टिंग कार्य सहित।					
2025_PWDRB_426209	धार	553.40	553400/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. मोरीपुरा कल्याकुआं से बखतला मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. का निर्माण कार्य मय एल.टी./एच.टी. पोल शिफ्टिंग कार्य सहित।					
2025_PWDRB_426210	धार	538.03	538030/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित।
क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. सोनगांव मेनरोड़ से पिपली व्हाया खण्डलई मार्ग लंबाई 4.35 कि.मी. का निर्माण कार्य मय एल.टी./एच.टी. पोल शिफ्टिंग कार्य सहित।					
2025_PWDRB_426211	धार	511.95	511950/-	20000/-	12 माह वर्षाकाल सहित।
महायोग -		**9595.65 लाख**			

निविदा प्रपत्र उपरोक्त दर्शित वेबसाइट से निविदा का निर्धारित मूल्य ऑनलाइन भुगतान कर, क्रय किए जा सकते हैं। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि दिनांक 16.06.2025 समय 17:30 तक** निर्धारित है। निविदा की विस्तृत शर्तें एवं नियम उपरोक्त दर्शित पोर्टल पर देखी जा सकती है।

निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, यदि हो तो उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाकर केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जाएगा। सभी दस्तावेज केवल ऑनलाइन वेबसाइट पर ही प्रस्तुत करें। भौतिक रूप से कोई भी दस्तावेज इस कार्यालय में न भेजे जाएं।

मुख्य अभियंता
जी-13768/51046/2025 **लो.नि.वि. इंदौर, परिक्षेत्र इंदौर**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 3712/65/2024/चयन इन्दौर, दिनांक : 30.05.2025

सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा - 2022
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 24/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी के कुल 200 पद (अनारक्षित-25, अ.जा.–29, अ.ज.जा.-97, अ.पि.वर्ग-45, ई.डब्ल्यू.एस.-04) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-08 अ.जा.-10, अ.ज.जा.-32, अ.पि.वर्ग-15, ई.डब्ल्यू.एस.-01) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग 04, श्रवणबाधित दिव्यांग-03, दृष्टिबाधित दिव्यांग-03 पद एवं बहु-दिव्यांग-निरंक पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए **सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) परीक्षा-2022** दिनांक 09.06.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 08.10.2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 27.02.2025 से 07.03.2025 तक** आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक/1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/24/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 24/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 10.09.2024 में उल्लेखित प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।
3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	25	29	97	41	4	196
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	8	10	32	14	1	

कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	4
कुल पदों में से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	3
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद	3

मुख्य सूची

स. क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat		श्रेणी
1	120470	ABHISHEK SINGH CHANDEL	M	UNR		OBC
2	122012	MITI SHARMA	F	UNRHB	दृष्टिबाधित	UNR
3	120419	SHIVANSHI MALVIYA	F	UNRF		UNR
4	121969	MITALI NEEMA	F	UNRF		UNR
5	120995	SHUBHRA TIWARI	F	UNRF		UNR
6	121408	PRIYAL SHRIVASTAVA	F	UNRF		UNR
7	121872	BABLI MALLICK	F	UNR		UNR
8	121740	BALRAM MISHRA	M	UNR		EWS
9	121553	IFTISHAM KHAN	F	UNRF		OBC
10	121524	KRITI ACHARYA	F	UNRF		UNR
11	121552	AKASH PATEL	M	UNR		OBC
12	120760	KRUTI RAI	F	OBCF		OBC
13	120983	VISHAL DAMAHE	M	UNR		OBC
14	120011	ANUJ SHIVHARE	M	UNR		OBC
15	121798	VEDANSHU GAUTAM	M	UNR		UNR
16	121415	ARJIT CHATURVEDI	M	UNR		EWS
17	120166	ARPITA GORANA	F	UNRF		OBC
18	120131	ANKIT JAT	M	UNR		OBC
19	122030	VAISHALI VISHWAKARMA	F	UNRF		OBC
20	120348	AYUSHI NEHE	F	UNR		UNR
21	122026	POOJA BAGDI	F	UNR		OBC
22	120958	SUNIL KUMAR KAHAR	M	OBC		OBC
23	120985	ABHISHEK PATEL	M	OBC		OBC
24	120229	NEHA INGLE	F	OBCF		OBC
25	121121	SONI SARASWAT	F	EWSF		EWS
26	121936	MANASVINEE MUKUL	F	EWS		EWS
27	121555	RANU SONI	F	OBCF		OBC
28	120976	DEEKSHA DEVI CHOUDHARY	F	SCF		SC
29	120515	MANISH UIKEY	M	ST		ST
30	120347	VIKAS THAKRE	M	OBC		OBC
31	121663	POOJA PATEL	F	OBCF		OBC
32	122107	YATISH DHAKAD	M	OBC		OBC
33	121181	VAISHNAVEE YADAV	F	OBCF		OBC
34	120141	RISHABH BHAGAT	M	OBC		OBC
35	122064	ARUN PARMAR	M	SC		SC
36	120979	PRIYANKA BHALEKAR	F	SCF		SC
37	120921	RITESH SONWANE	M	OBC		OBC
38	121659	SUFIYA ANSARI	F	OBCF		OBC
39	121699	NEELU PATEL	F	OBCF		OBC
40	120959	DILIP KUMAR	M	SC		SC
41	120320	RAHUL DAMOR	M	ST		ST
42	121741	UPAMA MAURYA	F	OBCF		OBC
43	120122	SHABANA QURIESHY	F	OBCF		OBC
44	120288	JATIN VERMA	M	OBC		OBC
45	120697	VYAKTA SIVALI AHIRWAR	F	SCF		SC
46	120168	SUMAN	F	OBCF		OBC
47	120986	MOULSHREE BAVARIA	F	SCF		SC
48	121505	BHAWANA KABIRPANTHI	F	SCF		SC
49	120222	SHIVSHANKAR PATIDAR	M	OBC		OBC
50	120678	NIKESH SAHU	M	OBC		OBC
51	121010	PRIYANK CHOUBEY	M	UNRHB	दृष्टिबाधित	UNR
52	120064	ANUSHKA YADAV	F	OBCF		OBC
53	120529	DEV ASHISH SHAKYA	M	OBC		OBC
54	120049	AMIT KUMAR KANERIYA	M	SC		SC
55	120922	BHARTI RAI	F	OBCF		OBC
56	122070	ADARSH BHEVANDIYA	M	SC		SC
57	122083	AYUSHI SONI	F	OBCF		OBC
58	121384	HINA SAHU	F	OBCF		OBC
59	120559	ARJUN DHANSU	M	SC		SC
60	120586	DIVYANI CHHOKER	F	OBC		OBC
61	120074	VARSHA RANI GANGRADE	F	UNRHD	श्रवणबाधित	UNR
62	120655	MONA JATAV	F	SCF		SC
63	120313	JAGRATI KAWDE	F	OBC		OBC
64	121447	PARITOSH PARSANDIYA	M	SC		SC
65	120917	DEEPAK NAMDEV	M	OBC		OBC
66	120729	KAVYA SINGH	F	OBC		OBC
67	121019	SOMKANT PARWAR	M	OBC		OBC
68	120205	SHUBHAM VERMA	M	SC		SC
69	120635	RAMA SINGH	F	OBC		OBC
70	120996	ANSHIKA AGRAWAL	F	UNRHB	दृष्टिबाधित	UNR
71	120948	AYUSH HARDAHA	M	OBC		OBC
72	122002	ANKITA VERMA	F	OBC		OBC
73	120236	MAYANKA PALASHYA	F	SCF		SC
74	121100	NAZLI QURAISHI	F	OBC		OBC
75	121504	AKANKSHA PATEL	F	OBC		OBC
76	121803	SHUBHAM SINGH	M	OBC		OBC
77	121057	VINDHYA POOSHAM	F	STF		ST
78	122055	SURBHI CHOUDHARY	F	OBC		OBC
79	120482	KAVITA KUSHWAHA	F	OBC		OBC
80	122059	PUSHPENDRA SINGH PARMAR	M	SC		SC
81	121928	KAPIL KUMAR PARMAR	M	OBC		OBC
82	121511	NIKET SARATHE	M	OBC		OBC
83	122025	VIKAS KUMAR SALVI	M	SC		SC
84	120330	PRACHI MIMROT	F	SCF		SC
85	120897	TULIKA NAGESH	F	SCF		SC
86	121541	KAUMUDI CHAURASIA	F	OBC		OBC
87	120296	JAGDISH	M	ST		ST
88	122087	NIRMALA SURYAVANSHI	F	SCF		SC
89	121230	SANDEEP KUMAR	M	SC		SC
90	120776	SAGAR JHARIYA	M	SC		SC
91	120325	MANISHA SEMLIYA	F	STF		ST
92	121441	SANJAY SINGH	M	SC		SC
93	120158	AARTI MUKATI	F	STF		ST
94	121009	PRADEEP SURYDHER	M	SC		SC
95	120305	SONAL SINGH	F	STF		ST
96	120688	DAYARAM MUZALDA	M	ST		ST
97	121082	GAURAV DUNGARWAL	M प्रावधिक	SC		SC
98	121210	ANJALI SHAKYA	F	SC		SC
99	121083	VIJIT MESHRAM	M	SC		SC
100	120935	VAISHALI UIKEY	F	STF		ST
101	120909	RAKESH KUMAR RANGARE	M	SC		SC
102	120988	POONAM THAKUR	F	STF		ST
103	120298	NITIKA MAIDA	F	STF		ST
104	120132	DINESH BRAMHANE	M	SC		SC
105	120165	NANDINI GOALKAR	F	STF		ST
106	120217	PRITI GIRWAL	F	STF		ST
107	120114	TRIPTI MARKAM	F	STF		ST
108	120081	KAVITA SOLANKI	F	STF		ST
109	120371	NITU MANDLOI	F	STF		ST
110	121109	UJJVALA KARCHAM	F	STF		ST
111	122147	SATYAM SINGH KURMI	M	OBCHO	अस्थिबाधित	OBC
112	120241	SURBHI UIKEY	F	STF		ST
113	121383	PRATIBHA PARMAR	F	STF		ST
114	120299	MANOJ KACHHWAY	M	ST		ST
115	121086	SHOBHIT BHAVDIYA	M	ST		ST

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

116	120998	AGRATA SWAMY	F	STF		ST
117	120005	DEEPAK KATARA	M	ST		ST
118	120285	BHOLOO MAYLE	M	ST		ST
119	120123	KARISHMA PARMAR	F	STF		ST
120	120138	SANJANA SULYA	F	STF		ST
121	120239	RAHUL BHURIYA	M	ST		ST
122	121686	KAUSHLENDRA KHARE	M	UNRHO	अस्थिबाधित	UNR
123	122242	CHANDRESH KUMAR	M	ST		ST
124	120066	SURENDRA SINGH DAWAR	M	ST		ST
125	121449	RAMVEER SINGH	M	UNRHO	अस्थिबाधित	UNR
126	120026	SHANTILAL JAMRE	M	ST		ST
127	120219	VEENU BAGHEL	F	STF		ST
128	120989	SATYAMBALADITYA BHALAWI	M	ST		ST
129	120194	MANOJ MEDA	M	ST		ST
130	120245	NARESH JAMRE	M	ST		ST
131	121743	SHIV LAKHAN SINGH GOND	M	ST		ST
132	121958	RAMPRATAP SINGH GAMAD	M	ST		ST
133	121830	PRABHA SINGH	F	STF		ST
134	122301	HIMANSHI VERMA	F	SCHO	अस्थिबाधित	SC
135	121850	SANGEETA SHYAM	F	STF		ST
136	120029	JOSEPH MAVI	M	ST		ST
137	121846	VAISHANAVI DARKO	F	STF		ST
138	120779	CHANDRASHEKHAR RAJPOOT	M	EWSHD	श्रवणबाधित	EWS
139	120018	POOJA WASKEL	F	STF		ST
140	120193	NILESH THAKUR	M	ST		ST
141	121005	POOJA TEMREY	F	STF		ST
142	121851	MONIKA MARAVI	F	STF		ST
143	120301	URMILA CHOUHAN	F	STF		ST
144	122112	MAHESH KANNOAJE	M	ST		ST
145	121518	SANTOSH KUMAR TIWARI	M	EWSHD	श्रवणबाधित	EWS
146	121152	SUNDHEE LAL MARKAM	M	ST		ST
147	120121	MANAK SINGH SOLANKI	M	ST		ST
148	120311	GHANSHYAM PARMAR	M	ST		ST
149	120150	BALRAM DUDWE	M	ST		ST
150	120364	SHOBHARAM DAWAR	M	ST		ST
151	120053	DHARMENDRA IVANE	M	ST		ST
152	120994	HIMANSHU MARAVI	M	ST		ST
153	120839	JITENDRA KANASH	M	ST		ST
154	120127	RAKESH MADGE	M	ST		ST
155	121119	ANJALI MERAVI	F	STF		ST
156	121871	PRADEEP KUMAR KURCHAM	M	ST		ST
157	121834	SONU SINGH	F	STF		ST
158	120117	ANARSINGH DAWAR	M	ST		ST
159	120235	SIGDAR SINGH KANOJ	M	ST		ST
160	120231	SAKSHI DODIYAR	F	STF		ST
161	121115	PRIYANK SONWANI	M	ST		ST
162	120178	BHAGAT SINGH DAWAR	M	ST		ST
163	121123	RAMESHWAR	M	ST		ST
164	120010	SHARDA SOLANKI	F	STF		ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		श्रेणी
1	121575	MEHULI SANTRA	F		UNR
2	122022	ABHISHEK SINGH GEHLOT	M		UNR
3	121534	MANJARI SHRIVASTAVA	F		EWS
4	121065	SAIF MOHAMMAD SIDDIQUI	M		UNR
5	120918	SHIVALI RAI	F		UNR
6	120699	PRATHMA BUDHOLIYA	F		EWS
7	121797	TARUNA SINGH CHAUHAN	F		EWS
8	121724	GHANSHYAM SHUKLA	M		EWS
9	120061	BHAVNA PATIDAR	F		OBC
10	121975	KONICA BAGHERWAL	F		OBC
11	120109	SHUBHAM CHOUDHARY	M	प्रावधिक	OBC
12	120327	ANUBHUTI DOHARE	F		OBC
13	121138	ANKIT KHARE	M	प्रावधिक दृष्टिबाधित	UNR
14	121926	BALKRISHANA LOHAR	M		OBC
15	121453	SNEHA BANGER	F		OBC
16	120430	SACHIN SHARMA	M	दृष्टिबाधित	UNR
17	120096	PREMLATA BHATEWARA	F		OBC
18	120842	HARSHA BABHULKAR	F		OBC
19	120722	KHUSHBU CHAURASIA	F		OBC
20	120877	BINU KUMARI	F		OBC
21	120344	ANAND SONI	M		OBC
22	120872	PRAGYA SILAWAT	F		SC
23	120186	PRAGYA AMBORE	F		SC
24	121973	SIDDHI ARYA	F		SC
25	122162	RASHI RAI	F		SC
26	121329	SAVITA GOUR	F		SC
27	121271	ANU BALA	F		SC
28	120924	SWETA GAJBHIYE	F		SC
29	121925	RITESH ATODIA	M		SC
30	120520	HEMA BANKHEDE	F	अस्थिबाधित	OBC
31	121951	RAVISH KUMAR PARMAR	M	अस्थिबाधित	SC
32	120912	ANITA SINGH	F	श्रवणबाधित	UNR
33	120673	SANDEEP SINGH	M	श्रवणबाधित	EWS

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023, एस.एल.पी. क्रमांक 12398/2023 एव मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 20274/2024, डब्ल्यू.पी. 31245/2023, डब्ल्यू.पी. 8697/2023 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। साथ ही घोषित चयन परिणाम एवं नियुक्ति याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 28197/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन भी रहेगी।
6. कुल विज्ञापित पदों में से शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उल्लेखित मुख्य भाग-87 प्रतिशत हेतु विज्ञापित कुल 196 पदों में से अनुसूचित जनजाति वर्ग के 32 पद योग्य अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने के कारण यह पद रिक्त रखे गए हैं।
7. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम रोके जाकर मान. न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे गए हैं।

सचिव
म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

जी-13811/51048/2025

मध्यप्रदेश शासन
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग
मंत्रालय, भोपाल

क्रमांक: fcs/6/0001/2024/29-1 भोपाल, दिनांक : 03 जून 2025

मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग में सदस्य पद पर नियुक्ति

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 की धारा 16(2) के प्रावधान अनुसार आयोग के निम्नलिखित पदों पर नियुक्ति हेतु अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं-

पद का नाम एवं पद संख्या	पदों में आरक्षण	आवेदन प्रस्तुत करने का स्थान
सदस्य- मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग कुल पद- 05	अनारक्षित-3 अनुसूचित जाति-1 अनुसूचित जनजाति-1 (दो पदों की पूर्ति महिला आवेदकों से की जावेगी)	कार्यालय- आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय, प्रथम तल खण्ड 'घ', विन्ध्याचल भवन, भोपाल-462004

2. आयोग के सदस्यों के चयन हेतु आवश्यक अर्हताएं, नियुक्ति की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, अन्य शर्तों के संबंध में विवरण वेबसाइट **https://food.mp.gov.in/en** पर देखे जा सकते हैं। सदस्य के पदों पर नियुक्ति मध्यप्रदेश खाद्य सुरक्षा नियम, 2017 में विहित प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।
3. आवेदन निर्धारित प्रारूप, जो खाद्य विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, में पूर्ण कर समस्त आवश्यक दस्तावेज की स्व-प्रमाणित प्रतियों के सहित **दिनांक 25.06.2025 को सायं 5:00 बजे तक** उक्त सारणी के कॉलम 3 में दर्शित पते पर रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट/कोरियर अथवा विशेष वाहक द्वारा अथवा ई-मेल **dirfood@mp.nic.in** पर प्रस्तुत किए जा सकेंगे। वांछित अनुभव अनुसार ही आवेदन किये जावे।

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग

जी-13820/51049/2025

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश

A+ NAAC

पिनकोड - 462002, टेलीफोन नंबर 0755 - 2660717

ईमेल: hegmlbgpgcbho@mp.gov.in. वेबसाइट: https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=85

क्र. 1960/म.ल.ब/स्था./2025 भोपाल, दिनांक : 02.06.25

विज्ञप्ति

महाविद्यालय में सत्र 2025-26 हेतु Sports Items and Equipments क्रय हेतु निविदा mp-e-tender पोर्टल **www.mptenders.gov.in** के माध्यम से टेन्डर आई.टी.डी. 2025_HED_427730_1 द्वारा किया जाना है। पोर्टल पर निविदा की **आरंभ तिथि 30.05.2025 एवं अंतिम तिथि दिनांक 14.06.2025** है। इच्छुक प्रदायकर्ता फर्म.पी.ई. टेन्डर पोर्टल पर दर्शित नियम एवं शर्तों और क्रय सामग्री की सूची के अनुरूप में सम्मिलित हो सकते हैं। निविदा पत्र का मूल्य रु. 1000/- (वापिसी योग्य नहीं) है। क्रय प्रक्रिया वर्तमान में म.प्र भंडार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अनुसार की जावेगी। निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन **www.mptender.gov.in** एवं महाविद्यालय की वेबसाइट **https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=85** पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

नोट - For clarification please contact at college Email id - hegmlbgpgcbho@mp.gov.in

जी-13833/51050/2025 प्र. प्राचार्य

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर म.प्र.

दूरभाष : 0751-4008851, Email : apdpiugwalior@gmail.com

निविदा सूचना क्रमांक : 05/2025/सा./एपीडी/ग्वालियर दिनांक : 30.05.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. श्योपुर जिला श्योपुर में कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग संभाग श्योपुर हेतु वाहन किराये पर अनुबंधित कराने हेतु। (प्रथम आमंत्रण)

ऑनलाइन निविदा क्र.	जिला	ठेके की अनु. लागत लाख में	अमानत राशि रु.	निविदा फार्म का मूल्य रु.	कार्य पूर्ण करने के लिये समय
2025_PWPIU_427895_1	श्योपुर	10.00 लाख	20,000/-	2,000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. बरगंवा डी, हीरापुरा तहसील कराहल जिला श्योपुर में आंगनवाड़ी केन्द्र भवन निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

2025_PWPIU_427896_1	श्योपुर	53.00 लाख	53,000/-	10,000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. पहेला जिला श्योपुर में बालक एवं बालिका छात्रावास भवन निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2025_PWPIU_427900_1	श्योपुर	367.06 लाख	3,67,000/-	15,000/-	18 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. आलमपुर जिला भिण्ड में शासकीय डिग्री कॉलेज भवन में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2025_PWPIU 427802_1	भिण्ड	454.67 लाख	4,54,670/-	15,000/-	09 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग छतरपुर के अंतर्गत 50 लाख से कम की लागत की प्रशासकीय स्वीकृति के कार्य/ठेकेदार द्वारा छोड़े गये कार्य/परफॉर्मेंस गारंटी के कार्य (जोनल टेण्डर)। (प्रथम आमंत्रण)

2025_PWPIU_427746_1	छतरपुर	90.00 लाख	90,000/-	10,000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. ग्वालियर जिला ग्वालियर में कार्यपालन यंत्री (भवन) संभाग ग्वालियर एवं मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर वाहन किराये पर अनुबंधित कराने हेतु। (प्रथम आमंत्रण)

2025_PWPIU_427766_1	ग्वालियर	20.00 लाख	40,000/-	5,000/-	12 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. निवाड़ी जिला निवाड़ी टीमकगढ़ में शासकीय प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) भवन एवं 30-30 सीटर पुरुष व महिला छात्रावास भवन निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2025_PWPIU_427744_1	टीकमगढ़	716.54 लाख	7,16,540/-	20,000/-	18 माह

क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. निवाड़ी जिला निवाड़ी टीकमगढ़ में शासकीय 100 बिस्तरीय अस्पताल में उन्नयन कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

2025_PWPI_427745_1	टीकमगढ़	1889.17 लाख	10,00,000/-	30,000/-	24 माह

(1) निविदा से संबंधित डॉक्यूमेंट website **https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
(2) निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन पोर्टल पर ऑनलाइन किये जावेंगे, समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
(3) ऑनलाइन निविदा सम्मिट करने की **अंतिम दिनांक 14.06.2025**
(4) तकनीकी बिड खोलने का दिनांक 16.06.2025.

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग परिक्षेत्र ग्वालियर

जी-13871/51052/2025

GWALIOR MANSIK AROGYASHALA, GWALIOR (M.P.)

(An autonomous Institute under the Department of Medical Education, M.P.)
Jail Road, Gwalior-474012, Ph.No. - 0751-2481841
Website : www.gwaliormentalhospital.org

Admission notification for M. Phil course, session-2025-27 (Affilliated to Jiwaji University, Gwalior& Approved by RCI).

The Director Gwalior Mansik Arogyashala invites application prescribed Proforma for M. Phil in Clinical Psychology (two years hospital based full time) course for the session 2025-27 at Gwalior Mansik Arogyashala Gwalior (M.P.)

- **Number of seats:** 12 Seats. (Duration: 2 Years)
- **Essential Qualification for M.Phil in Clinical Psychology:-** Regular M.A./M.sc. in Psychology/Applied Psychology of a recognized university/ Indira Gandhi Open University (IGNOU) with minimum 55% marks for UR candidates and 50% marks for ST/SC candidates.
- Reservation applicable as per M.P. Government Rule.
- **Examination Fee:** Rs. 1000/- for UR and OBC, Rs 500/- for (ST/SC candidates of Madhya Pradesh)

Fee should be submitted ad non-refundable demand draft drawn in favour of the **"Director, Gwalior Mansik Arogyashala"** payable at Gwalior. It should be enclosed with application.

- Candidates must enclose self attested photocopies of marks sheet, degree certificates, cast certificate, NOC of working, two recent passport size photo etc. Application received without application fee or any other relevant documents will not be entertained. Attach checklist for the enclosures.
- The candidates must produces the original certificates, mark sheets, testimonials, caste certificates/residential/disability certificates, if applicable etc. and other relevant documents at the time of entrance examination.
- **Note:** Candidates appearing in their final year PG examination can apply, but they must submit the proof of having passes the final year PG examination at the time of counseling. Otherwise they will not be allowed to appear in counseling and their candidature will be cancelled.
- **Important Dates :**
- The last date of Submission of application is **21.06.2025** by, 6 pm at Director office, Gwalior Mansik Arogyashala, Jail Road, Gwalior, M.P., Pin: 474012
- Date of entrance Examination : 06.07.2025
- Time of reporting at centre : 9.00 am
- Date of Counselling : 07.07.2025
- Date of Joining : 14.07.2025

Download the Application form from Hospital website

Note: Canvassing in any form will be a disqualification. Number of seat of the courses subject are liable to change without assigning any reason before admission by the director.

- For any Clarification/inquiry kindly contact on :

Director
Gwalior Mansik Arogyashala, Gwalior

G-13851/51051/2025

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 3837/08/2025/चयन **इन्दौर, दिनांक: 03 जून 2025**

सहायक प्राध्यापक (चित्रकला) परीक्षा- 2022
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम-सहायक प्राध्यापक, चित्रकला

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 38/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद - **सहायक प्राध्यापक, चित्रकला** के कुल 06 पद (अनारक्षित-04, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-02, अ.पि.वर्ग-निरंक, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-01, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-निरंक ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) (कुल विज्ञापित पदों में से दृष्टिबाधित दिव्यांग के लिए 01 पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (चित्रकला) परीक्षा-2022 दिनांक 17.11.2024** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 07.01.2025 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 16.04.2025** को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/38/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 38/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या निरंक होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या निरंक होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (चित्रकला)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	4	0	2	0	0	6
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	1	0	0	
कुल पदों में से दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद						1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat		श्रेणी
1	410043	POOJA KUMAWAT	F	UNRF		UNR
2	410061	ASMITA SINGHAI	F	UNR		UNR
3	410328	JYOTI VERMA	F	UNR		UNR
4	410153	ANJALI ARAKH	F	STF		ST
5	410172	ASHISH BATOSHIYA	M	UNRHB	दृष्टिबाधित	UNR
6	410202	SHIVENDRA TUMRAM	M	ST		ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	410107	VINNY WADHWA	F	UNR
2	410142	VIKASH KUMAR	M	UNR
3	410189	SHALU SONI	F	UNR

टीप :

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 32051/2024 याचिका के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

सचिव
म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

जी-13898/51053/2025

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 3753/16/2025/चयन इन्दौर, दिनांक : 2 जून 2025

सहायक प्राध्यापक (भूगोल) परीक्षा - 2022
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम-सहायक प्राध्यापक, भूगोल

आयोग के विज्ञापन क्रमांक 26/2022 दिनांक 30.12.2022 एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद- **सहायक प्राध्यापक, भूगोल** के कुल 23 पद (अनारक्षित-14, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-निरंक, अ.पि.वर्ग-06 ई.डब्ल्यू.एस.-02) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-05, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-निरंक, अ.पि.वर्ग-02 ई.डब्ल्यू.एस.-01) विज्ञापित किए गए है। उक्त पदों की पूर्ति के लिए **सहायक प्राध्यापक (भूगोल) परीक्षा-2022 दिनांक 04.08.2024 को** आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 14.11.2024 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 02.04.2025 एवं 03.04.2025** को आयोजित किए गए है।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/26/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 26/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या निरंक होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या निरंक होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (भूगोल)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	14	1	0	6	2	23
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	5	0	0	2	1	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	231473	SHIVAM DUBEY	M	UNR	EWS
2	230973	SUNIL KUMAR DHAKAD	M	UNR	OBC
3	230359	LAKHAN JAIN	M	UNR	UNR
4.	230341	RAKESH NAGAR	M	UNR	OBC
5	231346	PRIYANSHI RAJORIYA	F	UNRF	UNR
6	232011	VARSHA	F	UNR	UNR
7	230560	PARUL SAXENA	F	UNRF	UNR
8	232447	POORNENDRA PRAKASH SHUKLA	M	UNR	UNR
9	230955	PRATEEK DUBEY	M	UNR	UNR
10	230361	RAJENDRA SHARMA	M	UNR	OBC
11	230305	HEERALAL PATEL	M	UNR	OBC
12	230449	MUSKAN JAIN	F	UNRF	EWS
13	232709	LALIT TAMRAKAR	M	OBC	OBC
14	231101	PALLAVI CHOUHAN	F	UNRF	OBC
15	230961	SEVANTI MEENA	F	UNRF	OBC
16	230372	NARAYAN	M	OBC	OBC
17	231234	DHIRENDRA KUMAR DUBEY	M	EWS	EWS
18	230256	TEJPRAKASH KUSHWAHA	M	OBC	OBC
19	231839	ROHIT KUSHWAHA	M	OBC	OBC
20	230081	ANKITA GOSWAMI	F	EWSF	EWS
21	231868	CHHATRAPAL SINGH JATAV	M	SC	SC
22	231252	RUCHI DHAKAD	F	OBCF	OBC
23	230158	SHAIVI CHAURASIYA	F	OBCF	OBC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	233204	PRANAY MISHRA	M	UNR
2	231312	AMAR MISHRA	M	UNR
3	231849	VIDYA PANDEY	F	UNR
4	230350	SITA RAJPUT	F	EWS
5	230544	ITENDRA DIXIT	M	EWS
6	231401	ADITYA VERMA	M	OBC
7	232093	SHUBHAM PATEL	M	OBC
8	230774	ADITYA DHIMAN	M	SC
9	230739	NIKITA SHARMA	F	EWS
10	230102	NISHA PATIDAR	F	OBC
11	230017	DEEPANJALI YADAV	F	OBC

टीप :

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरूष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. घोषित चयन परिणाम मान उच्चतम न्यायालय में दायर एस.एल.पी. क्रमांक 8764/2023, एस.एल.पी. क्रमांक 12390/2023 याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

सचिव
म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

जी-13909/51054/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग भ/प संभाग राजगढ़

निविदा सूचना क्रमांक : 07/निविदा/2025-26 राजगढ़, दिनांक : 02.06.2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :-

स. क्र.	टेण्डर नं.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने हेतु समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	2025_PWDRB_427915_1	राजगढ़	निर्माण कार्य	निर्माण कार्य पुनरखेड़ी से नापलियाखेड़ी मार्ग लम्बाई 4.50 कि.मी.	प्रथम	471.34	471340/-	8 माह वर्षाकाल सहित
2.	2025_PWDRB_427911_1	राजगढ़	निर्माण कार्य	निर्माण कार्य गोपालपुरा से बडलावदा चौतरा मार्ग लम्बाई 3. 50 कि.मी.	प्रथम	323.56	323560/-	6 माह वर्षाकाल सहित
3.	2025_PWDRB_427909_1	राजगढ़	निर्माण कार्य	निर्माण कार्य ब्यावरा बायपास मार्ग से अहिंसाद्वार मार्ग व्हाया सिविल अस्पताल ब्यावरा व्हाया एस.डी.एम. ऑफिस मार्ग लम्बाई 1.89 कि.मी.	प्रथम	305.26	305260/-	6 माह वर्षाकाल सहित
4.	2025_PWDRB_427907_1	राजगढ़	निर्माण कार्य	निर्माण कार्य तीजबड़ली से बडोदिया मार्ग लम्बाई 3.40 कि.मी.	प्रथम	329.46	329460/-	6 माह वर्षाकाल सहित
5.	2025_PWDRB_427906_1	राजगढ़	बी.टी. रिनीवल	बी.टी. रिनीवल कार्य बोड़ा उमरी सेंदरी मार्ग लम्बाई 5.80 कि.मी.	प्रथम	149.96	149960/-	3 माह वर्षाकाल रहित
6.	2025_PWDRB_427905_1	राजगढ़	जल अवरोधीकरण कार्य	जल अवरोधीकरण कार्य सर्किट हाउस, रेस्ट हाउस, उपसंभाग राजगढ़ एवं संभाग भवन राजगढ़	प्रथम	5.00	10000/-	4 माह वर्षाकाल सहित
7.	2025_PWDRB_427904_1	राजगढ़	वार्षिक मरम्मत	वार्षिक मरम्मत कार्य शासकीय गैर आवासीय भवन उपसंभाग नरसिंहगढ़	प्रथम	10.00	20000/-	6 माह वर्षाकाल सहित
8.	2025_PWDRB_427903_1	राजगढ़	वार्षिक मरम्मत	वार्षिक मरम्मत कार्य शासकीय आवासीय भवन उपसंभाग नरसिंहगढ़	प्रथम	10.00	20000/-	6 माह वर्षाकाल सहित
9.	2025_PWDRB_427901_1	राजगढ़	वार्षिक मरम्मत	वार्षिक मरम्मत कार्य शासकीय गैर आवासीय भवन उपसंभाग सारंगपुर	द्वितीय	3.00	6000/-	4 माह वर्षाकाल सहित
					योग	1607.58		

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 20.06.2025 सायं 17:30** बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
अमानत राशि एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन स्वीकार किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग भ/प संभाग राजगढ़

जी-13962/51081/2025

बुंदेलखण्ड रियासत

प्राचीनकाल में बुंदेलखण्ड क्षेत्र की जानकारी चेदि जनपद से प्राप्त होती है। विदिशा का कुछ क्षेत्र भी वर्तमान बुंदेलखण्ड क्षेत्र के अंतर्गत आता था।

सर्वप्रथम इन क्षेत्रों पर मौर्यों का शासन था, तत्पश्चात् शुंगों के पश्चात गुप्तों द्वारा इस क्षेत्र पर शासन किया गया।

इस क्षेत्र पर कल्चुरी तथा गुर्जर प्रतिहार वंश के शासकों का शासन था। प्रतिहार वंश के पश्चात इस क्षेत्र पर चंदेल वंश का आधिपत्य हुआ जो प्रारंभ में प्रतिहारों के सामंत थे। जिन्होंने सम्पूर्ण बुंदेलखण्ड क्षेत्र पर आधिपत्य स्थापित कर लिया। अतः बुंदेलखण्ड राज्य का वास्तविक इतिहास चंदेल राज्य से ही प्रारंभ होता है।

चंदेल राजवंश

जेजाकभुक्ति का चंदेल राजवंश आरंभ में प्रतिहारों के सामंत था। मध्यप्रदेश के राजपूत राजवंशों में चंदेल वंश प्रशासनिक क्षेत्र व स्थापत्य की दृष्टि से प्रमुख है। लोक मान्यताओं के अनुसार इनका मूल निवास स्थान छतरपुर जिले में मनियागढ़ था। कालिंजर, अजयगढ़, मनियागढ़, मारफा, बारीगढ़ आदि गढ़ थे परंतु इस राजवंश की प्राचीन राजधानी खजुराहो थी।

चंदेल राजवंश का इतिहास

गुर्जर प्रतिहार राजवंश के पतन के पश्चात पश्चिम तथा मध्य भारत में कई, नये राजवंशों का उदय हुआ, इनमें बुंदेलखण्ड का चंदेल राजवंश सबसे महत्वपूर्ण था। चंदेलों के उत्कीर्ण लेख तथा परंपरा इस विषय में एकमत हैं कि इस वंश का संबंध पौराणिक चन्द्रवंश से है। वे स्वयं को चंद्रदेवता व काशी के गहरवार नरेश के राजपुरोहित की पुत्री हेमवती की संतान थी।

831 ई. के लगभग नन्नुक को चंदेल राजवंश का पितृपुरुष माना जाता है। खजुराहो के लक्ष्मण मंदिर अभिलेख से उसके नृप तथा नृपति, महिपति आदि उपाधियों को धारण करने से ज्ञात होता है कि उसने एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की थी।

चंदेल राजवंश के प्रमुख शासक

- नन्नुक (831 से 848 ई.)
- वाक्पति (848 से 865 ई.)
- हर्ष (916 से 925 ई.)
- यशोवर्मन (925 से 950 ई.)
- धंग (950 से 1002 ई.)
- विद्याधर (1003 से 1029 ई.)
- विजयपाल (1030 से 1050 ई.)
- कीर्तिवर्मन (1060 से 1100 ई.)
- जयवर्मन (1110 से 1120 ई.)
- परमार्दिदेव (1165 से 1203 ई.)

नन्नुक

ऐतिहासिक दृष्टि से नन्नुक चंदेल वंश का संस्थापक था जिसने 9वीं शताब्दी के आरंभ में कन्नौज के प्रतिहार शासकों के सामंत के रूप में समीपस्थ क्षेत्रों पर राज किया।

वाक्पति

नन्नुक के पश्चात् उसका पुत्र वाक्पति चंदेल वंश का अगला शासक बना।

- इन्होंने अपना साम्राज्य विंध्याचल पर्वत तक फैला लिया था।
- मऊप्रस्तर अभिलेख में वाक्पति के बारे में जानकारी मिलती है।
- इन्होंने अपने शासनकाल में अवंती पर आक्रमण किया तथा उसे विजित करने का प्रयास किया।
- वाक्पति के पश्चात् उनके पुत्र क्रमशः जयशक्ति तथा विजयशक्ति ने शासन किया।

हर्ष

चंदेल अभिलेखों में हर्ष को चंदेल वंश का महत्वपूर्ण शासक बताया गया है। तथा वह भगवान विष्णु का महान उपासक था।

चंदेल वंश की शक्ति तथा प्रतिष्ठा की वृद्धि में हर्ष ने कूटनीति के अतिरिक्त अन्य राजवंशों से वैवाहिक संबंधों की नीति अपनाई। हर्ष के खजुराहो अभिलेखों में उसे अनेक शत्रुओं को पराजित करने वाला बताया गया है।

ननौरा ताम्रपत्र लेख में हर्ष अपने आश्रितों के लिये कल्पवृक्ष, सज्जनों के लिये आनंददायक, मित्रों के लिये अमृत, शत्रु समूहों के लिये धूमकेतु की तरह अनिष्टकारक और युद्ध रूपी समुद्र को पार करने के लिये सेतु के समान था।

- खजुराहो में मतंगेश्वर मंदिर का निर्माण हर्ष ने करवाया।
- हर्ष ने उत्तर भारत की समकालीन राजनीति में भाग लेकर अपने वंश की प्रतिष्ठा में एक नये युग का प्रारंभ किया।

यशोवर्मन

हर्ष की मृत्यु के पश्चात् इसका पुत्र यशोवर्मन गद्दी पर बैठा। यशोवर्मन हर्ष तथा रानी कंचुकादेवी का पुत्र था।

- यशोवर्मन ने परमार राजा सिराक द्वितीय, कल्चुरी नरेश युवराज देव प्रथम को हराया।
- यशोवर्मन ने चतुर्भुज मंदिर का निर्माण और लक्ष्मण मंदिर की नींव खजुराहो में रखी।
- लक्ष्मण अभिलेख में यशोवर्मन को गौड़ रूपी क्रीड़ालता के लिये तलवार बताया गया है।
- यशोवर्मन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विजय कालिंजर की थी।
- यशोवर्मन ने खजुराहो में एक विशाल जलाशय का भी निर्माण कराया।
- यशोवर्मन ने अपना प्रभाव हिमालय से लेकर मालवा तक तथा कश्मीर से लेकर बंगाल में फैलाया।
- कश्मीर में हिमालयी क्षेत्र में यशोवर्मन ने खस जाति के सरदारों को पराजित किया।
- यशोवर्मन ने अपने समकालीन चेदि नरेश लक्ष्मणराज को पराजित किया तथा कुरु कौशल व गुर्जर प्रतिहारों के विरुद्ध सैन्य अभियान किया।

धंग

चंदेल राजवंश का अगला शासक राजा धंग था जो यशोवर्मन तथा रानी पुष्पादेवी का पुत्र था। सर्वप्रथम धंग ने साम्राज्य का विस्तार करते हुय ग्वालियर दुर्ग पर आक्रमण किया तथा वहाँ के कच्छवाह शासक से ग्वालियर दुर्ग को विजित किया।

- धंग शिव का परम उपासक था उसने यशोवर्मन द्वारा प्रारंभ किये गये लक्ष्मण मंदिर का निर्माण पूर्ण करवाया।
- चंदेलों की वास्तविक स्वाधीनता का जनक धंग को ही माना जाता है।
- ननौरा ताम्रपत्र में धंग द्वारा प्रयाग व काशी पर आक्रमण कर उसे विजित किया उसका उल्लेख प्राप्त होता है।
- धंग चंदेल राजवंश का प्रतापी शासक था जिसने अपने पिता से प्राप्त सुदृढ़ राज्यों की सीमाओं का विस्तार पूर्वी राज्यों तक किया।
- धंग के अभिलेखों में वासुदेव, शिव सरस्वती, गणेश आदि देवी-देवताओं का स्मरण किया गया।
- खजुराहो में जिन्नानाथ मंदिर (पार्श्वनाथ मंदिर) का निर्माण कराया।
- ननौरा ताम्रपत्र में राजा धंग को स्त्रियों का सम्मान करने वाला तथा कला व संस्कृति का संरक्षक बताया गया है।
- खजुराहो के विश्वनाथ मंदिर अभिलेख से उसे कौशल, कृथ, सिंहल और कुंतल राज्य का विजेता बताया गया है।
- खजुराहो शिलालेख के अनुसार - उसने कालिंजर तक एवं मालवा तक, कालिन्दी नदी के तटों तक, चेदि राज्य की सीमाओं तक और गोप पर्वत तक का प्रदेश सरलता से जीत लिया था।
- राजा धंग ने 100 वर्ष से अधिक आयु का भोग कर स्वेच्छा से गंगा-यमुना के संगम (प्रयाग) में समाधि लेकर प्राण त्याग दिये थे।

विद्याधर

विद्याधर चंदेल राजवंश का सबसे प्रतापी शासक था। वह शक्तिशाली, युद्धप्रिय व महत्वाकांक्षी था।

देववर्मन के ननौरा तथा चरखारी ताम्रपत्रों में विद्याधर को 'परमभट्टारक महाराजाधिराज परमेश्वर' की उपाधियों से विभूषित किया है।

- विद्याधर का शासनकाल चंदेल सत्ता कि चरमोत्कर्ष का काल था।
- विद्याधर के शासनकाल में खजुराहो में कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण करवाया गया।
- विद्याधर के समय ही महमूद गजनवी ने 2 बार कालिंजर पर आक्रमण किये।
- ननौरा अभिलेख में विद्याधर को महाराजाधिराज की उपाधि से सम्मानित किया गया।
- कालिंजर के प्रथम आक्रमण 1019 ई. में गजनवी तथा विद्याधर अप्रत्यक्ष रूप से लड़े तथा महमूद गजनवी बिना किसी परिणाम के ही वापस चला गया।
- कालिंजर के द्वितीय आक्रमण 1022 में गजनवी ने ग्वालियर के किले पर घेरा डाला परन्तु दुर्ग विजित न कर पाने के कारण विद्याधर तथा गजनवी में संधि हो गई। जिसका वर्णन जयवर्मन के अभिलेख में मिलता है।
- विद्याधर भारतवर्ष का एकमात्र शासक था जिसने, महमूद गजनवी का सामना किया।
- विद्याधर समुद्रगुप्त की तरह कविताओं की रचना करता था, इसने लुगात-ए-हिन्दवी कविता की रचना की थी।
- इतिहासकारों ने कहा - विद्याधर जिस प्रकार तलवार का धनी था वैसा ही कलम का। यद्यपि उसकी लिखी 'लुगात-ए-हिन्दवी' कविता हिन्दी अपभ्रंश की प्राचीनतम कविता रही।

विजयपाल

विद्याधर की मृत्यु के पश्चात् उसका उत्तराधिकारी विजयपाल 1030 ई. में शासक बना।

- कुशासन व कल्चुरियों के बढ़ते दबाव के कारण चंदेलों का विस्तारवादी युग समाप्त हो गया और वह अपनी सीमाओं को न बढ़ा सका।
- मऊप्रस्तर अभिलेख में विजयपाल को 'कलयुग' को समाप्त करने वाला बताया गया है।
- विजयपाल का प्रशासनिक अधिकारी व मुख्यमंत्री महिपाल था।
- देववर्मन के ननौरा और चरखारी ताम्रपत्रों में विजयपाल को श्रीकालंजराधिपति की उपाधियों से विभूषित बताया गया है।

कीर्तिवर्मन

विजयपाल का कनिष्ठ पुत्र कीर्तिवर्मन चंदेल वंश का अगला शासक बना। उसने चंदेल कल्चुरि संघर्ष को नया नवजीवन दिया तथा डाहल नरेश लक्ष्मीकरण को पराजित कर अपने खोये हुये क्षेत्र को पुनः प्राप्त किया।

- महोबा की कीरतसागर/कीर्तिसागर झील का निर्माण कराया जो कि चंद्रवाल और उसकी सहायक नदी-चंदनोर को रोककर बनाया गया था।
- अजयगढ़ में शिव मंदिर का निर्माण कराया गया।
- बेतवा नदी के तट पर कीर्तिगिरि दुर्ग का निर्माण किया जो वर्तमान में देवगढ़, ललितपुर में अवस्थित है।
- प्रबोधचन्द्रोदय का लेखक कृष्णमित्र, कीर्तिवर्मन का दरबारी नाटककार था।
- कीर्तिवर्मन का शासनकाल चंदेल सत्ता के पुनर्स्थापना और मुद्रा जगत के विकास का परिचायक है।
- टीकमगढ़ के जैन मंदिरों का निर्माण 1066 ई. में कीर्तिवर्मन द्वारा कराया गया।

परमार्दिदेव

परमार्दिदेव चंदेल वंश का अंतिम महान शासक था। जिसके समय में मोहम्मद गौरी ने भारत पर आक्रमण किया।

- परमार्दिदेव को परमल या परमाल या तत्पादानुध्यात कहा गया है।
- प्रसिद्ध कवि जगनिक इनके दरबार में रहते थे। जिन्होंने परमाल रासो की रचना की।
- आल्हा व ऊदल परमार्दिदेव के मुख्य सेनापति थे, जिनके सम्मान में जगनिक ने वीर रस से ओत-प्रोत आल्हा खंड की रचना की।

चंदेलकालीन स्थापत्य व कला

- चंदेल खजुराहो नगर के निर्माता हैं। उनके बनवाये हुये विश्वप्रसिद्ध खजुराहो के मंदिर भारतीय कला के सर्वोत्तम नमूने हैं जिनकी विशेषता नागर शैली है।
- चौसठ योगिनी मंदिर खजुराहो का सबसे प्राचीन मंदिर है।
- खजुराहो के मंदिर में सबसे बड़ा मंदिर कंदरिया महादेव मंदिर है जिसका निर्माण चंदेल शासक विद्याधर ने करवाया था।
- ककरामठ मंदिर का निर्माण राजा मदनवर्मन चंदेल द्वारा करवाया गया यह मंदिर नाथ विचारधारा व हिन्दू धर्म का महत्वपूर्ण केन्द्र स्थल है।
- चंदेल शासक यशोवर्मन ने चतुर्भुज मंदिर का निर्माण कराया और लक्ष्मण मंदिर की नींव खजुराहो में रखी।
- खजुराहो में जिन्नानाथ मंदिर का निर्माण राजा धंग द्वारा किया गया।
- महोबा का मदन सागर, खखरा मठ व विष्णु मंदिर चंदेल शासक मदनवर्मन द्वारा किया गया।

खजुराहो के मंदिरों के शिल्पगत सौंदर्य के कारण यूनेस्को ने वर्ष 1986 को इन मंदिरों को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

- श्रद्धा समुन
(लेखिका सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

दिव्यांगजन अपनी क्षमता और सकारात्मकता के आधार पर समाज में बनाते हैं अपना स्थान

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान के सभागार में दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र तथा अन्य हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन अपनी क्षमता, योग्यता, संघर्षशीलता और सकारात्मकता के आधार पर समाज में अपना स्थान बनाते हैं। यह आत्मविश्वास ही उन्हें विशेष पहचान देता है। मध्यप्रदेश सरकार उन्हें हर स्तर पर प्रोत्साहित करने और सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परमात्मा हमारे शरीर में भले ही कोई एक गुण कम करता है, लेकिन बदले में कई गुण बढ़ाकर भी देता है। दिव्यांगजन समाज के महत्वपूर्ण अंग हैं। उनकी अपने-अपने क्षेत्र में योग्यताएं हैं। राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए शासकीय नौकरियों (सीधी भर्ती) में अतिरिक्त 2 प्रतिशत आरक्षण दिया है। सरकार की भावना सर्वे भवन्तु सुखिन: रही है। दिव्यांगजन के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उनकी परेशानियां दूर करने के लिए सरकार सदैव तत्पर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिव्यांग शब्द प्रदान करने से समाज का दृष्टिकोण सकारात्मक रूप से बदला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ईश्वर ने पृथ्वी पर हमारे जन्म की रचना की है। परमात्मा ने जरूरतमंदों के लिए कुछ बेहतर पुण्य कर्म करने का अवसर भी दिया है। मुख्यमंत्री ने महाकवि सूरदास, अष्टावक्र, सकुरात, स्वामी रामभद्राचार्य, सुप्रसिद्ध संगीतकार श्री रविंद्र जैन का उदाहरण देते हुए कहा कि शारीरिक सौंदर्य और शारीरिक पूर्णता से नहीं अपितु विशेषज्ञतापूर्ण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देकर इन महान व्यक्तित्वों ने समाज में योगदान दिया और इतिहास में स्थान बनाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण, पुरात्व और जल संसाधन विभागों के दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने हितग्राहियों को स्मार्टफोन एवं मोटराइज्ड साइकिल का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 की ब्रेल लिपि में विकसित पुस्तिका का विमोचन किया। दिव्यांग विद्यार्थियों ने इस अवसर पर स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

प्रदेश में 2600 पदों पर की गई दिव्यांगजन की भर्ती

सामाजिक न्याय एवं समाज कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की संस्कृति को संजोए रखने के लिए संकल्पित हैं। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, किसान (अन्नदाता), युवा और नारी कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। दिव्यांगजन के लिए भी अनेक कल्याणकारी कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन उनकी संवेदनशीलता परिलक्षित होती है। दिव्यांगजनों को शिक्षण-प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन, छात्रवृत्ति आदि का लाभ भी दिया जा रहा है। देशभर में दिव्यांगजन के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें नौकरियों में 6 प्रतिशत आरक्षण दिया है। प्रदेश में 2600 पदों पर दिव्यांगजनों की भर्ती की गई है।

सुशासन का पर्याय सूचना का अधिकार अधिनियम

सुशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही में मील का पत्थर साबित हुआ अधिनियम

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि शासन एवं प्रशासन जनता के प्रति उत्तरदायी होकर पारदर्शी और जवाबदेही हो। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2005 में भारत सरकार ने सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम लागू किया था। सूचना का अधिकार लोकतंत्र में पारदर्शिता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अधिनियम में लोकतंत्र को शक्तिशाली बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और इस अधिनियम से नागरिकों को किसी भी संगठन की, विभाग की सक्षम जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान हो रहा है। वर्ष 2025 में आरटीआई अधिनियम को लागू हुए 20 साल पूरे हो गये। RTI अधिनियम लागू होने के बाद से अब तक करोड़ों की संख्या में आवेदन किए जा चुके हैं।

देश में अधिनियम आने के साथ ही एक नए युग की शुरुआत हुई। इस अधिनियम से सरोकार रखने वालों ने इस व्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे आमजन के अधिकार के कार्य में पारदर्शिता एवं जवाबदेही की संस्कृति की स्थापना करने में सहयोगी साबित हुए हैं। संविधान ने अप्रत्यक्ष रूप से सूचना के अधिकार की गारंटी दी हुई है। सूचना प्राप्त करने के लिए एक व्यवहारिक पद्धति बनाने के उद्देश्य से आरटीआई के माध्यम से सरकार से आधिकारिक रूप से सूचना प्राप्त करने का एक शक्तिशाली साधन नागरिकों को दिया है। यह कानून बहुत व्यापक है और शासन के लगभग सभी मामलों को अपने में समाहित किए हुए है। इसकी पहुंच सरकार के सभी स्तरों केंद्र, राज्य और स्थानीय शासन तक है। यह सरकारी अनुदान पाने वाले संस्थानों पर भी लागू होता है। लोकतांत्रिक शासन में सरकार और सरकारी मशीनरी जनता के प्रति जवाबदेह हो तथा सरकारी मशीनरी के क्रियाकलापों में पारदर्शिता हो। इस अधिनियम के माध्यम से ऐसी व्यवस्था की गई है, जिसके अंतर्गत कोई भी नागरिक लोक सेवकों के कार्यकलापों के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त कर सके।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 15 जून, 2005 को संसद द्वारा पारित किया गया था। यह अधिनियम 12 अक्टूबर, 2005 को पूरे भारत में (जम्मू-कश्मीर को छोड़कर) लागू हुआ। लेकिन 31 अक्टूबर, 2019 को जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में भी यह लागू हो गया। यह अधिनियम नागरिकों को सरकारी जानकारी तक पहुंचने का अधिकार देता है।

सूचना का अधिकार क्या है?

सूचना के अधिकार में उस जानकारी तक पहुंच शामिल है जो किसी सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा रखी गई है या उसके नियंत्रण में है और इसमें कार्य, दस्तावेज, रिकॉर्ड का निरीक्षण करने, नोट्स लेने, दस्तावेजों एवं अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियां और प्रमाणित नमूने लेने का अधिकार शामिल है। सूचना का अधिकार न केवल एक मानव अधिकार है, बल्कि एक आवश्यक उपकरण है जो आपको सरकारों से जवाबदेही की मांग करने, सार्वजनिक जीवन में भाग लेने और ज्ञान के माध्यम से भ्रष्टाचार से लड़ने का अधिकार देता है।

सूचना के अधिकार का महत्व

- आरटीआई सरकारी संस्थाओं और सरकार को आम आदमी के प्रति जवाबदेह बनाता है।
- आरटीआई के माध्यम से व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार को सुनिश्चित किया जा सकता है।
- सरकार के कामकाज, नीतियों, योजनाओं आदि की जानकारी के माध्यम से सूचना की पारदर्शिता बढ़ती है।
- आरटीआई सरकार और आम आदमी के बीच की खाई को पाटने का काम करता है।
- नागरिकों द्वारा दिये गये टैक्स का इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं, इसका भी पता लगाया जा सकता है।

RTI अधिनियम के उद्देश्य

- नागरिकों को सशक्त बनाना और सरकार के कामकाज में पारदर्शिता लाना।
- उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार को रोकना और लोगों के लिए वास्तविक रूप से काम करना।
- प्रशासन की लोगों के प्रति जवाबदेही तय करना और नागरिकों को सशक्त बनाना
- लोकतंत्र की प्रक्रिया में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना।

क्यों महत्वपूर्ण है सूचना का अधिकार?

सूचना तक पहुंच का अधिकार समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को सार्वजनिक नीतियों और कार्यों के बारे में जानकारी मांगने और प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है, जिससे उनका कल्याण संभव हो सके। यह अधिनियम सरकार के सभी कदमों को आम जनता के समक्ष जांच के दायरे में लाता है। इससे सरकार और सरकारी विभाग और अधिक जवाबदेह बनते हैं एवं उनके कार्यों में पारदर्शिता आती है। यह सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा अनावश्यक गोपनीयता को हटाकर निर्णय में सुधार करता है।

आरटीआई के ऑनलाइन आवेदनों में ओटीपी प्रणाली

16 जून, 2025 से सूचना का अधिकार (आरटीआई) के सभी ऑनलाइन आवेदनों में ई-मेल वेरिफिकेशन के लिए ओटीपी प्रणाली लागू की जाएगी। यह निर्णय आरटीआई पोर्टल की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लिया गया है। केंद्र सरकार ने आरटीआई आवेदन प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए नया कदम उठाया है। यह निर्णय आरटीआई पोर्टल की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया है। आरटीआई आवेदनकर्ता अब जब www.rtionline.gov.in पोर्टल के माध्यम से कोई आवेदन दाखिल करेंगे, तो उन्हें अपने ई-मेल आईडी पर भेजे गए ओटीपी से सत्यापन करना होगा। इसके बिना आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं मानी जाएगी। यह प्रक्रिया डेटा प्राइवेसी और सुरक्षा को बेहतर बनाएगी। इस नई व्यवस्था से नागरिकों की निजी जानकारी अधिक सुरक्षित रहेगी और पोर्टल पर किसी भी प्रकार की साइबर सुरक्षा चूक को रोका जा सकेगा। आरटीआई पोर्टल का उपयोग न केवल आवेदन दाखिल करने के लिए किया जाता है, बल्कि याचिकाओं की स्थिति जानने और अपील दाखिल करने के लिए भी किया जाता है।

कुछ प्रावधानिक नियम

- आरटीआई का जवाब 30 दिनों में न आने पर सबसे पहले प्रथम अपील दाखिल कर सकते हैं। इसके लिए 50 रुपये का शुल्क देना होगा। अगर प्रथम अपील के बाद भी जवाब नहीं मिलता है, तो राज्य सूचना आयोग या केंद्रीय सूचना आयोग में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।
- उस लोक सूचना अधिकारी के विरुद्ध केन्द्रीय सूचना आयोग या राज्य सूचना आयोग द्वारा जुर्माना लगाने तथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश करने का प्रावधान है, जिसने जानबूझकर गलत, अपूर्ण या भ्रामक जानकारी दी हो।
- आरटीआई के जरिए जानकारी प्राप्त करने के लिए संबंधित विभाग के पीआईओ (सार्वजनिक सूचना अधिकारी) को संबोधित करें। विशिष्ट प्रश्न पूछें। सुनिश्चित करें कि वे स्पष्ट और पूर्ण हों और किसी भी तरह से भ्रमित करने वाले न हों। अपना पूरा नाम, संपर्क विवरण और पता लिखें, जहां आप चाहते हैं कि आपकी आरटीआई की जानकारी एवं प्रतिक्रिया भेजी जाए।

मध्यप्रदेश में अधिनियम का क्रियान्वयन

मध्यप्रदेश सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना प्राप्त करने के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित की है। राज्य सरकार ने एक सूचना आयोग भी स्थापित किया है, जो इस अधिनियम के तहत होने वाली अपील और शिकायतों की जांच करता है। प्रदेश के सभी विभागों और कार्यालयों में लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिनसे सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं। प्रदेश में आरटीआई के क्रियान्वयन में प्रारंभ से ही गंभीरता से लिया गया है। सरकार का स्पष्ट मत रहा है कि लोगों के कल्याण और सेवा में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जायेगी। यही कारण है कि प्रत्येक शासकीय विभाग में इसकी जवाबदारी सुनिश्चित की गई है। अधिनियम के तहत प्रदेश का कोई भी नागरिक किसी भी सरकारी विभाग से सूचना प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकता है। प्रदेश सरकार ने इस अधिनियम के तहत दिशा-निर्देश और नियम बनाए हैं, ताकि इसका क्रियान्वयन सुचारु रूप से हो सके।

और अंत में....

भारत में सूचना का अधिकार अधिनियम लागू होना भारतीय संसदीय लोकतंत्र के विकास में एक मील का पत्थर माना जाता है, जिसने सार्वजनिक अधिकारियों को जवाबदेह और जिम्मेदार बनाकर जमीनी स्तर पर पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करने का प्रयास किया। इस अधिनियम ने परेशान आम लोगों को मुक्ति दिलाई, जिनके पास अब सूचना प्राप्त करने का एक बहुत ही शक्तिशाली हथियार था, जो अब तक आधिकारिक गोपनीयता और गोपनीयता की आड़ में नौकरशाहों की धूल भरी फाइलों में दबा हुआ था। यह अधिनियम जितना अधिक प्रभावी होगा उतना ही अधिक लोकतंत्र सुदृढ़ होगा। आरटीआई आम नागरिकों के समग्र कल्याण की प्राप्ति के लिए एक बड़ी छलांग है। सूचना का अधिकार और सुशासन को एक सिक्के के दो पहलू माना जा सकता है क्योंकि आरटीआई राज्य के शासन में आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करता है, जो लंबे समय में शासन की गुणवत्ता को बढ़ाकर सुशासन लाता है। पारदर्शिता, जवाबदेही और भागीदारी को मजबूती मिलती है। यह आवश्यक है कि सरकार तथा नागरिक संस्थानों को मिलकर RTI अधिनियम को और अधिक मजबूत करने का प्रयास करना चाहिये, जिससे प्रशासन में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के साथ लोगों की भागीदारी भी बढ़ेगी। यह अधिनियम भविष्य में भी सुशासन और जन भागीदारी सुनिश्चित करने में अहम योगदान देगा।

- नवीन शर्मा

(लेखक, स्तम्भकार हैं)

राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के समय तात्या टोपे की मदद की

भोपाल, विरासत से विकास और अपने जनजातीय नायकों को सम्मान देने के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्य शासन के सूत्र वाक्य के तहत पचमढ़ी में होने वाली बैठक में राजा भभूत सिंह के शौर्य तथा पराक्रम को याद किया जाएगा।

पचमढ़ी के राजा भभूत सिंह ने जल, जंगल, जमीन एवं अपने क्षेत्र को बाहरी आक्रांताओं तथा अंग्रेजों से बचाए रखने के लिए समाज को एकजुट कर अंग्रेजी शासन का मुकाबला किया।

राजा भभूत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के समय महान स्वतंत्रता सेनानी तात्या टोपे की मदद भी की। वे तात्या टोपे के आह्वान पर देश की आजादी की मशाल लेकर सतपुड़ा की सुरम्य वादियों में निकल पड़े। उन्होंने सतपुड़ा की वादियों में आजादी की मशाल जलाई। राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों की आँख में धूल झोंकते हुए अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में तात्या टोपे के साथ ऋषि शांडिल्य की पौराणिक तपोभूमि साँडिया के पास नर्मदा नदी पार की। राजा भभूत सिंह और तात्या टोपे ने नर्मदांचल में आजादी के आंदोलन की योजना बनाई। पचमढ़ी में सतपुड़ा की गोद में तात्या टोपे ने अपनी फौज के साथ राजा भभूत सिंह से मिलकर 8 दिनों तक पड़ाव डाला और आगे की तैयारी करते रहे। हर्राकोट के जागीरदार राजा भभूत सिंह का जनजातीय समाज पर बहुत अधिक प्रभाव था। उन्होंने जनजातीय समाज को स्वतंत्रता आंदोलन के लिए तैयार किया।

राजा भभूत सिंह को सतपुड़ा के घने जंगलों एवं पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे की जानकारी थी, जहाँ उन्होंने जनजातीय समाज को एकजुट कर उनके साथ मिल कर गौरिल्ला युद्ध पद्धति से अंग्रेजों का मुकाबला किया। राजा भभूत सिंह का रणकौशल जबरदस्त था। वह पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे से वाकिफ थे, जबकि अंग्रेज फौज पहाड़ी रास्तों से परिचित नहीं थी। भभूत सिंह की फौज अचानक उन पर हमला करती और गायब हो जाती। इससे अंग्रेज बहुत ज्यादा परेशान रहने लगे।

ऐतिहासिक संदर्भों से ज्ञात होता है कि राजा भभूत सिंह का रणकौशल शिवाजी महाराज की तरह था। शिवाजी महाराज की तरह राजा भभूत सिंह सतपुड़ा पर्वतों के हर पहाड़ी मार्ग से वाकिफ थे। जब देनवा घाटी में अंग्रेजी मिलिट्री और मद्रास इन्फेंट्री की टुकड़ी के साथ राजा भभूत सिंह का युद्ध हुआ तो अंग्रेजी सेना बुरी तरह पराजित हो गई। इस संबंध में एलियट लिखते हैं कि भभूत सिंह को पकड़ने के लिए ही मद्रास इन्फेंट्री को बुलाना पड़ा था। राजा भभूत सिंह अपनी सेना के साथ 1860 तक लगातार अंग्रेजों से सशस्त्र संघर्ष करते रहे। अंग्रेज पराजित होते रहे। वे सन् 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों की नाक में दम करने वाले के रूप में भी जाने जाते हैं। राजा भभूत सिंह तात्या टोपे के सहयोगी थे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने विभागीय विषयों की समीक्षा कर दिए निर्देश

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि पंचायत विभाग के अंतर्गत जिला पंचायत तथा जनपद पंचायतों हेतु बनने वाले भवन भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि इन भवनों में ग्रे-वाटर ट्रीटमेंट, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, सोलर ऊर्जा से विद्युत आपूर्ति जैसी आधुनिक सुविधाओं का अनिवार्य रूप से समावेश करें। उन्होंने आगे कहा कि कार्यालय भवनों को नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाएं। श्री पटेल ने विकास भवन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की।

श्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और विस्तृत निर्देश दिए। उन्होंने नवीन जिला पंचायत कार्यालय भवन एवं नर्मदा परिक्रमा पथ में विश्राम गृह की प्रस्तावित डिजाइन का प्रस्तुतीकरण देखा। उन्होंने कहा यह भवन कार्यालयीन अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत भवनों में आने वाले आम नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप छाया, पेयजल, शौचालय और साफ सफाई की पर्याप्त व्यवस्था हो। उन्होंने नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए बनाए जाने वाले विश्रामगृहों को सर्व सुविधायुक्त बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इन गृहों के निकलने वाला ग्रे-वॉटर नर्मदा एवं सहायक नदियों में न मिले। ये वॉटर का ट्रीटमेंट कर जल का समुचित उपयोग करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी अपने सुझाव देने को कहा।

श्री पटेल ने इस दौरान पेसा एक्ट के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनजाति समुदायों के हित में पेसा एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन हमारी प्राथमिकता है, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ और पेसा को ऑर्डिनेटर की संयुक्त ट्रेनिंग कराने के निर्देश दिए।

योजना

स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में बढ़ते कदम

दूध हमारे शरीर के पोषण के लिए आवश्यक है। इसका उपयोग विविध प्रकार से किया जाता है। यह कैल्शियम, प्रोटीन और महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर है। मजबूत हड्डियों के निर्माण, प्रतिरक्षा को बढ़ाने और संपूर्ण स्वास्थ्य जीवन के लिए दूध की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह हमारे दैनिक आहार का हिस्सा है। एक तरफ यह हमारे पोषण का हिस्सा है तो दूसरी ओर किसानों और अन्य व्यवसायियों के लिए आजीविका का बड़ा स्रोत है।

दूध डेयरी की भूमिका

दूध डेयरी अच्छे स्वास्थ्य और पोषण के स्रोत के रूप में विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में आर्थिक स्थिरता के लिए लाखों किसानों की जीवन रेखा के रूप में कार्य करती है। यह डेयरी एक ऐसी शक्ति के रूप में स्थापित है जो शरीर को पोषण देती है, समुदायों को आजीविका देती है और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाती है।

दूध डेयरी की विकास यात्रा

आज, भारत दूध उत्पादन में विश्व भर में अग्रणी है, लेकिन पहले ऐसा नहीं था। आजादी के समय, देश को दूध की कमी का सामना करना पड़ा था। वार्षिक 21 मिलियन टन से भी कम उत्पादन होता था। 1950-51 में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता केवल 124 ग्राम प्रतिदिन थी। दुनिया के सबसे बड़े ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में से एक ऑपरेशन फ्लड (1970-1996) से बदलाव आना शुरू हुआ। ऑपरेशन फ्लड के अंत तक 73 हजार से अधिक डेयरी सहकारी समितियां स्थापित की गईं 700 कस्बों और शहरों को प्रतिदिन गुणवत्तापूर्ण दूध मिलता था।

भारत में दूध विकास

दूध विकास के साथ भारत के दूध उद्योग में बड़ा बदलाव शुरू हुआ। भारत का डेयरी क्षेत्र तेजी से बढ़ा तथा राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बन गया।

विश्व दूध परिदृश्य

भारत दूध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। यह दुनिया के 25 प्रतिशत दूध का उत्पादन करता है। जबकि वैश्विक दूध उत्पादन हर साल 2% की दर से बढ़ रहा है, भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता पिछले दस वर्षों में 48% बढ़ी है। 2023-24 में, औसत भारतीय को प्रतिदिन 471 ग्राम से अधिक दूध उपलब्ध रहा जो विश्व औसत 322 ग्राम से बहुत अधिक है।

भारत में डेयरी विकास की गाथा

भारत के दूध उत्पादन में पिछले एक दशक में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। 2014-15 और 2023-24 के बीच, दूध उत्पादन 146.3 मिलियन टन से 63.56% बढ़कर 239.2 मिलियन टन हो गया। देश ने पिछले 10 वर्षों में 5.7% की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखी है। यह स्थिर वृद्धि भारत की बड़ी जनसंख्या की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करती है, डेयरी क्षेत्र अब कुशल उत्पादक बन गया है। 2023-24 में, उत्तर प्रदेश शीर्ष दूध उत्पादक राज्य था। इसने भारत के कुल दूध उत्पादन में 16.21 प्रतिशत का योगदान दिया। पश्चिम बंगाल ने दूध उत्पादन में सबसे तेज वृद्धि दिखाई। इसने 2022-23 की तुलना में 9.76 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की।

भारत में पशुधन और गौवंशीय पशु

पशुधन और गौवंश की उल्लेखनीय वृद्धि भारत के डेयरी क्षेत्र की गतिशील प्रकृति को रेखांकित करती है। इसमें 303.76 मिलियन गौवंशीय पशुओं और 74.26 मिलियन बकरियों की विशाल पशुधन संख्या शामिल है। भारत को 536.76 मिलियन की कुल पशुधन संख्या के साथ दुनिया के सबसे ज्यादा पशुधन वाला देश होने का स्थान प्राप्त है।

किसानों और महिलाओं की भागीदारी

भारत ने सहकारी क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस क्षेत्र में 22 दुग्ध संघ शीर्ष निकाय, 240 जिला सहकारी दुग्ध संघ, 28 विपणन डेयरियां और 24 दुग्ध उत्पादक संगठन हैं। ये संगठन लगभग 2,30,000 गांवों को जोड़ते हैं और इनमें 18 मिलियन डेयरी किसान सदस्य के रूप में शामिल हैं।

भारत के डेयरी उद्योग में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी है, जिसमें 35 प्रतिशत महिलाएं डेयरी सहकारी समितियों में भाग लेती हैं। देशभर में गांव स्तर पर 48 हजार महिला डेयरी सहकारी समितियां संचालित हैं, जो समावेशी विकास को बढ़ावा देती हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाती हैं।

आर्थिक योगदान

वर्तमान में भारत का डेयरी उद्योग सबसे बड़ा क्षेत्र है, जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 5 प्रतिशत का योगदान देता है और 8 करोड़ से अधिक किसानों को सीधे रोज़गार देता है। पिछले एक दशक में भारत का दूध उत्पादन उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है, जिसकी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 6 प्रतिशत है।

भारत की दुग्ध क्रांति को आगे बढ़ाने वाली योजनाएं

पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में दूध उत्पादन को सक्रिय रूप से समर्थन दिया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य दूध उत्पादन को बढ़ावा देना, गौवंशी उत्पादकता में सुधार करना और ग्रामीण किसानों के लिए डेयरी को अधिक लाभदायक बनाना है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

वैज्ञानिक और समग्र तरीके से देशी गौवंशी नस्लों को विकसित करने और संरक्षित करने के लिए दिसंबर 2014 में राष्ट्रीय गोकुल मिशन शुरू किया गया। 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के लिए 3400 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ संशोधित मिशन को मंजूरी दी गई। इस मिशन के तहत, राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम 605 जिलों में किसानों के दरवाजे पर मुफ्त कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं प्रदान करता है। देश में पहली बार इस कार्यक्रम के तहत किसानों को एआई सेवाएं मुफ्त दी गई। कार्यक्रम के तहत 5.42 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं। इसका उद्देश्य कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत करना है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी)

देशभर में डेयरी क्षेत्र में सुधार के लिए फरवरी 2014 में राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) शुरू किया गया। जुलाई 2021 में इस योजना का पुनर्गठन किया गया और इसे 2021-22 से 2025-26 की अवधि के दौरान लागू किया जा रहा है। एनपीडीडी का प्राथमिक उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण दूध के उत्पादन के साथ-साथ इसकी खरीद, प्रसंस्करण और विपणन के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण और सुदृढ़ीकरण करना है। इस कार्यक्रम को राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों, विशेष रूप से राज्य सहकारी डेयरी संघों के माध्यम से लागू किया जा रहा है, ताकि जमीनी स्तर पर बेहतर समन्वय और पहुंच हो सके।

पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी)

5 मार्च 2025 को कैबिनेट ने एलएचडीसीपी के संशोधित संस्करण को मंजूरी दी। इस योजना के तीन घटक हैं, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी), पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण (एलएचएंडडीसी) और पशु औषधि। एलएचएंडडीसी के तीन उप-घटक हैं यानी गंभीर पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (सीएडीसीपी), मौजूदा पशु चिकित्सा अस्पतालों और औषधालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण - मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (ईएसवीएचडी-एमवीयू) और पशु रोगों के नियंत्रण के लिए राज्यों को सहायता (एएससीएडी) एलएचडीसीपी के तहत, खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस, पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (पीपीआर) और क्लासिकल स्वाइन फीवर (सीएसएफ) से बचने के लिए टीकाकरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन

राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) वर्ष 2014-15 में शुरू किया गया था, जिसे वर्ष 2021-22 में संशोधित किया गया। इस मिशन का उद्देश्य रोज़गार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और प्रति पशु उत्पादकता को बढ़ाना है, जिससे मांस, बकरी के दूध, अंडे और ऊन का उत्पादन बढ़ सके। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के बाद शेष उत्पादन से निर्यात हो सके।

इस योजना के तीन उप-मिशन हैं :

1. **पशुधन और मुर्गी पालन का नस्ल विकास** - अनुवांशिक गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना।
2. **चारा और चारा विकास** - गुणवत्तापूर्ण चारा और चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
3. **विस्तार और नवाचार** - पशुधन खेती में जागरूकता, प्रशिक्षण और नवाचार को बढ़ावा देना।

मध्यप्रदेश में होने वाले प्रयास

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश ने प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एम.पी. स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच सहायता अनुबंध (कोलेबोरेशन एग्रीमेंट) किया गया है। इस अनुबंध की अवधि 5 वर्ष होगी, जिसका आपसी सहमति से विस्तार किया जा सकेगा। इसके तहत मुख्य रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे, दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जायेगी और दुग्ध समितियों की संख्या बढ़ाई जायेगी। इन सबके परिणामस्वरूप दुग्ध उत्पादकों की आय में अप्रत्याशित वृद्धि होगी।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का कहना है कि दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में प्रदेश में दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार है, जिसे बढ़ाकर 9 हजार किया जाएगा। एक दुग्ध समिति लगभग 1 से 3 गांव में दुग्ध संकलन करती है, 9 हजार दुग्ध समितियों के माध्यम से लगभग 18 हजार ग्रामों को कवर किया जा सकेगा। दुग्ध संकलन भी 10.50 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 20 लाख किलोग्राम प्रतिदिन हो जाएगा।

पहले देश में दूध की कमी थी अब भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बन गया है। यह संभव हुआ है सरकार की मंशा, दूरदर्शिता और सामूहिक प्रयास से। यह आधुनिक पद्धतियों और किसान-केंद्रित योजनाओं को अपनाने, ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने का लंबा सफर है। इसमें निरंतर नवाचार, प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग की संभावना है। निश्चित ही समावेशी डेयरी क्षेत्र स्वस्थ, आत्मनिर्भर और मजबूत भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

- हितेश शर्मा

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

अग्रणी बनने के लिए हर स्तर पर समन्वय और सक्रियता अनिवार्य

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 15वें वित्त आयोग एवं प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत – स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत संचालित निर्माण एवं विकास कार्यों की संभागवार वृहद समीक्षा की। बैठक में निर्माण कार्यों की प्रगति, बजट व्यय की स्थिति, गुणवत्ता, समय-सीमा, तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग के महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा कर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बने, इसके लिए सभी स्तरों पर समन्वय और सक्रियता अनिवार्य है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी कार्यों की सघन मॉनिटरिंग कर निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं, ताकि आम नागरिकों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संभागीय स्तर पर कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। हर 15 दिवस में राज्य स्तर पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा होगी। इस अवसर पर प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, परियोजना संचालक श्री नीरज कुमार सिंह सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तकनीकी मैनपावर की करें समुचित व्यवस्था

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि तकनीकी सहयोग और कार्यों की गहन निगरानी हेतु आवश्यक तकनीकी मैनपावर की समुचित व्यवस्था की जाए और इसके लिए एक प्रभावी निगरानी तंत्र तैयार किया जाए। किसी भी स्तर पर कार्यों में अवरोध हो तो उसकी जानकारी तत्काल उच्च स्तर पर दी जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदेशवासियों को सुलभ, सशक्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

15वें वित्त आयोग में मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य ढाँचे के सुदृढ़ीकरण के लिए 4 हजार 600 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई, जिसमें से अब तक 2 हजार 540 करोड़ रुपये की राशि राज्य को प्राप्त हुई है और 1 हजार 487 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। भवनविहीन उप स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण हेतु 1 हजार 649.17 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसमें 543.06 करोड़ रुपये जारी किए गए और 298.97 करोड़ रुपये का व्यय हुआ। ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स हेतु 94.41 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई, 57.98 करोड़ रुपये जारी हुए और 44.47 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

उप स्वास्थ्य केंद्रों में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना के लिए 544.87 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई, जिसमें 312.96 करोड़ रुपये जारी किए गए और 226.36 करोड़ रुपये का व्यय हुआ। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर हेतु 577.34 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए, जिनमें से 331.56 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई और 219.60 करोड़ रुपये व्यय हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों के उप स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में परिवर्तित करने हेतु 395.50 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत और पूर्णतः जारी की गई, जिसमें से 297.78 करोड़ रुपये का व्यय हुआ।

शहरी क्षेत्रों में डायग्नोस्टिक सुविधाओं के विकास हेतु 144.28 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए, 54.34 करोड़ रुपये जारी हुए और 41.07 करोड़ रुपये व्यय किए गए। शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों की स्थापना एवं संचालन हेतु 1 हजार 195.29 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई, जिसमें से 845.12 करोड़ रुपये जारी हुए और 359.08 करोड़ रुपये व्यय किए गए। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्रदेश की 2 हजार 37 स्वास्थ्य इकाइयों के लिए कुल 1 हजार 512.64 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई, जिनमें से अब तक 347.99 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है।

भवनविहीन 1790 उप स्वास्थ्य केंद्रों में से 118 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, 1507 कार्य निर्माणाधीन हैं। यह कार्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे हैं। भवनविहीन 119 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में से 26 कार्य पूर्ण, 88 प्रगतिरत हैं। ये कार्य स्वास्थ्य विभाग, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम तथा मध्यप्रदेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निर्माण निगम द्वारा किए जा रहे हैं।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

अर्थशास्त्र पर आधारित

1. अल्फिरे फोस्टर (एएफ) पद्धति वैश्विक स्तर पर किसका मापन करती है?
अ. गरीबी ब. बेरोज़गारी
स. भुखमरी द. उपरोक्त सभी
उत्तर- अ. गरीबी

2. रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और सशस्त्र बलों के स्वदेशीकरण प्रयासों में निजी क्षेत्र को भागीदार बनाने के लिये कौनसा पोर्टल है?
अ. भारकेश
ब. सृजन
स. अर्जुन
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. सृजन

3. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक जो केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा जारी किया जाता है, आधार वर्ष क्या है?
अ. 2011-12 ब. 2012-13
स. 2013-14 द. 2014-15
उत्तर- अ. 2011-12

4. निम्नलिखित में से बॉण्ड के संबंध में सत्य कथन बताइये?
अ. यह किसी देश की सरकार या कंपनी द्वारा धन जुटाने के लिये जारी किये जाते हैं
ब. इन पर एक निश्चित प्रतिफल देय होता है
स. बॉण्ड के बाजार मूल्य में परिवर्तन से प्रतिफल अप्रभावित होता है
द. उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं
उत्तर- अ. यह किसी देश की सरकार या कंपनी द्वारा धन जुटाने के लिये जारी किये जाते हैं
व्याख्या- बॉण्ड पर प्रतिफल तय नहीं होता है और बाण्ड के बाजार मूल्य में बदलाव के साथ बदलता रहता है। यह बॉण्ड की कीमतों से विपरीत रूप से संबंधित है यानी जब बॉण्ड की कीमतें बढ़ती हैं तो प्रतिफल गिरता है।

5. समाधान पोर्टल संबंधित है?
अ. कर्मचारी भविष्य निधि पासबुक एक्सेस करने से।
ब. औद्योगिक विवाद दर्ज करना और उनकी स्थिति पर नजर रखने से
स. सरकारी अधिकारियों और नागरिकों के बीच संवाद बनाने से
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- ब. औद्योगिक विवाद दर्ज करना और उनकी स्थिति पर नजर रखने से

6. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2016 में किस मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई है?
अ. नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
ब. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
स. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

7. आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन किस वर्ष प्रारंभ किया गया है?
अ. 2021 ब. 2022
स. 2023 द. 2024
उत्तर- अ. 2021

8. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जो कि एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है किस वर्ष प्रारंभ की गई है?
अ. 2016 ब. 2017
स. 2018 द. 2019
उत्तर- द. 2019

9. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जिसका संचालन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किया जाता है, कब प्रारंभ की गई है?
अ. 2016 ब. 2017
स. 2018 द. 2019
उत्तर- अ. 2016

10. रैखिक आर्थिक प्रणाली मानती है, कि संसाधन?
अ. प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं
ब. सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं
स. उपरोक्त में से कोई नहीं
द. अनिश्चित
उत्तर- अ. प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं

11. प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में सत्य कथन बताइये?
अ. इस योजना का उद्देश्य आवासीय छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को बढ़ावा देना है
ब. इस योजना के अंतर्गत केन्द्रीय सहायता राष्ट्रीय रूफटॉप सोलर पोर्टल के माध्यम से सीधे उपभोक्ताओं को हस्तांतरित की जाती है
स. शहरी स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को सौर ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिये प्रोत्साहन दिया जाता है
द. उपरोक्त सभी सत्य हैं
उत्तर- द. उपरोक्त सभी सत्य हैं

12. भारत में प्राथमिक रोज़गार क्षेत्र, जिसमें सबसे अधिक कार्यबल लगा हुआ है कौनसा है?
अ. कृषि ब. उद्योग
स. सेवा द. अनिश्चित
उत्तर- अ. कृषि

13. प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना किस वर्ष प्रारंभ की गई है?
अ. 2020 ब. 2021
स. 2022 द. 2023
उत्तर- द. 2023

14. प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम किन योजनाओं को मिलाकर बना है?
अ. प्रधानमंत्री रोज़गार योजना
ब. ग्रामीण रोज़गार सृजन कार्यक्रम
स. राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना
द. अ एवं ब को मिलाकर
उत्तर- द. अ एवं ब को मिलाकर

15. प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान देश के कितने जिलों में लागू है?
अ. 549 ब. 580
स. 600 द. 610
उत्तर- अ. 549

16. स्थानांतरित कृषि के संबंध में सत्य कथन बताइये?
अ. इसे झूम खेती भी कहा जाता है
ब. इसे स्लैश एंड बर्न कृषि कहा जाता है
स. इसमें मृदा का क्षरण होता है
द. उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं
उत्तर- द. उपरोक्त सभी कथन सत्य हैं

17. प्रधानमंत्री जनधन योजना किस मंत्रालय द्वारा लागू की गई है?
अ. जनजातीय मामले मंत्रालय
ब. वित्त मंत्रालय
स. प्रधानमंत्री सचिवालय
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. वित्त मंत्रालय

18. औषधीय पादपों को बढ़ावा देने के लिये राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड की स्थापना किस वर्ष की गई है?
अ. 2019 ब. 2000
स. 2015 द. 2025
उत्तर- ब. 2000
व्याख्या- यह बोर्ड आयुष मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

19. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन कब प्रारंभ किया गया था?
अ. 2000 ब. 2005
स. 2007 द. 2010
उत्तर- स. 2007

20. कृषि वानिकी उपमिशन कब लागू किया गया?
अ. 2016-17 ब. 2017-18
स. 2018-19 द. 2019-20
उत्तर- अ. 2016-17

21. प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत आगामी पांच वर्षों में कितने करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप प्रदान की जायेगी?
अ. 1 ब. 1.5
स. 2 द. 2.5
उत्तर-अ. 1
व्याख्या- इस योजना का लाभ 21 से 24 वर्ष के 10वीं कक्षा उत्तीर्ण युवा ले सकते हैं।

22. त्वरित नवाचार और अनुसंधान के लिये साझेदारी (PAIR) के संदर्भ में असत्य कथन बताइये?
अ. यह बहु संस्थागत कार्यक्रम है, जिसे मेंटरशिप संचालित हब एंड स्टोक मॉडल के माध्यम से उभरते संस्थाओं को शीर्ष स्तरीय संस्थाओं के साथ जोड़ा जायेगा
ब. इस कार्यक्रम की केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से 50-50 प्रतिशत लागत साझा की जाएगी
स. इसे राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन द्वारा प्रारंभ किया गया है
द. उपरोक्त सभी सत्य हैं
उत्तर- ब. इस कार्यक्रम की केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से 50-50 प्रतिशत लागत साझा की जाएगी

23. वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024 में 133 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में भारत का कौनसा स्थान है?
अ. 35 ब. 34
स. 39 द. 40
उत्तर- स. 39
व्याख्या- यह रिपोर्ट प्रतिवर्ष विश्व बौद्धिक संपदा संगठन प्रकाशित करता है।

24. डिजिटल कृषि मिशन के संबंध में सत्य कथन बताइये?
अ. एग्री स्टैक और कृषि निर्णय सहायता प्रणाली इसके दो आधारभूत स्तंभ हैं
ब. इस मिशन में 'मृदा परिच्छेदिका' मानचित्रण भी सम्मिलित है
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. उपरोक्त दोनों

25. जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान नवाचार और उद्यमिता विकास योजना किसके द्वारा प्रारंभ की गई है?
अ. नीति आयोग
ब. जैव प्रौद्योगिकी विभाग
स. नीति आयोग
द. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
उत्तर- ब. जैव प्रौद्योगिकी विभाग

26. ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम किस संस्था के द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है?
अ. राष्ट्रीय हरित अधिकरण
ब. भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
स. वन विभाग
द. पर्यावरण विभाग
उत्तर- ब. भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
व्याख्या- ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (GCP) एक बाजार आधारित अभिनव तंत्र है, जिसे विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगों और कंपनियों द्वारा स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिये बनाया गया है।

27. भारत के सुपर कम्प्यूटर हैं?
अ. परम युवा-2 ब. प्रत्युष
स. परम रुद्र द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

28. फलों और सब्जियों के उत्पादन में भारत का कौनसा स्थान है?
अ. प्रथम ब. द्वितीय
स. तृतीय द. चतुर्थ
उत्तर- ब. द्वितीय

29. ई-ग्राम स्वराज एप किसके द्वारा प्रारंभ किया गया है?
अ. ग्रामीण विकास मंत्रालय
ब. पंचायती राज मंत्रालय
स. कृषि मंत्रालय
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. पंचायती राज मंत्रालय

30. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना किस वर्ष प्रारंभ की गई है?
अ. 2000 ब. 2010
स. 2015 द. 2020
उत्तर- अ. 2000

31. निम्न में से कौनसा कथन सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) को परिभाषित करता है?
अ. प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिये निजी कंपनियों के बीच अनुबंध
ब. सरकारी और निजी संस्थाओं के बीच अनुबंध
स. निजी कामों को अनुदान प्रदान करने की सरकारी पहल
द. सार्वजनिक और निजी क्षेत्र का विलय
उत्तर- ब. सरकारी और निजी संस्थाओं के बीच अनुबंध

32. दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को कितने रुपये का रिवॉल्विंग फंड प्रदान किया जाता है?
अ. 10,000-15,000
ब. 15,000-20,000
स. 20,000-25,000
द. 25,000-30,000
उत्तर- अ. 10,000-15,000

33. लखपति दीदी किस मंत्रालय की पहल है?
अ. ग्रामीण विकास मंत्रालय
ब. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
स. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. ग्रामीण विकास मंत्रालय

34. नमो ड्रोन दीदी पहल योजना में ड्रोन खरीदने के लिये किसको अनुदान दिया जाता है?
अ. महिलाओं को
ब. महिला स्व-सहायता समूह को
स. ग्रेजुएट महिलाओं को
द. उपरोक्त में से किसी को भी नहीं
उत्तर- ब. महिला स्व-सहायता समूह को

35. ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म संबंधित है?
अ. डॉक्टर से दूर से टेलीमेडिसिन सेवा लेने से
ब. फसलों के लिये बीमा सुविधाओं से
स. स्वास्थ्य सेवा पेशेंटों को ऑनलाइन प्रशिक्षण
द. कृषि अनुदान को डिजिटल प्राप्त करने से
उत्तर- अ. डॉक्टर से दूर से टेलीमेडिसिन सेवा लेने से

36. प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के घटक हैं?
अ. मेगा फूड पार्क
ब. एकीकृत कोल्ड चेन
स. मूल्य संवर्धन अवसंरचना
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

37. 'सुफलम् 2024' किससे संबंधित स्टार्टअप सम्मेलन था?
अ. नवीकरणीय ऊर्जा
ब. वस्त्र निर्माण
स. खाद्य प्रसंस्करण
द. सूचना प्रौद्योगिकी
उत्तर- स. खाद्य प्रसंस्करण

38. प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिकीकरण के अंतर्गत प्रत्येक स्व-सहायता समूह सदस्य को कार्यशील पूंजी दी जाती है?
अ. 40,000 ब. 50,000
स. 60,000 द. 70,000
उत्तर- अ. 40,000

39. जनजातीय जनसंख्या में भारत का विश्व में कौनसा स्थान है?
अ. पहला ब. दूसरा
स. तीसरा द. चौथा
उत्तर- ब. दूसरा
व्याख्या- 2011 की जनसंख्या के अनुसार भारत में जनजातीय जनसंख्या कुल जनसंख्या का 8.9% है।

40. इंडिया हैंडलूम ब्राण्ड किस मंत्रालय के तहत कार्यान्वित हो रहा है?
अ. वाणिज्य एवं उद्योग
ब. कपड़ा
स. वित्त मंत्रालय
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- ब. कपड़ा

41. देश का सबसे बड़ा कुटीर उद्योग कौन सा है?
अ. हाथकरघा
ब. खाद्य प्रसंस्करण
स. सिलाई
द. कृषि
उत्तर- अ. हाथकरघा

42. पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का कौन सा स्थान है?
अ. पहला ब. दूसरा
स. तीसरा द. चौथा
उत्तर- द. चौथा

-डॉ. मायाराठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधक, सहायक यंत्री, कनिष्ठ यंत्री, सहायक ग्रेड-1, सहायक ग्रेड-2
पदों की संख्या - 18
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 13 जून, 2025
वेबसाइट - https://invest.mp.gov.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर

पद का नाम - प्राध्यापक, अतिरिक्त प्राध्यापक, सह प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक
पदों की संख्या - 58
योग्यता - राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से मान्यता प्राप्त संस्थान से चिकित्सा शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री तथा अन्य आवश्यक योग्यताएं
अंतिम तिथि - 16 जून, 2025
वेब. - https://aiimsnagpur.edu.in

भारतीय वायुसेना

पद का नाम - लोअर डिविजन क्लर्क, हिंदी टाइपिस्ट, कुक, स्टोर कीपर, बढ़ई, पेंटर, मल्टी टास्किंग स्टाफ, मेस स्टाफ, लॉन्ड्रीमैन, हाउस कीपिंग स्टाफ, वल्केनाइजर, सिविलियन मैकेनिकल ट्रांसपोर्ट ड्राइवर
पदों की संख्या - 148
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 जून, 2025
वेब. - https://indianairforce.nic.in

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड

पद का नाम - फील्ड अटेंडेंट, मेंटेनेंस असिस्टेंट, ब्लास्टर ग्रेड-II, इलेक्ट्रिशियन ग्रेड-III, इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्निशियन ग्रेड-III, एचईएम मैकेनिक ग्रेड-III, एचईएम ऑपरेटर ग्रेड-III, एमसीओ ग्रेड-III, क्यूसीए ग्रेड-III
पदों की संख्या - 995
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 जून, 2025
वेब. - https://www.nmdc.co.in

बिहार कर्मचारी चयन आयोग

पद का नाम - प्रयोगशाला सहायक
पदों की संख्या - 143
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से विज्ञान विषय के साथ इंटरमीडिएट/बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण हो
अंतिम तिथि - 16 जून, 2025
वेब. - https://www.onlinebssc.com

न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - प्रशिक्षु (वैज्ञानिक सहायक), प्रशिक्षु (तकनीशियन), सहायक ग्रेड-I
पदों की संख्या - 197
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 17 जून, 2025
वेब. - https://www.npcil.nic.in

ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड

पद का नाम - उप महाप्रबंधक (अग्नि एवं सुरक्षा), वरिष्ठ अभियंता (रासायनिक, विद्युत, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, इंस्ट्रूमेंटेशन, मैकेनिकल), वरिष्ठ अधिकारी (अनुबंध एवं खरीद, वित्त एवं लेखा, मार्केटिंग), अधिकारी (प्रयोगशाला)
पदों की संख्या - 27
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 17 जून, 2025
वेबसाइट - https://bcplonline.co.in

आयुध निर्माणी इटारसी

पद का नाम - स्नातक अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 24
योग्यता - बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए
अंतिम तिथि - 13 जून, 2025
वेब. - https://munitionsindia.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, मंगलागिरी

पद का नाम - प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, एडिशनल प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 33
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 जून, 2025
वेबसाइट - https://www.aiimsmangalagiri.edu.in

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र

पद का नाम - तकनीशियन (फिटर, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रिशियन, इलेक्ट्रोप्लेटर, वेल्डर, एमआर एंड एसी, मैकेनिक मोटर वाहन/मैकेनिक डीजल, फोटोग्राफी, बढ़ई), ड्रॉफ्ट्समैन (मैकेनिकल), फार्मासिस्ट
पदों की संख्या - 64
योग्यता - एसएसएलसी/एसएससी/कक्षा दसवीं उत्तीर्ण हो तथा संबंधित ट्रेड में आईआईटी तथा फार्मासिस्ट पद के लिए फॉर्मेसी में प्रथम श्रेणी डिप्लोमा
अंतिम तिथि - 16 जून, 2025
वेब. - https://www.vssc.gov.in

मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड

पद का नाम - युवा पेशेवर (भूगर्भ शास्त्र, भू भौतिकी, आईटी/एसएपी-ईआरपी, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, सामाग्री, व्यावसायिक विकास और विपणन, वित्त और लेखा, मेडिकल डॉक्टर
पदों की संख्या - 27
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 12 जून, 2025
वेबसाइट - https://mecl.co.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम का नाम - हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर, फिजियोथैरेपी तकनीशियन, डेंटल लैब तकनीशियन, रेडियोलॉजी तकनीशियन
योग्यता- हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर, फिजियोथैरेपी तकनीशियन, डेंटल लैब तकनीशियन के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है तथा रेडियोलॉजी तकनीशियन के लिए बारहवीं कक्षा (विज्ञान वर्ग) उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
सीट संख्या - 108-60-24-20
अंतिम तिथि - 30 जून, 2025
वेब. - https://www.nitcindia.com

हमारी नदियां

कृषि भूमि और उद्योगों को समृद्ध बनाने में बेतवा नदी की महत्ता

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार है। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल-जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की बेतवा नदी का परिचय -

बेतवा नदी मध्यप्रदेश की एक प्रमुख नदी है, जो यमुना नदी की एक महत्वपूर्ण सहायक नदी है। बेतवा नदी का प्राचीनतम नाम वैत्रवती नदी था। यह नदी मध्यप्रदेश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की भी प्रमुख नदियों में से एक मानी जाती है। बेतवा नदी को यमुना नदी की उपनदी माना जाता है। इस नदी का उद्गम मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में कुम्हारा गांव से हुआ है। बेतवा नदी उत्तरी पूर्वी दिशा से बहते हुए भोपाल, झांसी, विदिशा, ललितपुर आदि जिलों से होकर गुजरती है। इस नदी की कुल लंबाई लगभग 590 किलोमीटर है। प्रारंभिक प्रवाह के बाद यह कुछ दूरी तक मध्यप्रदेश में बहते हुए उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है। इसके बाद यह पुनः मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में प्रवाहित होती है, और पुनः उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर हमीरपुर के निकट यमुना नदी में समाहित हो जाती है। इस नदी को 'भगवान शिव की बेटी' के नाम से भी जाना जाता है। यह मध्यप्रदेश की गंगा कहलाती है जिसे बुंदेलखंड की जीवन रेखा भी कहा जाता है। नदी के किनारे बसने वाले कई शहरों और गांवों में कृषि और उद्योग के लिए यह जल प्रदान करती है।

इस नदी का उल्लेख बाणभट्ट ने कादंबरी में, कालिदास ने मेघदूतम में तथा केशवदास ने रसिकप्रिया में किया है। राजा भोज ने बेतवा नदी के किनारे भोजपुर बसाया था। राजा भोज को बेतवा नदी बड़ी प्रिय थी। वैत्रवती के पवित्र किनारे भोजपुर नगर बसाकर भगवान शिव की आराधना में मगन रहने वाले प्रतापी राजा भोज प्रकृति प्रेमी भी थे।

बेतवा नदी का पुराणों में उल्लेख है। इसके किनारे कई ऋषि मुनियों के आश्रम रहे हैं, कई कवियों का बेतवा तट पर निवास रहा है। बाणभट्ट आदि कवियों ने विदिशा के रामघाट पर बैठकर वैत्रवती के किनारे कादंबरी जैसे गद्य काव्य की रचना की है। इसी स्थल पर भवभूति का उल्लेख भी आता है। महाकवि कालिदास ने वैत्रवती के पावन तट पर बैठकर ही मेघदूत की रचना की है उन्होंने मेघदूत काव्य में विदिशा का वर्णन करते हुए उदयगिरि का बहुत ही सुन्दर रूप दर्शाया है। उनकी लेखनी ने बेतवा के किनारे जूही और कदम के फूलों का वर्णन किया है। इसके अतिरिक्त वैत्रवती के किनारे विंध्य प्रदेश में महाकवि केशव ने भी जन्म लिया था, केशव की श्री राम चन्द्रिका सारे भारतवर्ष के साहित्य जगत में विख्यात है। इसी नदी के किनारे कवि भूषण ने भी जन्म लिया और दक्षिण में जाकर वीर शिवाजी पर लिखकर अमरता प्राप्त की है।

विदिशा नगरी को वैत्रवती ने प्राकृतिक ढंग से माला पहनाई है। यह दक्षिण से बहकर पश्चिम की तरफ गई है फिर उत्तर की ओर बहकर पूर्व की ओर मुड़ गई है। इसकी प्राकृतिक समृद्धि ने विदिशा नगरी का गौरव बढ़ाया है। यहीं पर वैत्रवती के मध्य में भगवान श्रीराम के चरण भी स्थापित हैं। इन्हीं चरणों के कारण यह तीर्थस्थल श्रीराम चरण तीर्थ कहलाता है। एक बार भगवान श्रीराम, भाई लक्ष्मण के साथ यहां पधारे थे। वैत्रवती के त्रिवेणी संगम पर श्रीराम और लक्ष्मण का विशाल मन्दिर बना है। यहां बैस और वैत्रवती का संगम स्थल है। और यहीं पर पवित्र बेतवा नदी की एक उपधारा चुखैरेल नदी बहती है । इस प्रकार वैत्रवती नदी का यह स्थल त्रिवेणी कहलाता है। इस पवित्र त्रिवेणी स्थल का दर्शन करने के लिये यहां, दूर-दूर से यात्री आते हैं। यहां की प्राकृतिक छटा के दर्शन से लोग आनंदित हो जाते हैं।

यहां से आगे बढ़ने पर वैत्रवती नदी के किनारे वासुदेव नगर बसा है। जिसे आजकल गंजबासौदा कहते हैं। आगे जाकर इसी के तट पर कुरवाई नगर बसा है यह विदिशा जिले की एक तहसील है। वैत्रवती नदी विंध्य प्रदेश में जाकर ओरछा नगर के पास से निकलती है। यहां इसके किनारे पर बड़े-बड़े घाट हैं और बड़े-बड़े विशाल मन्दिर भी हैं। वैत्रवती नदी पर एक बड़ा घाट है, आगे जाकर इसी के तट पर माता टीला बांध है यह नदी झाँसी के ऊपर जाकर हमीरपुर के पास उत्तरप्रदेश में यमुना में मिल जाती है।

बेतवा नदी के किनारे स्थित प्रमुख नगर

ओरछा, सांची, विदिशा, चंदेरी और भोजपुर।

बेतवा नदी की सहायक नदियां

बेतवा की प्रमुख सहायक नदियां बीना, धसान, हलाली एवं जामिनी हैं।

धसान नदी

प्रवाह मार्ग : बेतवा की एक प्रमुख सहायक नदी धसान का उद्गम मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के बेगमगंज तहसील से होता है। यह उत्तर-पूर्व दिशा में प्रवाहित होकर अंततः बेतवा नदी में विलीन हो जाती है।

बीना नदी

प्रवाह मार्ग: बीना नदी मध्यप्रदेश के सागर जिले की पश्चिमी सीमा के पास, राहतगढ़ कस्बे के निकट प्रवाहित होती है।

सांस्कृतिक महत्व

बेतवा नदी का पुरातन सांस्कृतिक महत्व है। नदी के किनारे कई धार्मिक स्थल और तीर्थस्थान हैं। जो बेतवा नदी क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बेतवा नदी का इतिहास अति प्राचीन है। यह नदी कई पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़ी हुई है। ऐतिहासिक शहर ओरछा बेतवा नदी के किनारे स्थित है, जो अपने प्राचीन मंदिरों, किलों और महलों के लिए प्रसिद्ध है। ये स्थल भारतीय इतिहास और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

एक पौराणिक कथा के अनुसार, बेतवा नदी का निर्माण भगवान शिव के त्रिशूल से हुआ था। कथा के अनुसार, भगवान शिव ने अपने त्रिशूल से पृथ्वी पर प्रहार किया, जिससे बेतवा नदी का उद्गम हुआ।

ऐतिहासिक महत्व

बेतवा नदी का ऐतिहासिक महत्व है जो कई प्राचीन सभ्यताओं और राजवंशों से जुड़ा है। नदी के किनारे कई प्राचीन स्थल और स्मारक हैं, जो इसके महत्व और इतिहास के साक्षी हैं। मध्यकालीन काल में, बेतवा नदी के किनारे कई प्रमुख शहर और किले बनाए गए थे। ओरछा और ग्वालियर शहरों और किलों का निर्माण बुंदेला राजाओं द्वारा तथा मध्यकाल में किया गया।

बांध और जलाशय

बेतवा नदी पर कई बांध और जलाशय बनाए गए हैं, जैसे कि राजघाट बांध और माताटीला बांध। इन बांधों ने नदी के जल संसाधन का बेहतर उपयोग करने में मदद की है। बेतवा नदी का इतिहास बहुत समृद्ध है, और यह नदी मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

जलविद्युत उत्पादन

बेतवा नदी पर कई जलविद्युत परियोजनाएँ स्थापित की गई हैं, जो बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इस क्षेत्र में बेतवा जल परियोजना और अन्य बाँधों के माध्यम से विद्युत उत्पादन किया जाता है, जिससे स्थानीय और राज्य स्तर पर ऊर्जा की आवश्यकता पूरी होती है।

पर्यावरण और जैव विविधता

बेतवा नदी का पर्यावरणीय महत्व है। इसके आसपास के क्षेत्र में विविध प्रकार के वनस्पति और जीव-जंतु पाए जाते हैं। नदी के किनारे बसे वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पर्यटन

बेतवा नदी और इसके आसपास के क्षेत्र में कई पर्यटन स्थल हैं। ओरछा और झांसी जैसे ऐतिहासिक स्थल बेतवा नदी तट पर बसे हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसके अलावा, नदी तट का प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव भी पर्यटन को बढ़ावा देते हैं।

आजीविका का स्रोत

बेतवा नदी मछुआरों और स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। नदी के जल संसाधन का उपयोग कृषि कार्य तथा स्थानीय लोगों के जीवन-यापन का बड़ा साधन हैं। भालकुंड जलप्रपात (राहतगढ़ जलप्रपात): इस नदी के प्रवाह क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख जलप्रपात है।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

दीपक और नमन ने थाईलैंड ओपन में जीते स्वर्ण पदक

बैंकॉक, भारत के युवा मुक्केबाज दीपक और नमन तंवर ने थाईलैंड में आयोजित थाईलैंड ओपन मुक्केबाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता में भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल आठ पदक जीते हैं। टूर्नामेंट में दीपक ने 75 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान के अब्दुरखिमोव जावोखिर को 5-0 से हराया, जबकि नमन ने 90 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में चीन के हान शुझेन को 4-1 से मात दी। टूर्नामेंट में महिलाओं की 80 किलोग्राम से अधिक भारवर्ग में भारत की किरण को कजाकिस्तान की येलडाना टालिपोवा के हाथों हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में महिला वर्ग में तमन्ना (51) और प्रिया (57) ने कांस्य पदक जीता, वहीं पुरुष वर्ग में संजू (60), स्नेह (70) और एल राल्टे (80) ने कांस्य पदक जीता है।

आईपीएल-2025

रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु बना चैम्पियन

अहमदाबाद, मध्यप्रदेश के स्टार क्रिकेटर रजत पाटीदार की अगुवाई वाली रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) टीम विश्व की सबसे लोकप्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की चैम्पियन बन गई है। आरसीबी ने पहली बार यह खिताब जीता है। अहमदाबाद में खेले गए टूर्नामेंट के फाइनल में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराया।

फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स ने शानदार शुरुआत की और तूफानी बल्लेबाज फिल सॉल्ट (16) को दूसरे ओवर में ही आउट कर दिया। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक छोर पर टिके रहे। विराट ने मयंक अग्रवाल (24), रजत पाटीदार (26) और लियाम लिविंगस्टन (25) के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। विराट ने 43 रनों की पारी खेली। पारी के अंतिम ओवरों में जितेश शर्मा (24) और रोमारियो शेपर्ड (17) ने तेजी से रन बनाए और स्कोर को 190 रन तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (24) और प्रभसिमरन सिंह (26) ने मजबूत शुरुआत दिलाई। लेकिन इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद पंजाब की पारी बिखर गई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर महज एक रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि जोश इंग्लिश (39) और शशांक सिंह ने तेजी से रन बनाते हुए पंजाब को मैच में बनाए रखा। शशांक ने 30 गेंदों में 61 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी टीम को जीत दिलाने के लिए नाकाफी साबित हुई। पंजाब किंग्स को आखिरी ओवर में जीत के लिए 29 रन चाहिए थे, लेकिन शशांक 22 रन ही बना सके।

- **आईपीएल का खिताब जीतने वाली आठवीं टीम है रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु।**
- **मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स सबसे ज्यादा 5-5 बार बने हैं चैम्पियन।**
- **कोलकाता नाइटराइडर्स ने 3 बार, राजस्थान रॉयल्स, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और डेक्कन चार्जर्स ने 1-1 बार जीता है यह खिताब।**

मध्यप्रदेश के रजत पाटीदार की स्वर्णिम कप्तानी

रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने अपनी कप्तानी से सभी को प्रभावित किया है। वह आईपीएल में बतौर कप्तान खिताब जीतने वाले मध्यप्रदेश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

रीतिका ने कुश्ती रैंकिंग सीरीज में जीता स्वर्ण पदक

उलानबटार, भारत की युवा महिला पहलवान रीतिका हुड्डा ने मंगोलिया में आयोजित उलानबटार ओपन कुश्ती रैंकिंग सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रीतिका ने प्रतियोगिता में महिलाओं की 76 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा के फाइनल में मंगोलियाई पहलवान एनख अमरिन दावानासन को 5-2 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में भारत के स्टार पहलवान दीपक पूनिया ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 92 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन चोट के कारण वह फाइनल से हट गए।

बीरेंद्र लाकड़ा बने जूनियर हॉकी टीम के सहायक कोच

नई दिल्ली, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। हॉकी इंडिया ने इस वर्ष के अंत में आयोजित होने वाले जूनियर विश्व कप से पहले लाकड़ा को यह जिम्मेदारी सौंपी है। लाकड़ा जूनियर टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के साथ काम करेंगे। लाकड़ा ने वर्ष 2010 में भारत के लिए पदार्पण किया था। उनकी गिनती देश के सबसे विश्वसनीय डिफेंडर में होती है। लंदन ओलंपिक और टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

यूएफा चैंपियंस लीग

पेरिस सेंट जर्मेन ने पहली बार जीता खिताब

म्युनिख, फ्रांस के दिग्गज फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने यूएफा चैम्पियंस लीग का खिताब जीत लिया है। पीएसजी ने पहली बार यह प्रतिष्ठित लीग जीती है। पीएसजी ने एकतरफा फाइनल में इटैलियन क्लब इंटर मिलान को 5-0 से करारी मात दी। यूरोपीय क्लब फुटबॉल की सबसे बड़ी चैंपियनशिप में पीएसजी की जीत के हीरो 19 वर्षीय खिलाड़ी डिजायर डोए रहे, उन्होंने मैच में दो गोल किए।

लीग के फाइनल मुकाबले में पीएसजी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच बेहतरीन खेल का नजारा पेश किया और इंटर के समर्थकों को आखिरी सीटी बजने से पहले ही स्टेडियम छोड़ने के लिए मजबूर किया। पीएसजी की तरफ से डिजायर डोए ने 20वें और 63वें मिनट में गोल किए। उनके अलावा अचरफ हकीमी (12वें), ख्विचा क्वारात्सखेलिया (73वें) और स्थानापन्न खिलाड़ी सेनी मायुलु (86वें) ने एक-एक गोल करके पीएसजी की रिकॉर्ड जीत सुनिश्चित की।

पीएसजी के कोच लुई एनरिक ने कहा कि अब हमारे पास चैंपियंस लीग की ट्रॉफी है। जब मैं पीएसजी से जुड़ा था तो मैंने पहले दिन ही कहा था कि हमारा लक्ष्य चैंपियंस लीग का खिताब जीतना है। यह एकमात्र ट्रॉफी थी जिसे हम अभी तक नहीं जीत पाए थे। यह वह ट्रॉफी थी जो लियोनेल मेसी, नेमार या किलियन एमबाप्पे भी फ्रांस के इस क्लब को नहीं दिला पाए थे। इससे पहले पीएसजी वर्ष 2020 में भी चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंचा था।

- **यूएफा चैम्पियंस लीग जीतने वाला दूसरा फ्रांसीसी क्लब बन गया है पेरिस सेंट जर्मेन।**
- **इससे पहले वर्ष 1993 में मार्सिले क्लब ने जीता था यह टूर्नामेंट।**
- **स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड ने सबसे ज्यादा 15 बार जीती है चैम्पियंस लीग।**

वन-डे क्रिकेट के नियमों में बदलाव करेगा आईसीसी

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) वन-डे क्रिकेट में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इस प्रारूप में बल्लेबाजों के दबदबे को देखते हुए क्रिकेट की वैश्विक संस्था दो गेंद के इस्तेमाल के नियम पर बदलाव कर सकती है। दरअसल, आईसीसी क्रिकेट समिति ने वन-डे में एक गेंद के इस्तेमाल की सिफारिश की है।

वन-डे में लंबे समय से दो नई गेंद का नियम लागू है। इस सिफारिश को आईसीसी के निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए जिसके बाद ही इसे संशोधित खेल शर्तों में शामिल किया जाएगा। अभी वन-डे में दो नई सफेद कूकाबुरा गेंदों का इस्तेमाल किया जाता है। गेंदबाजों द्वारा प्रत्येक छोर से अलग-अलग नई गेंदों का इस्तेमाल करने के कारण गेंद सख्त बनी रहती है जिससे बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने का फायदा मिलता है। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने बताया कि आईसीसी क्रिकेट समिति ने तीन नियमों में बदलाव की सिफारिश की है।

जिनेवा ओपन

जोकोविच ने जीता 100वां खिताब

जिनेवा, सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने टेनिस खिताबी शतक पूरा कर लिया है। जोकोविच टेनिस में उन महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने 100 या इससे ज्यादा एकल खिताब जीते हैं। जोकोविच ने यह कारनामा जिनेवा ओपन का खिताब जीतकर किया। यह जोकोविच के टेनिस कॅरियर का 100वां एटीपी खिताब है।

जिनेवा ओपन के फाइनल में जोकोविच ने पोलैंड के हुबर्ट हुर्काज को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 5-7, 7-6, 7-6 से हराया। मैच के पहले सेट में जोकोविच को हार का सामना करना पड़ा। हुबर्ट ने पहला सेट 5-7 से जीतकर मुकाबले में बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में जोकोविच ने जबरदस्त वापसी की और हुबर्ट को कड़ी टक्कर देते हुए 7-6 से सेट जीत लिया। मैच के तीसरे और निर्णायक सेट में भी दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन जोकोविच जीत दर्ज करने में सफल रहे।

इससे पहले जोकोविच ने अपना आखिरी खिताब वर्ष 2024 के पेरिस ओलिंपिक में स्वर्ण पदक के रूप में जीता था। यह उनके कॅरियर का 99वां एटीपी खिताब था। इसके बाद जोकोविच ने दो बार खिताबी मुकाबलों में जगह बनाई, लेकिन हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पिछले वर्ष शंघाई ओपन के फाइनल में उन्हें जैनिक सिनर ने हराया और इस वर्ष मार्च में मियामी ओपन के फाइनल में जाकुब मेनसिक ने उन्हें मात दी थी।

- **सबसे ज्यादा एटीपी खिताब जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के जिमी कोनर्स के नाम है।**
- **कोनर्स ने 109 खिताब जीते हैं, वहीं फेडरर ने 103 खिताब जीते हैं।**
- **जोकोविच के नाम सबसे ज्यादा 24 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी है दर्ज।**

एशियन एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप

भारत ने 24 पदक जीतकर हासिल किया दूसरा स्थान

गुमी (दक्षिण कोरिया), भारतीय एथलीटों ने दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियन एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 10 रजत और 6 कांस्य पदक सहित कुल 24 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते भारत पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल करने में सफल रहा। चैम्पियनशिप में भारत ने पुरुष वर्ग में 3 और महिला वर्ग में 4 स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा भारत मिश्रित टीम वर्ग में एक स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहा।

गुलवीर सिंह ने जीते दो स्वर्ण पदक

चैम्पियनशिप में भारत के स्टार खिलाड़ी गुलवीर सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया और दो स्वर्ण पदक जीते। गुलवीर ने पुरुषों की 5 हजार मीटर दौड़ और 10 हजार मीटर दौड़ में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीते। गुलवीर ने 5 हजार मीटर दौड़ में 10 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। गुलवीर ने यह रेस 13 मिनट 24.77 सेकेंड में पूरी कर नया चैम्पियनशिप रिकॉर्ड बनाया। प्रतियोगिता में भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक अविनाश साबले ने जीता। अविनाश ने पुरुषों की 3 हजार मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और जापानी एथलीट युताओ निनाई को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं ने जीते 4 स्वर्ण पदक

एशियन एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत की महिला एथलीटों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण पदक जीते। भारत के लिए अनुभवी एथलीट ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। ज्योति ने यह रेस 12.96 सेकेंड में पूरी की, पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद स्पर्धा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। स्पर्धा में पूजा 1.89 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम करने में सफल रही।

महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले स्पर्धा में भारतीय महिला टीम का जलवा रहा। जिसना मैथ्यू, रूपल चौधरी, रजिता कुंजा और सुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 3 मिनट 34.18 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

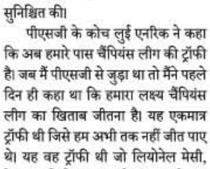

- **एशियन एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत का यह दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।**
- **इससे पहले भारत ने वर्ष 2017 में आयोजित इस प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण सहित 29 पदक जीते थे।**
- **प्रतियोगिता में चीन पहले, भारत दूसरे और जापान तीसरे स्थान पर रहा।**

स्पेनिश ग्रांप्री के चैम्पियन बने ऑस्कर पिएस्त्री

बार्सिलोना, ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी कार रेसर ऑस्कर पिएस्त्री ने फॉर्मूला-वन सर्किट पर अपना दबदबा बरकरार रखते हुए स्पेनिश ग्रांप्री रेस जीत ली है। रेस में पोल पोजिशन से शुरुआत करने वाले ऑस्कर ने 66 लैप की इस रेस को एक घंटा 32 मिनट 57.375 सेकेंड में पूरी की। रेस में ऑस्कर के टीम साथी और मैक्लेरेन के ड्राइवर लेंडो नॉरिस दूसरे स्थान पर रहे। रेस में चार्ल्स लेक्लर्क तीसरे, जॉर्ज रसेल चौथे और निको हल्केनबर्ग पांचवें स्थान पर रहे। पिछले तीन बार के फॉर्मूला-वन विश्व चैम्पियन मैक्स वर्स्टापेन रेस में दसवें स्थान पर रहे। मौजूदा सत्र में अब तक कुल 9 रेस आयोजित हुई हैं, इनमें से पांच रेस ऑस्कर ने जीती हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति बने ली जे म्युंग

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चुनाव में लिबरल पार्टी के उम्मीदवार ली जे-म्युंग ने बड़ी जीत दर्ज की है। राष्ट्रपति बनने की रेस में ली जे-म्युंग ने अपने प्रतिद्वंदी और कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार किम मून-सू को पीछे छोड़ दिया है। इसके बाद मून-सू ने अपनी हार का ऐलान किया। दक्षिण कोरिया में वर्ष 2024 में पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा मार्शल लॉ लागू करने के प्रयास से उत्पन्न हुई असाधारण राजनीतिक संकट के चलते समय से पहले चुनाव कराया गया है। मार्शल लॉ लागू करने के चलते यून सुक योल को महाभियोग से जूझना पड़ा था। दरअसल, यून ने अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के बीच 3 दिसंबर 2024 को मार्शल लॉ लाने की घोषणा की थी। यून के इस फैसले से न केवल दक्षिण कोरिया बल्कि, पूरी दुनिया हैरान रह गई थी। दक्षिण कोरिया में यून के मार्शल लॉ लाने के फैसले से राजनीतिक भूचाल आ गया था। इस फैसले से ली जे-म्युंग के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक पार्टी ने संसद में यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित कराया था। अप्रैल 2025 में संवैधानिक न्यायालय ने यून को औपचारिक तौर से पद से हटा दिया था।

स्विट्जरलैंड में बनी दुनिया की सबसे ऊंची थ्रीडी प्रिंटेड इमारत

स्विट्जरलैंड में दुनिया की सबसे ऊंची थ्रीडी प्रिंटेड इमारत बनाई गई है। इसे टोर अल्वा (सफेद इमारत) नाम दिया गया है। 98.5 फीट ऊंची यह इमारत स्विट्जरलैंड के मुर्लेग्स गांव में है, इस गांव की आबादी महज 11 है। इस इमारत को रोबोटिक थ्रीडी प्रिंटिंग प्रक्रिया के तहत बनाया गया है। इस इमारत की डिजाइनिंग आर्किटेक्ट माइकल हंसमेयर और डिजिटल बिल्डिंग टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर बेंजामिन डिल्लेनबर्गर ने की है। इमारत में 32 स्तंभ हैं, जो स्क्रू और स्टील केबल से जुड़े हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच हुई दूसरे दौर की शांति वार्ता

रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता का दूसरा दौर तुर्किए के इस्तांबुल में आयोजित हुआ। तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान ने कहा कि बैठक का उद्देश्य युद्ध विराम के लिए स्थितियों का मूल्यांकन करना, रूसी और यूक्रेनी राष्ट्रपतियों के बीच संभावित बैठक पर चर्चा करना तथा कैदियों की अदला-बदली के बारे में विचार करना था। यूक्रेनी रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने वार्ता के बाद कहा कि वार्ता के अंतिम दौर में युद्ध के कैदियों की अदला-बदली पर सहमति हुई है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने जून के अंत से पहले और अधिक वार्ता आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है। उल्लेखनीय है कि यह वार्ता अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बीच हुई है। ट्रंप ने कहा कि अगर रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर कोई प्रगति नहीं होती है तो अमरीका मध्यस्थता छोड़ सकता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित कृषि संकल्प अभियान को किया संबोधित

विकसित कृषि संकल्प अभियान किसानों के लिए प्रगति के नए रास्ते खोलेगा और कृषि में आधुनिकीकरण को बढ़ावा देगा- प्रधानमंत्री

- हमारे वैज्ञानिकों का दल प्रयोगशाला से लेकर खेतों तक जाकर किसानों को आधुनिक कृषि के बारे में जानकारी देगा।
- मौसम शुरू होने से पहले किसानों की मदद के लिए वैज्ञानिक समूह सभी डेटा उपलब्ध कराएंगे।
- इस अभियान का उद्देश्य भारतीय कृषि को विकसित भारत का मुख्य आधार बनाना है।
- भारत को न केवल अपनी जरूरतों को पूरा करना चाहिए, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता के रूप में भी उभरना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' को संबोधित करते हुए

विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत किसानों के लिए महत्वपूर्ण पहल है और यह कृषि विकास को समर्थन देने का अनूठा प्रयास है। मानसून नजदीक आने और खरीफ सीजन की तैयारियां शुरू होने के साथ, अगले 12 से 15 दिनों में वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, अधिकारियों और किसानों को मिलाकर बने 2 हजार दल 700 से अधिक जिलों का दौरा करेंगे और गांवों के लाखों किसानों से संपर्क करेंगे।

यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित कृषि संकल्प अभियान को संबोधित करते हुए कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलते समय के साथ भारत के कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय किसानों ने रिकॉर्ड उत्पादन हासिल किया है, अनाज के भंडार भरे हैं, लेकिन बाजार का स्वरूप और उपभोक्ता की प्राथमिकताएं लगातार बदल रही हैं। राज्यों और किसानों के सहयोग से कृषि प्रणालियों में आधुनिक सुधार लाना जरूरी है। इस अभियान के तहत वैज्ञानिक दल प्रयोगशाला से खेत तक जाएंगे, किसानों तक व्यापक डेटा पहुंचाएंगे और उन्हें कृषि से जुड़े उन्नत ज्ञान से अवगत कराएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दल खरीफ सीजन शुरू होने से पहले किसानों की सहायता के लिए तैयार रहेंगे।

नई तकनीकों के साथ सफलतापूर्वक प्रयोग

प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ दशकों में भारत के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण शोध प्रगति के बारे में बताया और खेती के परिणामों पर उनके सकारात्मक प्रभाव पर ध्यान अंकित कराया। उन्होंने ऐसे प्रगतिशील किसानों की प्रशंसा की जिन्होंने नई तकनीकों के साथ सफलतापूर्वक प्रयोग किए हैं और प्रभावशाली पैदावार हासिल की है। वैज्ञानिक अनुसंधान और सफल कृषि पद्धतियों को व्यापक कृषक समुदाय तक पहुंचाने की अहमियत को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही प्रयास जारी हैं, लेकिन अब इन पहलों को नई ऊर्जा के साथ तेज करने की आवश्यकता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान इस ज्ञान के अंतर को पाटने का एक मूल्यवान अवसर प्रस्तुत करता है, जिससे किसानों को अत्याधुनिक कृषि से जुड़ी जानकारियों से लाभ मिल सके।

सौर पैनल लगाने से अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के लिए अवसरों का विस्तार करने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। खेतों की सीमाओं पर सौर पैनल लगाने से अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने मीठी क्रांति के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि मधुमक्खी पालन से किसानों को लाभ हो रहा है और अधिक प्रतिभागियों को शामिल करने के लिए इसका विस्तार किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कृषि अवशेषों को ऊर्जा में बदलने और कचरे को धन में बदलने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए भारत की कृषि को भी विकसित होना चाहिए। उन्होंने कृषि क्षेत्र में बदलाव के उद्देश्य से केंद्र सरकार के कई प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित होना चाहिए, कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के साथ फसल उत्पादन को संरेखित करने सहित महत्वपूर्ण मुद्दों को रेखांकित किया। श्री मोदी ने कहा, भारत को न केवल अपनी जरूरतों को पूरा करना चाहिए, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता के रूप में भी उभरना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटना, न्यूनतम जल उपयोग के साथ अनाज उत्पादन बढ़ाना, हानिकारक रसायनों से मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करना, कृषि तकनीकों का आधुनिकीकरण करना तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी को खेतों तक ले जाना आवश्यक है।

भारत ने अफगानिस्तान के लिए वीजा सेवा की शुरू

भारत ने व्यापार, शिक्षा और चिकित्सा उपचार के लिए देश की यात्रा करने के इच्छुक अफगानिस्तान के नागरिकों के लिए वीजा सेवा फिर से शुरू कर दी है। अफगान नागरिक वीजा के लिए अब ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद भारत ने काबुल में अपने दूतावास से अधिकारियों को वापस बुला लिया और वीजा सेवाओं को निलंबित कर दिया था।

भारत सरकार के आधिकारिक वीजा पोर्टल पर जारी एक अधिसूचना के अनुसार, वीजा व्यवसाय, छात्र, चिकित्सा, चिकित्सा परिचारक, प्रवेश और संयुक्त राष्ट्र राजनयिक की श्रेणियों में दिए जाएंगे। प्रत्येक आवेदक को अफगान राष्ट्रीय पहचान पत्र (तजकिरा) आनलाइन अपलोड करना होगा, जिसमें नाम, जन्म तिथि, राष्ट्रीयता और समाप्ति तिथि आदि व्यक्तिगत विवरण शामिल होंगे।

आवेदक को साथ रखनी होगी ईटीए की कॉपी

अधिसूचना में कहा गया है कि व्यवसाय कार्ड, आमंत्रण पत्र आदि सहित सभी दस्तावेज अंग्रेजी भाषा में होने चाहिए, ऐसा न करने पर आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा। भारत आने पर इमिग्रेशन में आवेदक का बायोमेट्रिक विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाएगा। आवेदकों को यात्रा के समय इलेक्ट्रानिक ट्रैवल ऑथराइजेशन (ईटीए) की एक प्रति साथ रखनी चाहिए। उन्हें तभी यात्रा करनी चाहिए, जब यात्रा शुरू होने से पहले आधिकारिक वीजा पोर्टल पर ईटीए की स्थिति के रूप में दिखाई दे।

भारत और पराग्वे के बीच हुआ समझौता

भारत और दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे ने अपने द्विपक्षीय संबंधों की संरचना को सुदृढ़ करने के लिए संयुक्त आयोग तंत्र (जेसीएम) स्थापित करने का फैसला किया है। यह फैसला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पलासियोस के बीच नई दिल्ली में सम्पन्न हुई बैठक में लिया गया।

द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पराग्वे के विदेश मंत्री रूबेन रमिरेज एल की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच संयुक्त आयोग तंत्र की स्थापना को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकी, खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, रक्षा, रेलवे और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

ब्रिक्स संचार मंत्रियों की 11वीं बैठक

भारत समावेशी और सतत डिजिटल परिवर्तन के लिये प्रतिबद्ध – डॉ. चंद्रशेखर

ब्राजील के ब्रासीलिया में आयोजित ब्रिक्स संचार मंत्रियों की 11वीं बैठक में संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान बैठक में डॉ. चंद्रशेखर ने समावेशी, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार डिजिटल विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहे ब्राजील द्वारा निर्धारित विषयों-सार्वभौमिक और सार्थक कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष स्थिरता, पर्यावरणीय स्थिरता और डिजिटल तंत्र की भारत की प्राथमिकताओं को साझा किया।

डॉ. चंद्रशेखर ने भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) को समावेशी और परिवर्तनकारी डिजिटल शासन के लिए वैश्विक मानक के रूप में प्रस्तुत किया। सार्वभौमिक कनेक्टिविटी को बढ़ाने में आधार और यूपीआई जैसी प्रमुख पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि आधार ने 950 मिलियन से अधिक नागरिकों को एक सुरक्षित डिजिटल पहचान के साथ सशक्त बनाया है जिससे आवश्यक सार्वजनिक और निजी सेवाओं तक निर्बाध पहुंच संभव हुई है। उन्होंने कहा कि यूपीआई ने डिजिटल भुगतान में क्रांति ला दी है और अब वैश्विक डिजिटल लेनदेन में इसकी हिस्सेदारी 46 प्रतिशत है।

भारत की उपलब्धियों पर चर्चा

डॉ. चंद्रशेखर ने डिजिटल अंतर से डिजिटल लीडरशिप के रूप में उभरने की भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत के महत्वाकांक्षी डिजिटल भारत निधि कार्यक्रम को मुख्य पहल के रूप में प्रदर्शित किया गया, जो भारतनेट जैसी ऐतिहासिक परियोजनाओं को वित्तपोषित करता है और 2,18,000 से अधिक ग्राम परिषदों को ऑप्टिकल फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ता है। भारत के स्वदेशी विकास और 4जी व 5जी तकनीकों की बड़े पैमाने पर तैनाती ने देश में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी को साकार किया है, जो अब 4जी के साथ 95 प्रतिशत से अधिक आबादी और 5जी के साथ 80 प्रतिशत से अधिक आबादी को कवर करती है।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।